@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 28 मई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 203 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

देश के हर जरूरतमंद तक समय पर खाद्यान्न पहुंचे, इसके लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध : पीएम मोदी

'सरकार चाहती है कि खाद्यान्न की अंतिम व्यक्ति तक डिलीवरी बेहतर हो'

एजेंसी
नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को ज्यादा आधुनिक, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए सरकार की बड़ी पहल का ऐलान किया है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि सरकार देश के हर जरूरतमंद तक समय पर खाद्यान्न पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पीएम मोदी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'देश के हर जरूरतमंद तक पीडीएस के माध्यम से समय पर खाद्यान्न पहुंचे, इसके लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में सार्थक पीडीएस को ज्यादा आधुनिक और प्रभावी बनाकर जारी रखने का

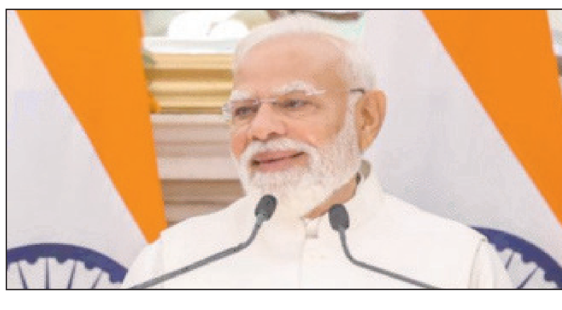

फैसला किया गया है। इससे पीडीएस से होने वाली डिलीवरी, लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्टेशन व्यवस्था अधिक पारदर्शी और बेहतर बनेगी, साथ ही शिकायतों के समाधान में भी तेजी आएगी।' प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स (सीसीईए) ने 'सार्थक-पीडीएस' योजना को अगले पांच वर्षों तक जारी रखने को मंजूरी दी है। इस योजना पर केंद्र सरकार

● राशन व्यवस्था में होने वाली गड़बड़ियां कम हों, और पूरे सिस्टम में पारदर्शिता बढ़े। यह योजना 31 मार्च 2031 तक लागू रहेगी।

करीब 25,530 करोड़ रुपए खर्च करेगी। यह राशि 16वें वित्त आयोग की अवधि के दौरान केंद्र की हिस्सेदारी के रूप में दी जाएगी।

सरकार ने दो बड़ी योजनाओं को मिलाकर इस नई व्यापक योजना का ढांचा तैयार किया है। इनमें पहली योजना 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत राज्यों को खाद्यान्न के राज्य के भीतर परिवहन और फेयर प्राइस शॉप (एफपीएस) डीलरों के मार्जिन के लिए सहायता' और दूसरी 'स्मार्ट पीडीएस' योजना शामिल है। अब इन दोनों को मिलाकर 'सार्थक-पीडीएस' के रूप में लागू किया जाएगा।

इस योजना का मकसद सिर्फ राशन पहुंचाना नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम को तकनीक आधारित और नागरिक-केंद्रित बनाना है।

कर्नाटक में इबोला का संदिग्ध मामला निगेटिव पाया गया : दिनेश गुंडूराव

● बता दें कि एक 28 वर्षीय महिला युगांडा से बेंगलुरु पहुंची थी।

एजेंसी
बेंगलुरु। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने बुधवार को इबोला वायरस पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राज्य में इबोला वायरस से जुड़ा मामला सामने आया था लेकिन राहत की बात यह रही कि जांच में इसकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। साथ ही, उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जांच के बाद अभी तक किसी के भी इबोला वायरस से संक्रमित होने की जानकारी सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा, 'राज्य में जांच के बाद इबोला वायरस से जुड़ी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है कि जिस व्यक्ति के इबोला वायरस से संक्रमित होने की बात कही जा रही थी, उसकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है।' उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि स्वास्थ्य अधिकारियों की ओर से जारी किए गए नियमों का सख्ती से पालन किया जाए।

स्वास्थ्य विभाग मौजूदा स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए हैं। इसके इतर, स्वास्थ्य विभाग लोगों के स्वास्थ्य और उनकी सुरक्षा को देखते हुए हर प्रकार का कदम उठाने के लिए तैयार है। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग मौजूदा समय में स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए हैं। विभाग लोगों की सुरक्षा को देखते हुए हर प्रकार के जरूरी निर्णय लेने के लिए तैयार है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि उन्हें बिल्कुल भी घबराने की जरुरत नहीं है। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वो स्वास्थ्य विभाग और सरकार की ओर से जारी दिशानिर्देशों का गंभीरतापूर्वक पालन करें। बता दें कि एक 28 वर्षीय महिला युगांडा से बेंगलुरु पहुंची थी। इबोला वायरस की जांच के बाद उसे आइसोलेशन में रहने का निर्देश दिया गया।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दिशानिर्देशों के बाद कर्नाटक स्वास्थ्य ने राज्यभर में निगरानी तेज कर दी है।

28 को मनाई जाएगी बकरीद

● इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया ने जारी की 12 सूत्रीय सलाह

एजेंसी
लखनऊ। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली और अयोध्या बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि मामले के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने बकरीद को शांति और सौहार्दपूर्वक मनाने की अपील की है। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा आईएएनएस से बातचीत में कहा, '28 मई को बकरीद (ईद-उल-जुहा) पूरे देश में बड़े उत्साह और धार्मिक परंपराओं के साथ मनाई जाएगी। कुर्बानी 28, 29 और 30 तारीख को होगी जबकि ईद की नमाज 28 मई को अदा की जाएगी। इस संबंध में इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया, लखनऊ ने ईद-उल-जुहा के लिए 12 सूत्रीय सलाह जारी की है और लोगों से अपने-

अपने राज्यों के नियमों और विनियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की है।' मौलाना ने कहा, 'लोगों से अपील की है कि नमाज ईदगाहों में ही अदा की जाए। ईदगाह समय से पहले पहुंचे, जिससे आगे जगह मिल सके। इसके अलावा कुर्बानी उन्हीं जानवरों को देने की सलाह दी गई है, जिन्हें कानून मान्यता दे। कुर्बानी करते समय सफाई का पूरा ध्यान रखें। जानवरों के अवशेषों को नगर निगम द्वारा की गई व्यवस्था के तहत नष्ट किया जाए, इधर-उधर न फेंका जाए। कुर्बानी करते समय फोटो और वीडियो न बनाएं और न ही ऐसे तथ्य सोशल मीडिया पर अपलोड किए जाएं। नमाज के बाद देश की तरक्की के साथ लू से बचाने की दुआएं की जाएं।' इकबाल अंसारी ने सांप्रदायिक सद्भाव और शांतिपूर्ण बकरीद समारोह की अपील करते हुए कहा कि यह त्योहार त्याग, भाईचारे और सभी धर्मों के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

● असम में यूसीसी बिल पास होने पर गृह मंत्री शाह बोले-
समान कानून के लिए सरकार प्रतिबद्ध

'यूसीसी कानून राज्य के सभी नागरिकों के लिए एक समान नागरिक कानूनी व्यवस्था लागू करेगा।'

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को असम विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित होने पर राज्य की जनता को बधाई दी। यह कानून विवाह, तलाक, अलगाव, उत्तराधिकार, संपत्ति के बंटवारे और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे मामलों में सभी नागरिकों के लिए समान कानूनी ढांचा तैयार करेगा। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने बुधवार को विधानसभा में यूसीसी विधेयक-2026 पारित करा लिया। इसके साथ ही असम, उत्तराखंड और गुजरात के बाद यूसीसी लागू करने वाला देश का तीसरा और पूर्वोत्तर का पहला राज्य बन गया है। विपक्ष की ओर से विधेयक को प्रवर समिति के पास भेजने की मांग और हंगामे के बावजूद इसे सदन से मंजूरी मिल गई। गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य सरकार और जनता को बधाई देते हुए कहा, 'इस अवसर पर मैं मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और इस विधेयक का समर्थन करने वाले सभी

विधायकों को बधाई देता हूं।'

उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'असम की जनता को बधाई। समान नागरिक संहिता भाजपा की स्थापना के समय से ही उसका संकल्प रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा शासित राज्य हर नागरिक के लिए समान कानून स्थापित कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार देशभर में कानून के समक्ष समानता के सिद्धांत को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी असम के मुख्यमंत्री को बधाई दी। सीएम धामी ने कहा कि असम विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कानून का पारित होना विकसित, समरस और सशक्त भारत की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड से निकली यूसीसी की धारा अब पूरे देश में आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के समानता और न्याय आधारित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है।

गौरतलब है कि 2026 के असम विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने यूसीसी को अपने प्रमुख चुनावी वादों में शामिल किया था। इसी महीने राज्य मंत्रिमंडल की पहली बैठक में यूसीसी के मसौदे को मंजूरी दी गई थी।

ट्विशा शर्मा केस
29 मई तक सीबीआई हिरासत में पति समर्थ सिंह

एजेंसी
भोपाल। हाई-प्रोफाइल ट्विशा शर्मा केस में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मृतक मॉडल और अभिनेत्री के पति समर्थ सिंह को 29 मई तक हिरासत में भेज दिया है। इस मामले में सीबीआई की एंट्री के बाद जांच तेज हो गई है। 33 वर्षीय ट्विशा शर्मा 12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स स्थित अपने ससुराल में फांसी के फंदे पर लटकी मिली थीं। शुरुआती जांच में मामला संदिग्ध नजर आने पर परिवार ने पति और ससुराल वालों पर मानसिक प्रताड़ना, दहेज की मांग और लगातार उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद भोपाल पुलिस ने 15 मई को दहेज मृत्यु और क्रूरता से जुड़ी धाराओं में एफआईआर दर्ज की थी। ट्विशा का मॉडलिंग और एक्टिंग से

जुड़ा बैकग्राउंड होने की वजह से मामला जल्द ही राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया। इस बीच आरोपी समर्थ सिंह (वकील और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह का बेटा) घटना के बाद करीब 10 दिनों तक फरार रहा। बाद में समर्थ सिंह जबलपुर में सामने आया, जहां उसने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत याचिका वापस लेने के बाद सरेंडर करने की कोशिश की। हालांकि पुलिस ने साफ किया कि यह आत्मसमर्पण नहीं बल्कि गिरफ्तारी थी। उसे भोपाल कोर्ट में पेश किया गया, जहां शुरुआती पूछताछ में सहयोग न करने और कई अहम सवालों के जवाब न देने के आरोपों के चलते अदालत ने सात दिन की पुलिस रिमांड मंजूर की थी। जांच एजेंसियों का कहना है कि ट्विशा की मौत वाले दिन समर्थ सिंह की गतिविधियों को लेकर कई सवाल अभी भी अनसुलझे हैं। पुलिस और सीबीआई दोनों उनकी लोकेशन, कॉल रिकॉर्ड, डिजिटल डेटा और वित्तीय लेनदेन की गहन जांच कर रही है। इसी बीच मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में जमानत याचिका पर भी सुनवाई जारी है, जिस पर सभी की नजर बनी हुई है। ट्विशा के परिवार ने शुरुआत से ही स्थानीय पुलिस की जांच पर सवाल उठाए थे और सीबीआई जांच की मांग की थी। अब परिवार को उम्मीद है कि केंद्रीय एजेंसी पूरे मामले की सच्चाई सामने लाएगी। आधिकारिक तौर पर सीबीआई की स्पेशल क्राइम यूनिट-III की टीम मंगलवार सुबह भोपाल पहुंची। दो महिला अधिकारियों समेत टीम ने कटारा हिल्स स्थित घर की छत का निरीक्षण किया।

ईडी ने पिनाराई विजयन के घर पर छापा मारा

● सीपीआई (एम) ने विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया

एजेंसी
पथानामथिट्टा। सीपीआई (एम) के नेताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता पिनाराई विजयन और उनके परिवार के सदस्यों के घर पर राज्य पुलिस द्वारा आठ घंटे तक की गई छापेमारी का विरोध जताया है। इसके साथ ही वाम लोकतांत्रिक मोर्चे के नेतृत्व में 28 मई की शाम को पथानामथिट्टा में जोरदार विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। वाम लोकतांत्रिक मोर्चे के राज्य स्तरीय नेता गुरुवार को शाम 4 बजे पथानामथिट्टा तक विरोध मार्च में भाग लेंगे। सीपीआई (एम) के नेताओं ने आरोप लगाया कि केरल के मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री से मिलने दिल्ली आए थे और उन्होंने कांग्रेस पार्टी और भाजपा के बीच राज्य स्तर पर हुए समझौते के तहत जवाबी कार्रवाई की। वाम लोकतांत्रिक मोर्चे के पथानामथिट्टा जिला संयोजक एलेक्स कन्नमाला ने

कहा कि गुरुवार को होने वाला विरोध प्रदर्शन उन लोगों के लिए एक कड़ा संदेश होगा जो मानते हैं कि वामपंथ की ताकत कम हो गई है। इससे पहले मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव एमए बेबी ने बुधवार को पिनाराई विजयन से जुड़े सीएमआरएल-एक्सालॉजिक मामले में प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। बेबी ने इस कार्रवाई को 'पिनाराई विजयन के खिलाफ जघन्य अपराध' बताया और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और केरल में उसके सबसे बड़े नेता को राजनीतिक रूप से निशाना बना रही है। उन्होंने कहा, ''इस छापेमारी का आधार केरल हाईकोर्ट का वह आदेश बताया जा रहा है, जिसमें प्रवर्तन निदेशालय की जांच जारी रखने की अनुमति दी गई थी, लेकिन वीणा विजयन हर बार जांच में सहयोग करती रही हैं।

पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के स्लीपर सेल से जुड़े चार आतंकी गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) और एसटीएफ की सयुंक्त टीमों ने बुधवार को पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के स्लीपर सेल से जुड़े चार आतंकियों को गिरफ्तार किया है। ये अभियुक्त के सोशल मीडिया एवं वीडियो कॉलिंग के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे। जांच में यह भी पता चला है कि ये लोग संवेदनशील स्थलों की रेकी, युवाओं को जोड़ने और आतंकी-विध्वंसक गतिविधियों की साजिश में शामिल

होने के तथ्य सामने आए हैं। उत्तर प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था (एडीजी) अमिताभ यश ने बताया कि लगतार सूचनाएं मिल रही थी कि भारतीय युवाओं को भ्रमित कर एवं आर्थिक लाभ का प्रलोभन देकर एक सुनियोजित षड्यंत्र के तहत देश में सामाजिक सौहार्द, एकता, अखंडता, संप्रभुता एवं सुरक्षा को क्षति पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न राज्यों में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के निर्देश पर पाकिस्तानी गैंगेस्टर शहजाद भट्टी एवं आबिद जट्ट के आतंकी नेटवर्क द्वारा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से स्लीपर सेल बनाने व आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उकसाने का कार्य किया जा रहा है। इस मामले को संज्ञान में लेने के बाद एटीएस एवं एसटीएफ टीम को सक्रिया किया और प्रदेश में लगभग 200 संदिग्धों को खंगाला गया, जिसमें कुछ महत्वपूर्ण तथ्य मिले हैं। इसके आधार पर एटीएस ने चार अभियुक्त सहारनपुर जिले का रहन वाला महकाब, शाहरुख, मुजफ्फरनगर का रहने वाला गगनदीप उर्फ गुरी सिंह और उत्तराखंड निवासी मुर्शरफ को सहारनपुर से गिरफ्तार किया है।

प्री-मानसून बारिश 29 मई से 5 जून तक संभव

90फीसदी भारत कवर करेगी; केरल में नमी कम होने से अटका मानसून

एजेंसी
नई दिल्ली। तेज गर्मी से जूझ रहे देश के 80-90फीसदी हिस्से में 29 मई से 5 जून तक प्री-मानसून बारिश हो सकती है। यह बारिश इसलिए अहम है, क्योंकि मानसून अभी केरल नहीं पहुंचा है। यहां 14 तय स्टेशनों में लगातार दो दिन 2.5 द्व्ब बारिश होने पर मानसून पहुंचने का ऐलान किया जाता है।

मौसम विभाग ने 26 मई को मानसून पहुंचने का अनुमान लगाया था, लेकिन यहां नमी कमजोर होने से मानसून आगे नहीं बढ़ पाया है। वहीं, दक्षिण-मध्य अरब सागर में चक्रवाती सर्कुलेशन से भी बादल कमजोर हुए हैं। यूरोप की मौसम एजेंसी यूरोपियन सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्ट्स ने सैटेलाइट, समुद्री और वायुमंडलीय डेटा को मिलाकर भारत में 15 दिनों की बारिश का पूर्वानुमान निकाला है। इसमें अगले 8 दिनों में दक्षिण भारत, पूर्वी भारत, पूर्वोत्तर और बंगाल की खाड़ी के इलाकों में ज्यादा बारिश के संकेत हैं।

अगले दो दिन की कहानी

28 मई

छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, ओडिशा, पंजाब, तेलंगाना और यूपी में हीटवेव का अलर्ट है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र में गर्मी रहेगी। गुजरात और तमिलनाडु के कुछ

हिस्सों में गर्म और उमस भरा मौसम रह सकता है।हरियाणा, चंडीगढ़-दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब में ओले गिरने के साथ आंधी-तूफान का अलर्ट। बिहार, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, पंजाब, यूपी समेत कई राज्यों में 50-60 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना।

29 मई

राजस्थान के कुछ हिस्सों में हीटवेव का असर जारी रह सकता है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, यूपी और मध्य भारत के कई इलाकों में गर्मी से कुछ राहत मिलने के आसार हैं। गुजरात और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में गर्म और उमस भरा मौसम रह सकता है। हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़-दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में आंधी और कुछ जगह ओले गिरने का अलर्ट है। कई इलाकों में तापमान 3एष्ट से 7एष्ट तक गिर सकता है। बिहार, पश्चिम बंगाल, यूपी, पंजाब, हरियाणा समेत कई राज्यों में 50-70 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और कुछ जगह हल्की बारिश की संभावना है।

पीएम मोदी से मिले तमिलनाडु के सीएम विजय, 12 साल बाद हुई मुलाकात

एजेंसी
नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री बनने के बाद विजय की प्रधानमंत्री से यह पहली मुलाकात रही। दिल्ली में हुई इस अहम बैठक की जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा की। पीएमओ ने पोस्ट करते हुए लिखा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। हालांकि, विजय ने 12 साल पहले पीएम मोदी से मुलाकात की थी। बताया जा रहा है कि विजय की मुलाकात 2014 लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कोयंबटूर में हुई थी।सीएम विजय और पीएम मोदी की यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच 'मेकेदातु प्रोजेक्ट' को लेकर तनाव बढ़ा हुआ है। हाल ही में मुख्यमंत्री विजय ने प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी लिखकर कर्नाटक सरकार के मेकेदातु बांध प्रस्ताव को खारिज करने की मांग की थी।विजय का कहना है कि अगर कर्नाटक में यह बांध बनता है तो तमिलनाडु के हिस्से का पानी प्रभावित होगा और राज्य के किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है। दरअसल, 'मेकेदातु प्रोजेक्ट' कर्नाटक सरकार की कावेरी नदी पर प्रस्तावित बहुउद्देशीय परियोजना है, जिसका उद्देश्य पेयजल और जलविद्युत उत्पादन बताया जा रहा है।

खड़ी लॉरी से टकराई बोलेरो

एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत

एजेंसी
चित्रदुर्ग। कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले का मोलकालमुरु तालुक के बैरापुर गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 150ए पर बुधवार शाम को एक भीषण सड़क हादसा में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में कुछ लोग घायल हुए हैं।

बताया गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़ी लॉरी से एक तेज रफ्तार बोलेरो वाहन टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। वाहन में सवार पांच लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान बल्लारी निवासी वेंकटेश (28), शिवम्मा (25), मीनाक्षी (16), पूजा (4) और परशुराम (डेढ़ वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सभी मृतक एक ही परिवार के सदस्य थे। घटना की सूचना मिलते ही मोलकालमुरु थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कुछ घायलों को मोलकालमुरु अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार, अब तक 13 गिरफ्तार

-एजेंसी अब तक देशभर में 49 स्थानों पर चला चुकी है तलाशी अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने नीट-यूजी 2026 प्रश्नपत्र लीक मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब तक इस मामले में गिरफ्तार लोगों की 13 हो गई है। सीबीआई के मुताबिक लातूर निवासी डॉक्टर मनोज शिरुरे को इस मामले में गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि उन्होंने कोचिंग सेंटर संचालक के बेटे समेत तीन छात्रों को आरोपी पी वी कुलकर्णी से रसायन विज्ञान का प्रश्नपत्र दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस मामले में गिरफ्तार दूसरे आरोपी की पहचान तेजस हर्षदकुमार शाह के रूप में हुई है। वह पुणे स्थित डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल अकादमी में भौतिकी के फैकल्टी सदस्य हैं। सीबीआई के मुताबिक उन्हें नीट-यूजी 2026 परीक्षा का लीक हुआ भौतिकी का प्रश्नपत्र पहले से गिरफ्तार आरोपी मनीषा हवलदार से मिला था। एजेंसी अब तक देशभर में 49 स्थानों पर तलाशी अभियान चला चुकी है। इस दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त सामग्री की विस्तृत जांच की जा रही है। सीबीआई ने यह मामला 12 मई को शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग की लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज किया था। शिकायत में नीट-यूजी 2026 परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने की बात कही थी। सीबीआई के मुताबिक जांच में पता चला है कि परीक्षा से पहले रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और भौतिक विज्ञान के प्रश्नपत्र प्रसारित किए गए थे। एजेंसी अब प्रश्नपत्र लीक के असली स्रोत और पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हुई है। सीबीआई ने कहा है कि वह इस मामले की व्यापक, निष्पक्ष और पेशेवर तरीके से जांच करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हिमाचल : पहाड़ दरकने से जाहलमा पुल टूटा, कार नदी में गिरी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिले लाहौल-स्पीति के उदयपुर में बिन बरसात ही कुदरत का भारी कहर देखने को मिला है। सामरिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण तांदी-संसारी मार्ग पर लगातार हो रहे भूस्खलन (लैंडस्लाइड) के कारण आखिरकार ऐतिहासिक जाहलमा पुल टूट कर नदी में समा गया है। बीते तीन दिनों से इस पुल के एक छोर पर पहाड़ी से लगातार भारी चट्टानें गिर रही थीं, जिसके चलते अब पुल का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह धराशाई हो गया है। इस आपदा के कारण उदयपुर का लाहौल के मुख्य केंद्र केलांग और मनाली से संपर्क पूरी तरह कट गया है। जाहलमा पुल के टूटने से घाटी के लोगों की मुश्किलें बेहद बढ़ गई हैं। अब यदि स्थानीय निवासियों या पर्यटकों को मनाली या शेष हिमाचल के अन्य हिस्सों में जाना है, तो उन्हें पांगी घाटी होते हुए खतरनाक साच पास को पार कर चंबा के रास्ते सफर करना होगा। इस वैकल्पिक मार्ग से यात्रा करने में लोगों को करीब दो दिन का अतिरिक्त समय लगेगा। इसी बीच लाहौल की मूलिंग घाटी से भी एक और दर्दनाक हादसे की खबर आई है, जहां बीती रात करीब 10 बजे अचानक पहाड़ी दरक गई। इस लैंडस्लाइड की चपेट में आकर एक चलती कार अनियंत्रित होकर सीधे उफनती नदी में जा गिरी। हादसे के वक्त कार में केवल चालक ही सवार था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों और मुस्तैद पुलिस बल ने तुरंत संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और कार सवार को सुरक्षित नदी से बाहर निकालकर केलांग अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि मूलिंग में आए दिन लैंडस्लाइड होता रहता है, जिससे हर वक्त लोगों की जान पर खतरा मंडराता रहता है। इससे पहले मंगलवार को भी मूलिंग में भारी चट्टानें गिरने से लेह-मनाली नेशनल हाईवे घंटों बंद रहा था।

पूर्व सीएम विजयन के घर रेड करने पहुंचे ईडी अफसरों पर पत्थरबाजी

-विजयन के साथ ही उनकी बेटी के आवास पर भी छापेमारी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। तिरुवनंतपुरम में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आवास से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के बाहर निकलने के दौरान भारी हंगामा देखने को मिला। कन्नूर में पूर्व सीएम विजयन के घर पर ईडी की छापेमारी खत्म होने के बाद जांच अधिकारी बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, तभी पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए ईडी अधिकारियों से सवाल पूछने लगे, जिससे गेट पर तनावपूर्ण माहौल बन गया। लेकिन स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को हस्तक्षेप करना पड़ा। काफी देर तक धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी का माहौल बना रहा, इसके बाद सुरक्षाकर्मियों की मदद से अधिकारियों को बाहर निकाला गया। बात दें कि ईडी की कार्रवाई ने केरल की राजनीति में सियासी घमासान तेज किया है। सीपीआई(एम) के महासचिव एम.ए. बेबी ने मोदी सरकार और ईडी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई राजनीतिक मकसद से प्रेरित है और विपक्षी नेताओं को टारगेट किया जा रहा है। सीपीआई(एम) के महासचिव बेबी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी का हवाला देकर कहा कि ट्रायल कोर्ट ने उन्हें राहत दी। उन्होंने दावा किया कि ईडी अब एक स्वतंत्र एजेंसी के बजाय भाजपा सरकार की राजनीतिक मशीनरी बन गई है, जिसका इस्तेमाल विपक्ष की आवाज दबाने और राजनीतिक विरोधियों को डराने के लिए हो रहा है। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को केरल में कुल 10 ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री विजयन और उनकी बेटी वीणा के आवास भी शामिल थे। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी है, जिसमें विजयन की बेटी की कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस का नाम सामने आया है। यह मामला कोच्चि स्थित कोच्चि मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) से जुड़े कथित अवैध भुगतानों और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। ईडी की छापेमारी का मुख्य आधार अप्रैल 2025 में सीरियस फ्रॉड इंवेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) द्वारा दायर चार्जशीट है। एसएफआईओ ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस पर आरोप लगाया है कि उसने 2018-19 से तीन वर्षों तक सीएमआरएल से बिना कोई सेवा दिए अवैध भुगतान प्राप्त हुए थे। 2017 में एक्सालॉजिक और सीएमआरएल के बीच सॉफ्टवेयर और मार्केटिंग सेवाओं के लिए अनुबंध हुआ था, लेकिन जांच में पाया गया कि निर्धारित सेवाएं प्रदान नहीं की गईं। इस कथित वित्तीय गड़बड़ी का खुलासा सबसे पहले 2019 में आयकर विभाग की सीएमआरएल परिसरों पर हुई छापेमारी के दौरान हुआ था, जिसकी रिपोर्ट में संदिग्ध भुगतानों का उल्लेख था। जनवरी 2024 में केंद्र ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस, सीएमआरएल और केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम (केएसआईडीसी) से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए एसएफआईओ को आदेश दिए थे।

ममता ने सनातन को कहा था गंदा धर्म ? अब वकील ने कराया मामला दर्ज

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। सिलीगुड़ी में एक स्थानीय वकील की शिकायत के आधार पर पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ गंभीर धाराओं में आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ममता बनर्जी ने पिछले साल कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड पर आयोजित ईद-उल-फितर के एक कार्यक्रम के दौरान सनातन धर्म को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिससे करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। इस शिकायत के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(1) (आपराधिक धमकी), धारा 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर किया गया अपमान) और धारा 353 (विभिन्न समुदायों के बीच दुश्मनी और नफरत को बढ़ावा देना) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यह मामला वकील रिंकी चटर्जी द्वारा दर्ज कराया गया है, जिन्होंने साल 2025 में ईद के मंच से दिए गए ममता बनर्जी के भाषण का हवाला दिया है। आरोप है कि उस कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि वह उस गंदे धर्म को नहीं मानतीं जिसे विपक्षी दल ने जानबूझकर गढ़ा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि एक सार्वजनिक और मुस्लिम धार्मिक सभा के मंच से इस तरह की टिप्पणी करना पूरी तरह से अनुचित है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि टीएमसी के कई वरिष्ठ नेताओं ने पिछले कुछ वर्षों में लगातार सनातन धर्म को निशाना बनाया है और वर्ष 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी हिंदू समुदाय को परोक्ष रूप से धमकी दी गई थी। इससे पहले विपक्षी दलों ने भी इस बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर इसकी तीखी आलोचना की थी और इसे बहुसंख्यक समाज की आस्था का अपमान बताया था।

इस कानूनी कार्रवाई और एफआईआर के बाद तृणमूल कांग्रेस रक्षात्मक मुद्रा में नजर आ रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस मामले को लेकर अब पार्टी के भीतर से ही विरोध के सुर उठने लगे हैं। टीएमसी की दार्जिलिंग इकाई के महासचिव और पेशे से वकील अत्री शर्मा ने व्यक्तिगत तौर पर एक बड़ा बयान देते हुए स्वीकार किया है कि जब पार्टी सत्ता में थी, तब भी संगठन के भीतर कई लोग इस प्रकार के बयानों के खिलाफ थे। उन्होंने कहा कि शीर्ष पद पर रहते हुए इस तरह की टिप्पणी करना वास्तव में अनुचित था और पार्टी के प्रति वफादार रहने वाले कार्यकर्ताओं ने भी कभी ऐसी विवादास्पद टिप्पणियों का समर्थन नहीं किया है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि देश के हर नागरिक को ऐसे मामलों में शिकायत दर्ज कराने का नैतिक अधिकार है। इस आंतरिक विरोध ने पूर्व मुख्यमंत्री की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

आसाराम की उम्रकैद बरकरार, हाईकोर्ट ने कहा- तत्काल सरेंडर करें

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में सजा काट रहे आसाराम को बड़ी राहत देने से इनकार करते हुए उनकी आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। हालांकि, अदालत ने उन्हें गैंगरेप (सामूहिक दुष्कर्म) के आरोप से बरी कर दिया है, लेकिन अन्य गंभीर आरोपों में उनकी दोषसिद्धि और सजा को यथावत रखा गया है। इसके साथ ही वर्तमान में पैरोल पर बाहर चल रहे आसाराम को अदालत ने तुरंत सरेंडर करने का भी आदेश दिया है। यह अहम फैसला राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर पीठ में जस्टिस अरुण

मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने सुनाया। कोर्ट ने आसाराम सहित तीन आरोपियों की ओर से दायर अपीलों पर सुनवाई पूरी करते हुए स्पष्ट किया कि नाबालिग पीड़िता से दुष्कर्म के मामले में निचली अदालत द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा में किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं किया जाएगा। सुनवाई के दौरान अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर माना कि गैंगरेप की धारा के तहत दोष सिद्ध नहीं होता, इसलिए उन्हें उस विशेष आरोप से राहत दी गई, लेकिन अन्य सभी आरोप पर्याप्त रूप से साबित होते हैं। इसी वजह से उनकी मुख्य सजा बरकरार रहेगी। इस मामले के दो अन्य सह-आरोपियों, शिल्पी और शरतचंद को अदालत से आंशिक राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उनकी अपीलों पर फैसला सुनाते हुए उनके खिलाफ दर्ज कुछ धाराओं में राहत प्रदान की है, जबकि शेष मामलों में निचली अदालत का आदेश यथावत रखा गया है। यह बहुचर्चित मामला वर्ष 2013 का है, जब जोधपुर स्थित आश्रम में एक नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में आसाराम के खिलाफमामला दर्ज किया गया था। पुलिस जांच और लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद, वर्ष 2018 में विशेष अदालत ने आसाराम को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस फैसले को आसाराम की ओर से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी, जहां से अब उनकी मुख्य सजा को बरकरार रखते हुए उन्हें वापस जेल भेजने का आदेश जारी किया गया है।

भारत में इबोला ने दी दस्तक, युगांडा से बेंगलुरु आई महिला मिली पॉजिटिव

- प्रशासन अलर्ट, किया क्वारंटीन

बेंगलुरु (एजेंसी)। अफ्रीकी देशों में कहर ढाने वाले खतरनाक इबोला वायरस की आहट भारत में भी महसूस की जा रही है। युगांडा से भारत आई एक महिला में इबोला वायरस जैसे गंभीर लक्षण दिखाई देने के बाद उसे बेंगलुरु की एक मेडिकल फैसिलिटी में क्वारंटीन कर दिया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, मृत्यु दर के मामले में यह वायरस कोरोना वायरस से कहीं ज्यादा खतरनाक है। संक्रमित मामलों में इस वायरस की मृत्यु दर 50 से 90 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जिसके कारण इसे बेहद घातक माना जाता है। इससे पहले डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, युगांडा और दक्षिणी सूडान जैसे देशों में इस वायरस की वजह से 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और एक हजार से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं।

इबोला एक बेहद संक्रामक और जानलेवा वायरल बीमारी है, जिसके कारण मरीज को गंभीर रक्तस्राव (हेमोरेजिक बुखार) हो सकता है और शरीर के महत्वपूर्ण अंग तक खराब हो सकते हैं। यह वायरस किसी संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों, जैसे खून, लार या पसीने के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। वर्तमान में इसकी कोई पुख्ता दवा या टीका उपलब्ध नहीं होने के कारण यह संक्रमण अत्यधिक जानलेवा साबित होता है। कांगो में इसकी भयावह स्थिति को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पहले ही इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता का स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर रखा है। कांगो के इटुरी प्रांत में हिंसक संघर्षों के कारण इस बीमारी की शुरुआती पहचान करना और मुश्किल हो गया है। बेंगलुरु में संदिग्ध मामला सामने आने के बाद भारत सरकार पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रभावित देशों की अनावश्यक यात्रा न करने की सलाह जारी की है। देश में सुरक्षा और तैयारियों की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठकें की गई हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने भी सभी एयरलाइंस के लिए एक सख्त स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) और गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत विमानन कंपनियों को उड़ान के दौरान आवश्यक घोषणाएं करने तथा प्रभावित देशों से आने वाले या वहां से ट्रांजिट करने वाले यात्रियों से अनिवार्य रूप से सेल्फ-डिक्लेरेशन फॉर्म भरवाने के निर्देश दिए गए हैं। देश के हवाई अड्डों और स्वास्थ्य केंद्रों पर निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि इस खतरनाक वायरस को भारत में फैलने से समय रहते रोका जा सके।

जुबीन गर्ग मौत मामला: कोर्ट ने 4 आरोपियों पर तय किए हत्या के आरोप

-अब दर्ज होंगे सभी गवाहों के बयान

गुवाहाटी(एजेंसी)। असमिया गायक जुबीन गर्ग की मौत के मामले में एक बड़ा मोड़ सामने आया है। गुवाहाटी की एक फास्ट-ट्रैक अदालत ने इस मामले में सात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में आरोप तय किए हैं, जिनमें से चार मुख्य आरोपियों पर सीधे तौर पर हत्या का आरोप लगाया गया है। यह न्यायिक कार्रवाई उस घटना के ठीक दो महीने बाद हुई है, जब सिंगापुर की एक अदालत ने जुबीन गर्ग की मौत को महज एक दुर्घटनावश डूबने का मामला करार दिया था और किसी भी तरह की आपराधिक साजिश से साफ इनकार कर दिया था। हालांकि, भारत में जिला और सत्र अदालत की जज शर्मिला भुयान की कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों को विस्तार से सुनने और असम सीआईडी द्वारा गठित विशेष जांच दल की चार्जशीट का गहन परीक्षण करने के बाद भारतीय न्याय संहिता की 10 अलग-अलग धाराओं के तहत आरोप तय करने का फैसला सुनाया।

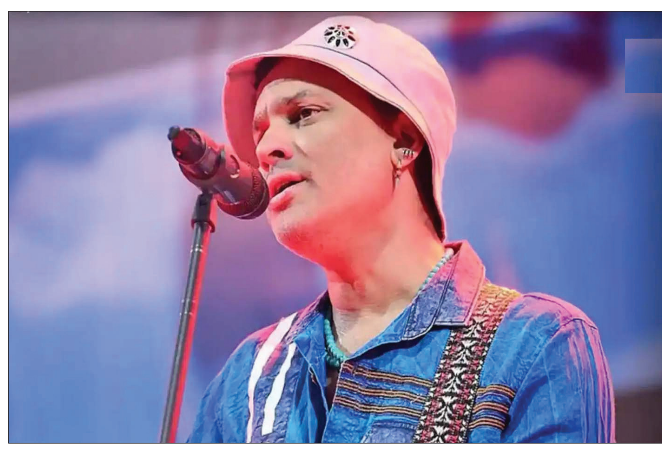

अदालत द्वारा तय किए गए इन आरोपों में सामान्य इरादा, आपराधिक साजिश, हत्या, गैर-इरादतन हत्या, जबरन वसूली, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और सबूत मिटाने से जुड़े बेहद गंभीर कानूनी प्रावधान शामिल हैं। इस बड़े फैसले के बाद अब इस हाई-प्रोफाइल मामले की पूरी कानूनी सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है। मामले में सबसे गंभीर आरोप भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का है, जो चार प्रमुख आरोपियों-सिद्धार्थ शर्मा, श्याम काणु महंता, शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृत प्रवा महंता पर लगाया गया है।

न्यायालय के दस्तावेजों के अनुसार, इन चारों मुख्य आरोपियों पर संयुक्त रूप से अपराध करने, आपराधिक साजिश रचने और हत्या की धाराओं के तहत मामला चलेगा। इसके अलावा, श्याम काणु महंता पर जबरन वसूली (धारा 308(2)), धोखाधड़ी व बेईमानी से प्रेरित करने (धारा 318(4)) और सबूत गायब करने (धारा 238) के अतिरिक्त आरोप भी लगाए गए हैं। वहीं, सिद्धार्थ शर्मा और शेखर ज्योति गोस्वामी पर अतिरिक्त रूप से विश्वासघात की धारा 316(5) लगाई गई है, जबकि अमृत प्रवा महंता पर भी धारा 238 के तहत सबूत मिटाने का आरोप दर्ज किया गया है।

इस मामले के अन्य आरोपियों में दिवंगत गायक जुबीन गर्ग के चचेरे भाई और पूर्व असम पुलिस अधिकारी संदीपन गर्ग शामिल हैं, जिन पर धारा 105 (गैर-इरादतन हत्या) के तहत आरोप तय किए गए हैं। इसके साथ ही, गायक के दो पर्सनल सिक्योरिटी गार्ड्स-परेश बैश्य और नंदेश्वर बोरा पर धारा 61(2) और 316(5) के तहत आरोप लगाए गए हैं। इस संबंध में पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का कहना है कि अब ट्रायल के दौरान अदालत में हर एक धारा की प्रासंगिकता और घटना में प्रत्येक आरोपी की वास्तविक भूमिका की गहनता से जांच की जाएगी। गौरतलब है कि मशहूर गायक जुबीन गर्ग की मौत पिछले साल 19 सितंबर को सिंगापुर में लाजारस आइलैंड के पास एक निजी यॉट ट्रिप के दौरान रहस्यमयी परिस्थितियों में हुई थी। इस दुखद घटना के बाद पूरे असम में शोक की लहर दौड़ गई थी और उनकी मौत की परिस्थितियों को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया था। सार्वजनिक आक्रोश और संदेह को देखते हुए असम सरकार ने मामले की गहराई से जांच के लिए तत्काल एक एसआईटी का गठन किया था। खुद मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सार्वजनिक रूप से इस घटना को साफ-साफ हत्या करार देते हुए उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए थे, जिसके बाद अब कोर्ट ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाया है।

खड़गे का महंगाई पर तीखा वार-मोदी सरकार की प्रायोजित मंहगाई से जनता के पसीने छूट रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देश में बढ़ती महंगाई और ईंधन की आसमान छूती कीमतों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र पर हमला बोला है। उन्होंने अपनी भड़ास निकालते हुए लिखा, भाजपा प्रायोजित महंगाई की आग से आम जनता के पसीने छूट रहे हैं। अपनी सरकार की बेहिसाब लूट पर भी कभी कुछ बोलिए, पीएम मोदी जी? उनके बयान को केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों और विशेषकर पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों पर एक सीधा राजनीतिक प्रहार बताया जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का बयान तब आया है, जब देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें कई चरणों में लगातार बढ़ रही हैं। कांग्रेस का आरोप रहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में अपेक्षाकृत स्थिरता के बावजूद, आम जनता को ईंधन की कीमतों में कोई राहत नहीं दी जा रही है। बल्कि, मोदी सरकार ईंधन पर भारी टैक्स लगाकर जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही है, इस को कांग्रेस फ्यूल लूट का नाम दे रही है। पार्टी नेताओं ने हाल के दिनों में ÷फ्यूल लूट÷ और ÷महंगाई÷ को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ अपना मोर्चा तेज किया है। कांग्रेस नेता खड़गे का पोस्ट सिर्फ पेट्रोल-डीजल की कीमतों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा इशारा रसोई, परिवहन व्यवस्था, कृषि क्षेत्र और छोटे कारोबार पर पड़ने वाले व्यापक असर की ओर है। कांग्रेस का कहना है कि ईंधन महंगा होने से माल ढुलाई की लागत बढ़ती है, जिससे हर जरूरी वस्तु की कीमत में इजाफा होता है। इस बढ़ोतरी का अंतिम बोझ अंततः आम उपभोक्ता पर पड़ता है, जिससे उसकी जेब और तंग होती जाती है। यह मुद्दा अब भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक टकराव का बड़ा केंद्र बिंदु बनता जा रहा है। जहां कांग्रेस इस फेल नीति को जनता की कमाई पर सीधा हमला बताकर मोदी सरकार को घेर रही है, वहीं सत्ताधारी भाजपा विपक्ष पर गैर-जरूरी मुद्दों पर राजनीति करने का आरोप लगा रही है। इस तरह, बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतें आने वाले दिनों में भी राजनीतिक बहस का गरमागरम विषय बनी रहेंगी, खासकर जब देश में चुनावी माहौल बना हुआ है।

सीएम सुक्खू की दो टूक कहा- वो करें तो पुण्य हम करें तो पाप

-पंचायत चुनाव पर हो रही सियासत

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में जारी पंचायत चुनावों के बीच राजनीतिक बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप का दौर बेहद तेज हो गया है। राज्य की कांग्रेस सरकार पर भाजपा द्वारा लगाए गए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोपों, मुख्य सचिव की नियुक्ति और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के मुद्दों पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कड़ा रुख अपनाते हुए विपक्ष पर जोरदार पलटवार किया है। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष की कथनी और करनी में हमेशा से ही बड़ा अंतर रहा है। वे करें तो पुण्य हम करें तो पाप। संजय गुप्ता को कार्यवाहक मुख्य सचिव से नियमित मुख्य सचिव बनाए जाने के प्रशासनिक फैसले पर भी मुख्यमंत्री ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा की सोच अब आप करें तो पुण्य और हम करें तो पाप जैसी हो गई है। प्रशासनिक नियुक्तियां पूरी तरह से मौजूदा सरकार का अधिकार क्षेत्र हैं और हर रूटीन फैसले को राजनीतिक रंग देना कतई उचित नहीं है। इसके अलावा, पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर भी मुख्यमंत्री ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने याद दिलाया कि जब विधानसभा में अनाथों और विधवाओं के कल्याण के लिए सेस (उपकर) बढ़ाने का मुद्दा आया था, तब भाजपा ने उसका पुरजोर विरोध किया था, लेकिन आज वही भाजपा केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाई गई तेल की कीमतों पर पूरी तरह मौन है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केवल 11 दिनों के भीतर पेट्रोल-डीजल के दाम करीब 7 रुपये तक बढ़ा दिए गए, जिससे आम जनता पर भारी आर्थिक बोझ पड़ा है। दूसरी तरफ, व्यापारियों को राहत देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इंस्पेक्टर राज को पूरी तरह खत्म करने की दिशा में काम कर रही है और अब दुकानदार अपनी इच्छा से 24 घंटे दुकानें खोल सकते हैं, बशर्ते श्रमिकों को उनका उचित मेहनताना मिले। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने पंचायत चुनाव के पहले चरण में जनता की भारी भागीदारी पर गहरा संतोष व्यक्त किया। कैबिनेट बैठक को लेकर विपक्ष के घेराव पर मुख्यमंत्री ने साफ किया कि पंचायत चुनावों के दौरान कैबिनेट बैठकें होना कोई नई बात नहीं है। उन्होंने प्रदेश के राजनीतिक इतिहास और पूर्व की सरकारों का उदाहरण देते हुए कहा कि वीरभद्र सिंह, प्रेम कुमार धूमल और जय राम ठाकुर के कार्यकाल में भी चुनावी माहौल के दौरान कैबिनेट बैठकों का आयोजन होता रहा है। ऐसे में भाजपा का मौजूदा विरोध केवल सस्ती राजनीतिक बयानबाजी के अलावा और कुछ नहीं है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हाल ही में आयोजित कैबिनेट बैठक में आम जनता से जुड़े बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल थे, जिन पर बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए समय पर निर्णय लेना अनिवार्य था। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि आदर्श आचार संहिता का सम्मान करते हुए इस बैठक की आधिकारिक प्रेस ब्रीफिंग चुनाव परिणाम आने के अगले दिन यानी 1 जून को ही की जाएगी।

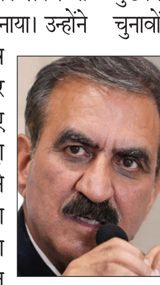

यमुना का पानी अरावली पहाड़ी तक पहुंचाने सरकार बना रही खास प्लान

-प्रस्ताव मुख्य सचिव को भेजा, मंजूरी मिलते ही योजना को मिलेगी गति

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी सरकार मानसून में यमुना नदी के बढ़े हुए जल स्तर का सदुपयोग करना चाहती है, इसलिए एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार कर रही है। इसके तहत यमुना का पानी अरावली पहाड़ी तक पहुंचाया जाएगा। इसका उद्देश्य पहाड़ी क्षेत्र में जल संकट को कम करना और भूजल स्तर को बढ़ाना है। सिंचाई विभाग ने इस योजना के लिए अध्ययन कर लिया है। प्रस्ताव सिंचाई विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के पास भेजा गया है। उन्होंने सकारात्मक रुख अपनाया है। अब प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद योजना को गति मिलेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिंचाई विभाग की ओर से इस परियोजना पर काम किया जाएगा। ददसिया गांव के पास से नदी बहती है। यहीं से तिलपत फायरिंग रेंज होते हुए बढ़े हुए जल स्तर को पाइपों के जरिए आगे ले जाया जाएगा। यह पाइप लाइन बुढ़िया नाले के किनारे से होते हुए हाईवे को पार करेगी और अनंगपुर गांव के पास पहाड़ी तक ले जाई जाएगी। इस पाइप लाइन से प्रतिदिन 300 क्यूसेक पानी जाएगा। मानूसन के तीन महीने में नदी में खूब पानी होता है। इसलिए 90 दिन तक तय कृत्रिम तालाबों को भरा जाएगा। इन तालाबों का पानी साफ कर आसपास के सेक्टर, कालोनी, सोसायटी व गांव तक पहुंचाया जाएगा। इस परियोजना की लागत करीब 500 करोड़ आंकी गई है। यदि यह योजना परवान चढ़ती है तो आने वाले 50 साल तक गुरुग्राम को भी लाभ पहुंचेगा। इस योजना से आसपास के गांव के भूजल स्तर पर भी सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद है। साथ ही आसपास के इलाकों को भरपूर पेयजल भी मिलता रहेगा। भूजल स्तर के मामले में फरीदाबाद डार्क जोन में है। यमुना नदी किनारे भी 80 से 100 फुट पर जल स्तर है। पहाड़ी इलाकों में तो यह जल स्तर 600 से 700 फुट तक है। हालात चिंताजनक हैं। इसलिए सरकार भूजल स्तर बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। इसके तहत नदी के पानी को अरावली तक ले जाने की तैयारी है।

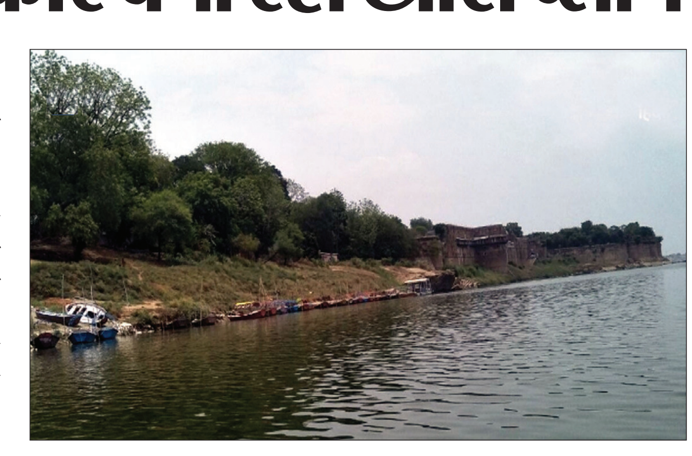

भलस्वा में 43 एकड़ जमीन हुई खाली, दिसंबर तक खत्म हो जाएगी डंपसाइट

नई दिल्ली। भलस्वा लैंडफिल साइट में 43 एकड़ जमीन खाली हो गई है जो दोबारा इस्तेमाल के लायक है। दिल्ली सरकार का दावा है कि कूड़े के पहाड़ को खत्म करने का काम अब तेज हो गया है। दिसंबर तक पूरी डंपसाइट खत्म हो जाएगी। शुक्रवार को शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने साइट का दौरा कर कामकाज की समीक्षा की। मंत्री ने बायो-माइनिंग और कचरा निस्तारण की प्रगति देखी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून से पहले ज्यादा से ज्यादा काम पूरा किया जाए। मंत्री ने कहा कि भलस्वा साइट पर करीब 96 लाख मीट्रिक टन कचरे का बायो-माइनिंग के जरिए निस्तारण किया जा चुका है। फिलहाल यहां करीब 21 लाख मीट्रिक टन कचरा बाकी है। लगातार बढ़ रही प्रोसेसिंग क्षमता से दिल्ली को जल्द कूड़े के पहाड़ों से राहत मिलेगी। भलस्वा साइट पर पहले जहां रोज करीब 8 हजार टन कचरे का निस्तारण होता था, अब यह क्षमता बढ़कर 15 हजार टन प्रतिदिन तक पहुंच गई है। इसके लिए मशीनों और संसाधनों की संख्या भी बढ़ाई गई है। भलस्वा, ओखला और गाजीपुर की तीनों लैंडफिल साइटों पर अब तक 255 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा पुराने कचरे का निस्तारण किया जा चुका है। इससे करीब 75 एकड़ जमीन दोबारा उपयोग के लायक बनी है। अकेले भलस्वा साइट पर 43 एकड़ जमीन खाली कराई गई है। यहां पांच एकड़ में बांस के पौधे लगाए गए हैं, जबकि करीब 12 एकड़ जमीन पर आधुनिक फ्रेश वेस्ट प्रोसेसिंग फैसिलिटी तैयार की जा रही है। आशीष सूद ने बताया कि 2025-26 में तीनों साइटों पर रिकॉर्ड 74 लाख टन कचरे का निस्तारण किया गया है। ओखला और भलस्वा साइट को इसी साल खत्म करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि गाजीपुर में भी तेजी से काम चल रहा है। मंत्री ने बताया कि साइट पर आग और मिथेन गैस के खतरे को देखते हुए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

प्रसव के बाद महिला की मौत

गाजियाबाद। मुरादनगर के न्यू डिफेंस कॉलोनी निवासी रामरतन की 27 वर्षीय पत्नी उषा को प्रसव पीड़ा होने पर रात में श्री श्याम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। सुबह उनकी सामान्य डिलीवरी हुई, लेकिन डिलीवरी के बाद अत्यधिक रक्तस्राव होने से उनकी हालत बिगड़ गई। बताया गया कि नवजात शिशु की स्थिति भी गंभीर हो गई, जिसके बाद डॉक्टरों ने मां और बच्चे दोनों को रेफर कर दिया। परिजनों का आरोप है कि गंभीर हालत के बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने मां और नवजात को समय पर दूसरे अस्पताल नहीं पहुंचाया और करीब तीन घंटे तक अपनी एंबुलेंस में ही इधर-उधर घुमाता रहा।

दिल्ली में अब पासपोर्ट सेवा केंद्र जैसे होंगे रजिस्ट्रार ऑफिस

नई दिल्ली। दिल्ली के रजिस्ट्रार ऑफिस अब पासपोर्ट सेवा केंद्रों जैसे हाईटेक बनेंगे। यहां लंबी लाइनें, फाइलों के ढेर और दलालों के दबदबे खत्म हो जाएंगे। इसके लिए दिल्ली सरकार ऐसा सिस्टम तैयार कर रही है, जहां ऑनलाइन अपॉइंटमेंट से लेकर एआई आधारित फेस ऑथेंटिकेशन और लाइव ट्रैकिंग तक हर कदम डिजिटल निगरानी में होगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि रजिस्ट्री के नाम पर अब तक होने वाली भागदौड़ को खत्म करने, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने और आम आदमी को सम्मानजनक, तेज और पारदर्शी सेवा देने के लिए ये बदलाव जरूरी हैं। दिल्ली में अब प्रॉपर्टी रजिस्ट्री सिर्फ सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी से संचालित एक स्मार्ट सर्विस एक्सपीरियंस बनेगी। सरकार की योजना राजधानी के सभी रजिस्ट्रार कार्यालयों की कार्य संस्कृति बदलने की है। अभी प्रॉपर्टी रजिस्ट्री से जुड़े कामों में लोगों को घंटों इंतजार, तकनीकी दिक्कतों और बिचौलियों पर निर्भरता जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कई जगहों पर गलत मूल्यांकन, दस्तावेजों की ट्रैकिंग में मुश्किलें और फर्जी कागजात के मामलों की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। सरकार का मानना है कि नई डिजिटल व्यवस्था इन समस्याओं को काफी हद तक खत्म कर सकती है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसके लिए संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विशेष बैठक कर इस पूरे मॉडल पर चर्चा की है। बैठक में कुछ निजी कंपनियों ने प्रेजेंटेशन भी दिए, जिनमें दूसरे राज्यों में लागू तकनीक आधारित रजिस्ट्रेशन मॉडलों की जानकारी साझा की गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रशिक्षित स्टाफ, एकीकृत डिजिटल सिस्टम और प्रोफेशनल प्रबंधन के जरिए नागरिक सेवाओं को अधिक तेज और पारदर्शी बनाया जा सकता है। इसके बाद सरकार ने दिल्ली में भी इसी तरह के मॉडल रजिस्ट्रार कार्यालय विकसित करने का फैसला किया। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत रजिस्ट्रार कार्यालयों का पूरा ढांचा बदला जाएगा। यहां एयरपोर्ट और पासपोर्ट सेवा केंद्रों जैसी सुविधाएं देने की तैयारी है। वातानुकूलित प्रतीक्षालय, हेल्प डेस्क, डिजिटल सहायता केंद्र, पेयजल, स्वच्छ शौचालय और प्रशिक्षित स्टाफ जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही स्मार्ट टोकन सिस्टम और रियल टाइम एप्लीकेशन ट्रैकिंग के जरिए लोगों का इंतजार समय कम करने पर जोर रहेगा। सरकार चाहती है कि नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और अधिकतर प्रक्रियाएं ऑनलाइन तथा तकनीक आधारित हों। नई व्यवस्था में सुरक्षा और सत्यापन तंत्र को भी पूरी तरह आधुनिक बनाने की तैयारी है। मुख्यमंत्री के मुताबिक एआई आधारित फेस रिकग्निशन तकनीक के जरिए आवेदकों की पहचान सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा बैकग्राउंड वेरिफिकेशन, डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन और ब्लॉकचेन आधारित रिकॉर्ड सुरक्षा जैसे सिस्टम लागू करने की योजना है। इससे संपत्ति दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़, फर्जीवाड़ा और विवादों को कम करने में मदद मिलेगी। जियो-फेंसिंग और सुरक्षित डेटा इंटीग्रेशन जैसी तकनीकों का इस्तेमाल भी प्रस्तावित है ताकि रिकॉर्ड पूरी तरह सुरक्षित और ट्रैकेबल बने रहें। सरकार का कहना है कि इन केंद्रों के संचालन में निजी भागीदारों की मदद ली जा सकती है, लेकिन वैधानिक अधिकार और अंतिम निर्णय लेने की शक्तियां पूरी तरह सरकारी अधिकारियों के पास ही रहेंगी। इसके लिए अनुभवी कंपनियों का चयन पारदर्शी प्रक्रिया के जरिए किया जाएगा। नई व्यवस्था का असर सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों पर पड़ेगा। भीड़ कम होने से सरकारी कर्मचारी प्रशासनिक और सत्यापन संबंधी कामों पर अधिक ध्यान दे पाएंगे। वहीं आम लोगों को दलालों और बिचौलियों से राहत मिलने की उम्मीद है। सरकार का दावा है कि नई प्रणाली से राजस्व चोरी पर रोक लगेगी और संपत्तियों के गलत मूल्यांकन की समस्या भी कम होगी। दिल्ली में हर साल लाखों लोग संपत्ति खरीद-बिक्री और रजिस्ट्री से जुड़े कामों के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाते हैं। ऐसे में यदि यह मॉडल प्रभावी तरीके से लागू होता है तो राजधानी में प्रॉपर्टी रजिस्ट्री व्यवस्था का चेहरा बदल सकता है। सरकार इसे केवल डिजिटल सुधार नहीं, बल्कि नागरिकों और सरकारी सेवाओं के बीच भरोसा मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम मान रही है।

चचेरा भाई निकला हत्यारा, पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार; मां-बेटे को चाकू से उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स टीम ने एक मुठभेड़ के बाद सौरभ को गिरफ्तार कर लिया है। सौरभ पर 20 मई को कालकाजी के गोविंदपुरी इलाके में एक गृहिणी और उसके 13 साल के बेटे की उनके ही घर में चाकू मारकर हत्या करने का आरोप है। पुलिस की जवाबी फायरिंग में पैर में गोली लगने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सौरभ मृतक महिला शारदा का चचेरा भाई है और लूटपाट के लिए इसने हत्याकांड को अंजाम दिया है। आरोपी सौरभ संगम विहार में रहता है और उसे पर कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। दक्षिण-पूर्वी जिले के गोविंदपुरी थाना इलाके में मां शारदा साहू (38) और बेटा खुशहाल (13) की बुधवार देर रात बेरहमी से हत्या कर दी गई। दोनों पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए गए। मां के शरीर पर चाकू से 10 से ज्यादा व बेटे के शरीर पर 8 से ज्यादा चाकू के घाव मिले। घर से नकदी व गहने गायब मिले। दक्षिण-पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) हेमंत तिवारी ने बताया घटना की सूचना रात एक बजकर 11 मिनट पर मिली। फल व सब्जियां बेचने का काम करने वाले शिकायतकर्ता उत्तर प्रदेश के बदायूं जिला स्थित ग्राम अडौली, पोस्ट उजियानी निवासी विष्णु साहू रात करीब साढ़े 12 बजे जब घर पहुंचे तो मेन गेट बाहर से बंद मिला। घर के अंदर प्रवेश करने पर उनके होश उड़ गए। पत्नी शारदा और बेटे खुशहाल का शव खून से लथपथ जमीन पर पड़ा था। उनके शरीर पर चाकू से काफी निशान थे और दोनों की मौके पर मौत हो चुकी थी। पुलिस उपायुक्त ने बताया था कि घर की अलमारियों से कुछ नकदी और आभूषण गायब थे। ऐसे में अंदेशा है कि लूटपाट के मकसद से हत्या की गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल का मुआयना करने और साक्ष्य जुटाने के लिए अपराध शाखा व फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम को बुलाया गया। पुलिस ने हत्या और लूटपाट आदि धाराओं में मामला दर्ज किया है। वहीं, विष्णु के भाई दिनेश ने बताया कि कुछ दिन पहले उसके भाई विष्णु ने पांच-पांच लाख रुपये की दो कमेटियां छुड़ाई थीं। आरोपी भाई की पत्नी व बेटे की हत्या कर घर से नकदी व गहने ले गए। विष्णु जब घर पहुंचा तो अंदर लाइट जल रही थी और टीवी चल रही थी। थोड़ी देर बाद उन्होंने पाया कि दरवाजे पर तो बाहर कुंडी लगी है। कुंडी खोलकर वे अंदर गए। किचन में पत्नी व बेटे का शव खून से लथपथ शव देख सन्न रह गए। गोविंदपुरी में ही गली नंबर 12 में रहने वाली बड़ी बहन गुड़िया को फोन कर घटना की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया।

खुद रात तो पत्नी करती थी दिन में काम, मरने से पहले पति ने की थी शर्मनाक हरकत

गुरुग्राम। गुरुग्राम स्थित बादशाहपुर थाना के अंतर्गत बेगमपुर खटोला में 22 मई को एक युवक ने पत्नी के साथ झगड़ा होने के बाद कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के दौरान युवक की पत्नी कंपनी में ड्यूटी पर चली गई थी। आत्महत्या की सूचना मिलते ही एसपीआर चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल व फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों की टीम से घटनास्थल का निरीक्षण कराया। पुलिस को कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मृतक की पहचान गुमला (झारखंड) के अस्ता गांव निवासी विपुल (26) के रूप में हुई है। वह अपनी पत्नी अनुजा के साथ बेगमपुर खटोला गांव में किराये पर रहता था। वे दोनों एक निजी कंपनी में नौकरी करते थे। विपुल की नाइट की ड्यूटी चल रही थी, जबकि उसकी पत्नी की दिन की शिफ्ट चल रही है। 22 मई को युवक कमरे पर ही था व उसकी पत्नी दोपहर करीब 1 बजे कमरे पर खाना खाने आई थी। इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। बताया जा रहा है कि युवक की पत्नी ने उसे खाना खाने के दिया तो उसने फेंक दिया। जब उसकी पत्नी खाना खाने लगी तो उससे भी छीनकर फेंक दिया था। इसके बाद पत्नी वापस कंपनी में चली गई और युवक ने दरवाजा अंदर से बंद करके फंदा लगा लिया। पड़ोस में रहने वाली एक महिला किसी से विपुल के कमरे का दरवाजा खटखटाया तो अंदर से काफी देर तक कोई जवाब नहीं मिला। ऐसे में महिला ने मकान मालिक को इसके बारे में बताया। मालिक ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर देखा तो युवक को फंदे पर लटका पाया। पुलिस की जांच में सामने आया है कि पति-पत्नी के बीच पहले भी कई बार झगड़े हो चुके थे।

मुरादनगर में दिनदहाड़े गोलीकांड, नाराज पड़ोसी ने शख्स को गोली मारी, आरोपी पकड़ा; इलाके में तनाव

गाजियाबाद। मुरादनगर के जलालपुर रोड स्थित आदर्श कॉलोनी में शनिवार सुबह करीब 10 बजे दिनदहाड़े गोली चलने से क्षेत्र में दहशत फैल गई। आदर्श कॉलोनी निवासी वीरेंद्र त्यागी को पड़ोसी रामपाल चौधरी ने गोली मारकर घायल कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोली चलने की आवाज सुनते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। घायल वीरेंद्र त्यागी को आनन-फानन में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। एसीपी मोदीनगर/मसूरी के मुताबिक, आज पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के थाना मुरादनगर में दिन में करीब 11 बजे सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति वीरेंद्र त्यागी उम्र करीब 55 वर्ष को उसके पड़ोसी रामपाल चौधरी ने गोली मार दी है।

NAME CHANGE

I SEETAVVA MAGADE is legal mother of No 17010679H Rank NK Name HANAMANT MAGADE presently residing at Vill Muragundi, PO - Muragundi, Teh - Athani, Dist - Belgaum, State - Karnataka, Pin code - 591304 inform that I have changed my Name from SEETAVVA MAGADE to SEETA MANOHAR MAGADI due to my civil document mismatch from my son service document. both name SEETAVVA MAGADE to SEETA MANOHAR MAGADI pertain to one and the same person.

NAME CHANGE

I Army No. 14664725 Rank HAV Rajendra Singh R/o Village–Mandramo, Post–Mandramo, P.S. Suriya, Dist–Giridih, State–Jharkhand, Pin–825320 inform That I have changed my daughter name from AARDHAYA SINGH Date of Birth is 26-10-2013. to AARADHYA SINGH . That both name AARDHAYA SINGH and AARADHYA SINGH pertain to one and the same person.

NAME CHANGE

I, SHASHI is legal mother of No 14683952K Rank NK Name SONPRAKASH SHARMA presently residing at Vill RAMNAGAR COLONY KHAIR ROAD ALIGARH, PO - ALIGARH,Teh - KOIL, Dist - ALIGARH, State - UP, Pin code – 202001 inform That, I have changed my Name from SHASHI to SHASHI SHARMA due to my civildocument mismatch, both name SHASHI and SHASHI SHARMA pertain to one andthe same person.

NAME CHANGE

I PARVATI legally mother of Army No - 2803734 A, Rank NK, Name - MAHADEV KOLEKAR, Presently Residing At GARBEN HATTI, Post - KASABA NANDAGAD, Teh - KHANAPUR, Dist BELGAUM, Pin - 591120 State. KARANATAKA have changed my name from PARVATI to PARVATI KOLEKAR for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 21/11/1957, instead of my correct date of birth as 01/01/1954, Vide Affidavit dated 27/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I KHADAR BEE legally mother of ARMY NO : 2810408A, RANK : SEP, NAME: PATAN MADAR SAB, Presently Residing AT: OC COLONY, VILLAGE: AMEEN PALLI, TEH: GUNTAKAL, DIST: ANANTAPUR, STATE : ANDHRA PRADESH, PIN: 515401 have changed my name from KHADAR BEE to PATHAN KADHARBEE for all future purposes, In my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 07/04/1969, instead of my correct date of birth as 01/01/1971 Vide affidavit dated 27/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, P NABI RASOOL legally father of ARMY NO : 2810408A, RANK : SEP, NAME: PATAN MADAR SAB, Presently Residing AT: OC COLONY, VILLAGE: AMEEN PALLI, TEH: GUNTAKAL, DIST: ANANTAPUR, STATE : ANDHRA PRADESH, PIN: 515401 have changed my name from P NABI RASOOL to PATHAN NABHIRASOOL for all future purposes, In my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 07/04/1965, instead of my correct date of birth as 01/01/1965, Vide affidavit dated 27/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I DURGANI legally father of Army No - 2803734 A, Rank NK, Name - MAHADEV KOLEKAR, Presently Residing At GARBEN HATTI, Post - KASABA NANDAGAD, Teh - KHANAPUR, Dist BELGAUM, Pin - 591120 State. KARANATAKA have changed my name from DURGANI to DURGANI KOLEKAR for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 21/11/1952, instead of my correct date of birth as 01/01/1954, Vide Affidavit dated 27/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I Army no - 2810024L, Rank - Sep, Name - KALE AMAR SURESH, Presently Residing At - NANDGAON, Post- NANDGAON, Teh - NANDGAON, Dist - NASHIK Pin - 423106, State- Maharashtra have changed my minor son name from MAYANK to MAYANK AMAR KALE for all future purposes, Vide Affidavit dated 27/05/2026 before Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Kajal sharma D/O HAR PARSAD SHARMA, R/O HOUSE NO-587, NEHRU ENCLAVE, ALI PUR, North West Delhi, Delhi - 110036 declare that name of my father has been wrongly written as Har Prasad in my 10th and 12th class educational documents .The actual name of my father is Har Parsad Sharma, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, DIVYA PRABHEESH wife of No.-15698941L, Rank-HAV, Name-PRABHEESH KUMAR M residing at VILL-MAVOOR, PO-KANNIPARAMBA, TEHSIL & DIST-KOZHIKODE, KERALA-673661, have changed my name from DIVYA PRABHEESH to DIVYA DIVAKARAN T T for all future purposes vide Affidavit dated 27/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, DIVYA GOEL W/O RAJA JAIN resident of H NO-A-23 T/F, SHIV PURI EXTN, CHANDER NAGAR, KRISHNA NAGAR DELHI, 110051 have changed my name to DIVYA JAIN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, NIRAJ KUMAR S/O ARJUN THAKUR R/O H NO-99 HOUSING BOARD COLONY SARASWATI VIHAR GURGAON-122002 HARYANA HAVE CHANGED MY NAME TO NEERAJ KUMAR FOR ALL PURPOSES

NAME CHANGE

I, JITENDER MALHOTRA S/O HAR PRASAD, R/O R-547-548, CAMP NO 5 JAWALA PURI DELHI 110087 I HAVE CHANGED MY NAME FROM JITENDRA MALHOTRA TO JITENDER MALHOTRA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, Geeta D/O. Gauri Shankar R/o. 1428, 2nd Floor, Janta Flats, Near Poorvi Delhi Khel Parisar, GTB Enclave, Nand Nagri Delhi-110093 have changed my name to Geet for all future purpose.

NAME CHANGE

I, KAVITA W/o Subhash Chand Sharma R/o H.NO.322, Old Bus Stand, Badli, Delhi-110042 , have changed my name to KAVITA SHARMA permanently.

NAME CHANGE

I, SUBASH CHAND S/o Anant Ram Sharma R/o H.NO.322, Old Bus Stand, Badli, Delhi-110042 , have changed my name to SUBHASH CHAND SHARMA permanently

NAME CHANGE

I, NO-15428746M Rank-HAV Name-NADIYA SHAILESH KUMAR MANILAL residing at VILL-MUDARDA, PO-NANDASAN, TEHSIL & DIST-MHESANA, GUJARAT-380001 have changed my wife's name from NADIYA LAXMI to LAXMI HAJONG for all future purposes vide Affidavit dated 27/05/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I SAPANA legally wife Army No - 2810024L, Rank - Sep, Name - KALE AMAR SURESH, Presently Residing, At - NANDGAON, Post- NANDGAON, Teh - NANDGAON, Dist - NASHIK, Pin - 423106, State- Maharashtra have changed my name from SAPANA to SAPANA AMAR KALE for all future purposes, in my husband service records my date of birth wrongly mentioned as 20/08/1992 instead of my correct date of birth as 19/08/1992 vide affidavit dated 27/05/2026 before Notary Public, Delhi. Vide Affidavit dated 27/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, MADHURI, is legally wife of Army No. 2804220P, Rank – Hav, Name – GURAV SAGAR DATTA, presently residing at Vill – Harali BK, Post – Harali BK, Teh – Gadhinglaj, Dist – Kolhapur, State – Maharashtra, Pin – 416502, have changed my name from MADHURI to GURAV MADHURI SAGAR for all future purposes. Vide affidavit dated 27/05/2026 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Dharambir S/o Mr. Gian Chand and Mr. Janak Raj S/o Mr. Gian Chand are the owner of Freehold Residential Plot of Land No.21, area measuring 200 Sq. Yds. out of Khasra No.12/16 Situated at Sita Puri, Village Dabri, Delhi., by virtue of GPA, ATS & WILL dated 27.02.1979., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and Built-up Third Floor with roof rights area measuring 70 sq. yds., sold to be Mr. Rasid Solanki and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I hitherto known as NEERU SHAH D/O KANTI LAL SHAH W/O NEERAJ KUMAR VASANDANI R/O Flat No-2, 4th Floor, J-Block, Sector-13, Multistory Flat, R K Puram, R K Puram (Main), South West Delhi, Delhi-110066 have changed my name and shall hereafter be known as SIMRAN VASANDANI.

NAME CHANGE

I, NO-18015905P, Rank-NK, Name-VIJAY SHANKAR SINGH residing at VILL-RAMNAGAR, PO-PIPAR GAON, TEHSIL & DIST-SULTANPUR, UTTAR PRADESH-228121, have changed my father's name from HARI SHANKAR to HARI SHANKAR SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 27/05/2026 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Sh. Chandan Dilwaria S/o. Sh. J.M. Dilwaria is the owner of Freehold Residential Built-up First Floor without roof rights out of portion of Plot No. 20 (Old) & New No. RZ-B-27, land area measuring 100 Sq. Yds., out of Kh. No. 77/9, situated at Vill. Palam, Abadi known as Mahavir Vihar, Block-A, New Delhi. by virtue of Regd. GPA and ATS, WILL dated 20.11.2002., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Sh. Subodh Kumar and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I RITU legally Spouse of Army No - 2807360M, Rank - Hav, Name - MATUKADE SUNIL CHANDRAKANT, Presently Residing At - Ranawadi, Post- Padavi, Teh - Mahad Dist - Raigad, State- Maharashtra, Pin - 412303 have changed my name from RITU to RITU SUNIL MATUKADE for all future purposes, Vide affidavit dated 27/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I CHANDRAKANT legally father of Army No - 2807360M, Rank - Hav, Name - MATUKADE SUNIL CHANDRAKANT, Presently Residing At - Ranawadi, Post- Padavi, Teh - Mahad Dist - Raigad, State- Maharashtra, Pin - 412303 have changed my name from CHANDRAKANT to CHANDRAKANT GENU MATUKADE for all future purposes, In my son's service records, my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1945 instead of my correct date of birth as 05/11/1961, Vide affidavit dated 27/05/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Hunny Gupta** s/o Mr. Deepak Gupta is the owner of Prop - 6/110 measuring 464.56 sq. mtrs situated in Residential Colony at SECTOR 2 RAJENDRA NAGAR SAHIABABD GZB 201005 vide **Gift Deed** dated 25.05.2026 which is registered as doc. no. 6655, book no.1, vol. no. 45426, Page no. 21 to 48, on 25.05.2026, SRO- Ghaziabad IV and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Capital Limited.** That the **Original Lease Deed dated 27.11.1976** which was registered as Doc no. 6415 & **Original Sale Deed dated 05.05.1981** which was registered as Doc no. 5190-5188 -5189 & **Original Agreement to Sale dated 12.11.1998** which was registered as doc no. 7086 & **Original Judgment Degree Dated 19.11.2004** in suit no. 793/99 are **lost/Misplaced.** Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I Army No - 2807360M, Rank - Hav, Name - MATUKADE SUNIL CHANDRAKANT, Presently Residing At - Ranawadi, Post- Padavi, Teh - Mahad Dist - Raigad, State- Maharashtra, Pin - 412303 have changed my minor Daughter's name from NIVETA to NIVETA SUNIL MATUKADE for all future purposes, Vide affidavit dated 27/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I CHANDRKALA legally Mother of Army No - 2807360M, Rank - Hav, Name - MATUKADE SUNIL CHANDRAKANT, Presently Residing At - Ranawadi, Post- Padavi, Teh - Mahad, Dist - Raigad, State- Maharashtra, Pin - 412303have changed my name from CHANDRKALA to CHANDRAKALA CHANDRAKANT MATUKADE for all future purposes, In my son's service records, my date of birth wrongly mentioned as 03/06/1969 instead of my correct date of birth as 23/03/1963, vide affidavit dated 27/05/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Praveen Kumar is the owner and in possession of a Freehold Residential Built-up Third floor with roof rights area measuring 100 Sq. Yds., Built on House No. 12, out of Khasra No. 12/14, Situated at Gali No. 1, Chandu Park, at Village Khureji khas, Illaqa Shahdara, Delhi-110051. by virtue of Regd. Will dated 11.07.2011 duly Regd. as Doc. No. 3006, in Book No. 1, Vol. No. 1063 on pages No. 121 to 123 on dated 11.07.2011, SR-VIII, New Delhi/Delhi. & Notarized Agreement to Gift dated 10.02.2012. In the chain of documents, the (1) SMC of Late Mrs. Kausalya wanti was expired on dated 20.10.2012 & (2) Probate order of Regd. Will dated 11.07.2011 not available; Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And same property. Sold to be Mrs. Poonam Sharma and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Shahdara Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, CHANDRAPAL SINGH S/O MAHAVIR SINGH NEGI R/O PLOT NO-335,GALI NO-32,SARASWATI ENCLAVE,GOPAL NAGAR,NAJAFGARH,DELHI-110043, HAVE CHANGED MY NAME TO CHANDRA PAL SINGH NEGI FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, MEENA W/O VINOD KUMAR R/O HOUSE NO-107,WAZIRPUR (115),POST WAZIRPUR, DISTRICT GURGAON, HARYANA-122505, HAVE CHANGED MY NAME TO MEENA KUMARI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, Bhoopal Singh Rajauri S/O Mohan Lal R/O JG-2/63, Vikas Puri, West Delhi, Delhi 110018 I, Have Changed My Name To Bhopal Singh

NAME CHANGE

I Army No - 2807360M, Rank - Hav, Name - MATUKADE SUNIL CHANDRAKANT, Presently Residing At - Ranawadi, Post- Padavi, Teh - Mahad Dist - Raigad, State- Maharashtra, Pin - 412303 have changed my minor son name from VANSH to VANSH SUNIL MATUKADE for all future purposes, Vide affidavit dated 27/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I SINDHUBAI legally mother of Army no - 2810024L, Rank - Sep, Name - KALE AMAR SURESH, Presently Residing, At - NANDGAON Post- NANDGAON, Teh - NANDGAON, Dist - NASHIK, Pin - 423106, State- Maharashtra have changed my name from SINDHUBAI to SINDHUBAI SURESH KALE for all future purposes, Vide Affidavit dated 27/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I SURESH legally father of Army no - 2810024L, Rank - Sep, Name - KALE AMAR SURESH, Presently Residing At - NANDGAON, Post- NANDGAON, Teh - NANDGAON, Dist - NASHIK Pin - 423106, State- Maharashtra have changed my name from SURESH to SURESH JAGANNATH KALE for all future purposes, Vide Affidavit dated 27/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I SUNITA legally mother of Army No. - 2824091F, Rank - Sep, Name - CHOLKE NAVNATH SOPAN, Presently Residing, At - Nandur, Post- Dhamode, Teh - Yeola, Dist - Nasik, State- Maharashtra, Pin - 423403 have changed my name from SUNITA to CHOLKE SUNITA SOPAN for all future purposes, Vide Affidavit dated 27/05/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, DATTA, is legally father of Army No. 2804220P, Rank – Hav, Name – GURAV SAGAR DATTA, presently residing at Vill – Harali BK, Post – Harali BK, Teh – Gadhinglaj, Dist – Kolhapur, State – Maharashtra, Pin – 416502, have changed my name from DATTA to DATTA HARI GURAV and date of birth from 15/02/1958 to 01/01/1955 for all future purposes. Vide affidavit dated 27/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, MANAL, is legally mother of Army No. 2804220P, Rank – Hav, Name – GURAV SAGAR DATTA, presently residing at Vill – Harali BK, Post – Harali BK, Teh – Gadhinglaj, Dist – Kolhapur, State – Maharashtra, Pin – 416502, have changed my name from MANAL to MANGAL DATTA GURAV and date of birth from 15/02/1968 to 01/01/1963 for all future purposes. Vide affidavit dated 27/05/2026 before Public Notary Delhi.

RAMGARHIA CO-OPERATIVE BANK LTD.,
1/4, Desh Bandhu Gupta Road, Pahar Ganj, New Delhi – 110 055.

SYMBOLIC POSSESSION NOTICE SECTION 13(4)
(For Immovable property)

Whereas :

The undersigned being the Authorised Officer of the **Ramgarhia Co-operative Bank Ltd.** under Securitization And Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 (Act 54 of 2002 (hereinafter referred to as "the Act") and in exercise of powers conferred under Section 13(2) read with Rule 3 of the Security Interest (Enforcement) Rules 2002, issued a Demand Notice details given as below we had pasted the same notice on the property calling upon the Borrower/Guarantor Borrower/ Co Borrower to repay the amount mentioned in the notice, respectively within 60 days from the date of receipt of the said notice.

The borrower having failed to repay the amount, notice is hereby given to the borrower and the public in general that the undersigned has taken possession of the property described herein below in exercise of powers conferred on him / her under section 13(4) of the said Act, read with Rule 8 & 9 of the said Rule on this 27th **day of May of the year 2026.**

S. No	Name of the Borrower/ Guarantor/ Borrower/Co-Borrower	Property Details	Date of issuing 13(2)	Date of issuing 13(4)	Amount
1.	Sh. Rajesh Verma S/o Sh. Hari Dev Sh. Anil Kumar, (Guarantor) Sh. Parveen Masson (Guarantor)	All Piece and Parcels of Second Floor without roof/terrace rights out of Property Bearing No.1449, Second Floor, Gali No.51, Jafrabad village, Shahdra, New Delhi -110053, land measuring 32 Sq. Yards. (More fully described in Schedule A hereto)	31/01/2026	22/05/2026	Rs.49,16,111.00 (Rupees Forty Nine Lakh, Sixteen Thousand, One Hundred and Eleven only) as on 31/12/2025 + further interest and legal charges
2	Sh. Ravi Kumar S/o Sh. Subhash Chand (Guarantor) Sh. Harvinder Singh, Sh. Raj Kumar	All Piece and Parcels of :Third Floor with roof/terrace rights out of Property Bearing No.F-127, land measuring 50 Sq. Yards, out of Khasra No.31/23, situated in the area of Village Khyala, Delhi-110018 (More fully described in Schedule A hereto)	12/01/2026	27/05/2026	Rs.6,50,024.00 (Rupees Six Lakh, Fifty Thousand and Twenty Four only) as on 31/12/2025 + further interest and legal charges
3	M/s J. K. Traders Prop. Sh. Gurvinder Singh Smt. Paramjit Kaur (Deceased) through all her legal heirs & S. Ravinder Singh	All Piece and Parcels of : WZ-139A/4-A, Plot No-8, GF, Gali No.-13 New Mahavir Nagar, New Delhi-110018, Area- 65 sq. yards (More fully described in Schedule A hereto)	31/01/2026	27/05/2026	Rs.12,01,842.00 (Rupees Twelve Lakh, One Thousand, Eight Hundred and Forty Two only) as on 31/12/2025 + further interest and legal charges

The borrower's attention is invited to the provisions of Section 13(8) of the Act, in respect of time available, to redeem the secured assets.

Authorized Representative
Phone : 011- 40192447, 011- 45595302
E-mail : rcbl_ho@ramgarhiabank.com

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

एमआरपी के मनमाने निर्धारण के विरोध में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने किया प्रदर्शन

एजेंसी

हिसार। उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा तथा वस्तुओं पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के मनमाने निर्धारण के विरोध में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, हिसार इकाई ने लघु सचिवालय के समक्ष प्रदर्शन किया। संगठन के पदाधिकारियों एवं जागरूक नागरिकों ने सरकार से एमआरपी व्यवस्था में पारदर्शिता लाने तथा उपभोक्ताओं के आर्थिक शोषण पर रोक लगाने की मांग उठाई। प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए इकाई के जिला अध्यक्ष सुमित सैनी ने कहा कि वर्तमान समय में अनेक निर्माता कंपनियां वस्तुओं पर वास्तविक कीमत से कहीं अधिक एमआरपी अंकित कर रही हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं के सामने भ्रम की स्थिति पैदा हो जाती है और उसे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत एक गैर-राजनीतिक संगठन के रूप में ग्राहक जागरण अभियान के माध्यम से लगातार उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए कार्य कर रहा है। इस प्रदर्शन के दौरान संगठन ने सरकार के समक्ष महत्वपूर्ण मांगें रखीं। इनमें प्रमुख रूप से एमआरपी निर्धारण के लिए स्पष्ट एवं पारदर्शी नियम बनाने, प्रत्येक उत्पाद पर 'फर्स्ट सेलिंग प्राइस' अर्थात निर्माता द्वारा निर्धारित मूल बिक्री मूल्य अंकित करना अनिवार्य करने तथा कंपनियों द्वारा अनुचित तरीके से निर्धारित एमआरपी पर नियंत्रण लगाने की मांग शामिल थी। इस दौरान उत्तरी क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री नवीन जैन ने लोगों को एमआरपी व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

पेयजल आपूर्ति के संचालन व रखरखाव में 16 गांव बनेंगे रॉल मॉडल

जींद। प्रदेश की ग्राम पंचायतें अब ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति के संचालन और रखरखाव के कार्यों को स्वयं संचालित करने में सक्षम होंगी। इसी संबंध में राज्य के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये राज्य के सभी उपायुक्त के साथ समीक्षा बैठक ली। समीक्ष बैठक की अध्यक्षता जिला उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने की। इस बैठक के बाद डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि सरकार ने पंचायतों को पेयजल आपूर्ति के प्रबंधन, संचालन तथा विभिन्न प्रशासनिक निर्णय लेने के अधिकार प्रदान किए गए हैं। पंचायतें आवश्यकता अनुसार पेयजल दरों में संशोधन कर नई दरें लागू कर सकेंगी तथा अवैध कनेक्शनों को काटने की कार्रवाई भी कर सकेंगी। जिला सलाहकार रणधीर मताना ने बताया कि जिला जींद में 16 ग्राम पंचायतों को इस योजना के तहत रॉल मॉडल गांव बनाया जाएगा। जिसमें से खुंगा गांव में यह प्रक्रिया शुरू कर दी गई हैं। इस योजना में ग्रामीण जल प्रणाली के संचालन एवं रखरखाव हेतु सरकारी व सामुदायिक भागीदारी आधारित संचालन एवं रखरखाव नीति 2026 को जल्द धरातल पर लागू करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

अटेली सीएचसी में मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाएं होंगी आधुनिकः आरती सिंह राव

नारनौल। जिले के अटेली स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में जल्द ही मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग हरियाणा और मेदांता फाउंडेशन के सहयोग से तैयार किए गए प्रस्ताव को सिद्धांततः मंजूरी के लिए विचाराधीन रखा गया है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं और नवजात शिशुओं को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि प्रस्ताव के तहत आगामी तीन वर्षों तक सीएचसी अटेली में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर इस अवधि को आगे भी बढ़ाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार गंभीरता से कार्य कर रही है। योजना के तहत सीएचसी में सीजेरियन ऑपरेशन थिएटर, लेबर रूम, ओपीडी सेवाएं, एनीमिया स्क्रीनिंग क्लीनिक और अल्ट्रासाउंड जैसी सुविधाओं का उन्नयन किया जाएगा। साथ ही महिलाओं में स्तन एवं गर्भाशय कैंसर की जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा एनीमिया प्रबंधन, ब्लड प्रेशर जांच, आरबीएस और हीमोग्लोबिन टेस्ट जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं भी मजबूत की जाएंगी।

हरियाणा का भूजलः कहीं 'उत्तम', कहीं बढ़ती लवणीयता की चुनौती

हिसार। हरियाणा में खेती की दिशा और भविष्य तय करने में अब भूजल की गुणवत्ता अहम भूमिका निभाने जा रही है। किसानों को यह जानने में आसानी होगी कि उनके क्षेत्र का पानी किस फसल के लिए उपयुक्त है और किस प्रकार के सिंचाई प्रबंधन की जरूरत है। इसी उद्देश्य से यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने राज्य का विस्तृत जल गुणवत्ता मानचित्र तैयार किया है, जिसका विमोचन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज ने किया। विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग द्वाराकिए गए इस मानचित्र में हरियाणा के विभिन्न जिलों के भूजल का वैज्ञानिक विश्लेषण कर उसकी गुणवत्ता का वर्गीकरण किया गया है। अध्ययन में सामने आया कि राज्य का लगभग 31.83 प्रतिशत भूजल 'उत्तम गुणवत्ता जल' श्रेणी में है।

गांव फरल में दबी इतिहास की परतें टटोलने पहुंचीं डीसी

एजेंसी

कैथल। जिले के फरल गांव की प्राचीन विरासत एक बार फिर प्रशासन और पुरातत्व विभाग के फोकस में आई है। डीसी अपराजिता ने गांव का दौरा कर यहां मौजूद ऐतिहासिक स्थलों का जायजा लिया। उनके साथ हरियाणा पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. नरेंद्र परमार सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। दौरे के दौरान टीम ने कुषाण काल से जुड़े पुरास्थलों, विशेषकर एक प्राचीन स्तूप का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मौके पर मिले पेंटेड रेड वेयर (चित्रित लाल मिट्टी के बर्तन), प्राचीन कलाकृतियों और अन्य अवशेषों का अवलोकन किया। माना जा रहा है कि ये सामग्री इस क्षेत्र के प्राचीन इतिहास और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को समझने में अहम साबित हो सकती है। डीसी अपराजिता ने कहा कि फरल गांव ऐतिहासिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है और यहां की विरासत को संरक्षित करना प्राथमिकता है। उन्होंने संकेत दिए कि प्रशासन और पुरातत्व विभाग मिलकर यहां और साक्ष्य जुटाने का प्रयास करेंगे, ताकि वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण और विकास की दिशा में काम आगे बढ़ सकें। इस दौरान डीसी ने फल्गु तीर्थ स्थित मंदिरों में भी माथा टेका और स्थानीय आस्था से जुड़े पहलुओं को समझा। डिप्टी डायरेक्टर डॉ. नरेंद्र परमार ने बताया कि प्रारंभिक अध्ययन में सामने आया है कि इस क्षेत्र में दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व के आसपास मानव बसावट के प्रमाण मिलते हैं। फरल में मौजूद प्राचीन टीला और धार्मिक स्थल न केवल ऐतिहासिक महत्व रखते हैं, बल्कि आज भी लोगों की आस्था से जुड़े हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कैथल का इतिहास सिंधु-सरस्वती सभ्यता से जुड़ा माना जाता है और आसपास के क्षेत्र, विशेषकर बालू गांव, भी पुरातात्विक दृष्टि से अहम रहे हैं। करीब पांच हजार वर्ष पुरानी सांस्कृतिक निरंतरता इस इलाके की खास पहचान है।

डॉ. परमार के अनुसार, भविष्य में यहां भारतीय ज्ञान परंपरा, प्राचीन लेखन प्रणाली, वास्तुकला और सांस्कृतिक विकास से जुड़े पहलुओं पर भी शोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से भी विभिन्न स्थलों पर संरक्षण कार्य जारी हैं और प्रशासन के सहयोग से कैथल के इतिहास को व्यापक पहचान दिलाने की दिशा में प्रयास तेज किए जाएंगे।

हरियाणा में जून से एटीएस की शुरुआत

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा है कि राज्य में एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) की स्थापना का काम अंतिम चरण में है। संभवत यह जून माह से कार्य करना शुरू कर देगा। चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में पुलिस महानिदेशक ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने उनके लिए विशेष बजट का प्रावधान किया है। क्राइम कंट्रोल के लिए उनकी टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं। हरियाणा में एंटी टेररिस्ट स्क्वाड के गठन को लेकर उन्होंने कहा कि इस पर छोटी से आपत्ति है, वो जल्द दूर कर दी जाएगी। एटीएस को लीड आईजीपी स्तर का आईपीएस अफसर करेगा। इसके बाद 4 आईपीएस रैंक के अधिकारियों को पुलिस अधीक्षक (एसपी) की जिम्मेदारी दी जाएगी। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि क्राइम कंट्रोल को लेकर पुलिस लगातार काम कर रही है। पुलिस टीमें लगातार बेहतर करने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा पुलिस विभाग के आधारभूत संरचना को बढ़ाने के लिए 2 साल के दौरान 750 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि हरियाणा के अलग-अलग जिलों में पुलिस लाइन, पुलिस पोस्ट, पुलिस बूथ, थानों-चौकियों व दूसरी चीजों का निर्माण होगा। उन्होंने बताया कि ओवरऑल क्राइम रेट में हरियाणा 4 और 5 नंबर पर दर्शाया गया है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हमारे यहां साल में करीब 40 हजार एफआईआर अकेले बिजली चोरी की होती है। हम लापता व्यक्ति की एफआईआर दर्ज करते हैं। हमारे यहां पर हर एफआईआर दर्ज होती है। जांच के दौरान करीब 30 हजार एफआईआर में समझौते या झूठी मिलती है।

स्कूल बसों और स्कूल परिसरों में सीसीटीवी लगाने के निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने राज्य में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए सुरक्षित स्कूल वाहन नीति के तहत सभी स्कूल बसों एवं विद्यालय परिसरों में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना और रिकॉर्डिंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने जिला नूंह के प्रभात वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छछेरा में एक छात्रा के साथ कथित अमानवीय व्यवहार के मामले की सुनवाई के दौरान स्कूल प्रबंधन और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई। आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति ललित बत्रा तथा सदस्य कुलदीप जैन और दीप भाटिया की पीठ ने पाया कि जिला शिक्षा अधिकारी नूंह और विद्यालय प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों में गंभीर विरोधाभास हैं। निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार विद्यालय परिसर में मौजूद दो बसों में से एक में सीसीटीवी कैमरा नहीं था, जबकि दूसरी बस में कैमरा कार्यशील है या रिकॉर्डिंग कर रहा है, इसका कोई प्रमाण स्कूल प्रबंधन नहीं दे सका। दूसरी ओर विद्यालय प्रबंधन ने दावा किया कि स्कूल की सभी छह बसों में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं और रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखी जा रही है।

इन विसंगतियों पर कड़ा रुख अपनाते हुए आयोग ने नूंह जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि विद्यालय द्वारा संचालित सभी बसों, कक्षाओं और प्रमुख स्थानों का पुनः निरीक्षण कर सीसीटीवी कैमरों की वास्तविक स्थिति की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। आयोग ने नूंह के पुलिस अधीक्षक द्वारा की गई कार्रवाई पर भी असंतोष व्यक्त करते हुए मामले की दोबारा जांच और विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए।

पीसी-पीएनडीटी अधिनियम के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएः उत्तम सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। उपायुक्त उत्तम सिंह की अध्यक्षता में लघु सचिवालय में पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट की जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पीसी-पीएनडीटी एक्ट, मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) एक्ट और एआरटी एक्ट के तहत चल रही कार्यवाही की समीक्षा की गई। उपायुक्त उत्तम सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार की मंशा के अनुरूप कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए पीसी-पीएनडीटी अधिनियम के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध लिंग जांच और गैर-कानूनी गतिविधियों पर पूरी सख्ती के साथ कार्रवाई की जाए तथा निगरानी तंत्र को और मजबूत बनाया जाए। डीसी ने स्वास्थ्य विभाग और फील्ड स्तर पर कार्यरत टीमों को निर्देश दिए कि सहेली नेटवर्क और

ग्राम पंचायतों की भागीदारी से ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं, विशेष रूप से एक या अधिक बेटियों वाली महिलाओं पर विशेष नजर रखी जाए ताकि किसी भी संदिग्ध मामले में समय रहते कार्रवाई की जा सके। डीसी उत्तम सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कम सेक्स रेशियो वाले गांवों में विशेष जागरूकता अभियान चलाए जाएं। गांव स्तर पर रेड, ग्रीन और येलो श्रेणी के अनुसार प्रदर्शन बोर्ड लगाए जाएं तथा लोगों को बेटी बचाओ अभियान से जोडने् के लिए स्कूलों, कॉलेजों और पंचायत स्तर पर गतिविधियां आयोजित की जाएं। उन्होंने कहा कि जागरूकता रैलियां, दीवार लेखन, पोस्टर अभियान और बेटी बचाओ गतिविधियों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए ताकि समाज में कन्या भ्रूण हत्या रोकने और लैंगिक समानता के प्रति सकारात्मक संदेश पहुंचे। सीएमओ डॉ. लोकवीर सिंह ने बैठक में बताया कि जिले में पीसीपीएनडीटी के तहत 395 केंद्र पंजीकृत हैं, जिनमें से 311 केंद्रों का निरीक्षण किया जा चुका है। वर्ष 2025 में तीन तथा वर्ष 2026 में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। अनियमितताओं के चलते तीन केंद्रों का पंजीकरण रद्द किया गया तथा पांच अल्ट्रासाउंड मशीनों को सील किया गया। उन्होंने बताया कि जिले जिले में 333 पंजीकृत एमटीपी केंद्र हैं, जिनमें से 217 का निरीक्षण किया गया है। वहीं जिले में 59 पंजीकृत एआरटी केंद्र संचालित हैं तथा 48 अपंजीकृत एआरटी केंद्रों को बंद कराया गया है।

निजी वाहनों के प्रयोग में कमी के लिए हर गांव व शहर को बस सेवा से जोड़ा जाएः नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पेट्रोल व डीजल की खपत को कम करने के लिए निजी वाहनों के प्रयोग में कमी लाना जरूरी है और यह तभी होगा जब अधिक से अधिक लोगों तक सरकारी बसों की सुविधा पहुंचेगी। इसलिए परिवहन विभाग ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बढ़ी हुई आबादी तथा भविष्य में पैदा होने वाली मांग के अनुरूप पूरे प्रदेश का रूटमैप बनाए और रिवाइज रूट प्लान के अनुरूप ज्यादा से ज्यादा गांवों व शहरों को बस सुविधा से जोड़े। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा विजन-2047 के अंतर्गत परिवहन विभाग के अगले 5 वर्षों के रोडमैप व कार्ययोजना के लिए आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। इस दौरान उन्होंने भविष्य में मांग के अनुरूप परिवहन विभाग द्वारा अपनाई जाने वाली की नई तकनीकों व योजनाओं की भी समीक्षा की और इनके संबंध में अधिकारियों को व्यापक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि परिवहन विभाग उचित प्रबंधन करें तो बसों की कमी भी दूर

हो सकती है और अधिक से अधिक लोगों तक परिवहन सुविधाओं तक पहुंच भी सुनिश्चित की जा सकती है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि समय के साथ प्रदेश में मौजूद लगभग 6500 गांवों और शहरी क्षेत्र में आबादी तो बढ़ी है लेकिन परिवहन विभाग की बसों की पहुंच इसकी तुलना में उतनी नहीं बढ़ सकी है। विभाग नई जरूरतों के अनुसार पूरे प्रदेश का रूट प्लान तैयार करे और हर गांव तक बसों की पहुंच सुनिश्चित करने की योजना तैयार करे ताकि विद्यार्थियों व महिलाओं के साथ-साथ कामकाजी व्यक्ति भी बसों का अधिक से अधिक प्रयोग करें और निजी वाहनों के प्रयोग में कमी आए। गांवों का सर्कल बनाकर आपस में बसों से जोड़ा जाए। जरूरत हो तो इसके लिए पुरानी पॉलिसी में संशोधन भी किया जा सकता है। सरकार परिवहन विभाग को ऐसा बनाना चाहती है कि एक साल बाद हम कह सकें कि हमारा एक भी गांव ऐसा नहीं है जो बस सेवा से न जुड़ा हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले शहरों के आंतरिक हिस्सों में लोकल बसें चलती थी जो शहर के एक हिस्से को दूसरे से जोड़ती थीं लेकिन अब ऐसी बसों की संख्या बहुंत कम हो गई है जबकि शहरी क्षेत्रों का काफी विस्तार हो गया है। इससे शहरों के बाहरी हिस्सों में स्थापित औद्योगिक क्षेत्रों के कामगारों को अपने वाहनों का इस्तेमाल करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि सभी शहरों में प्रमुख अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों और धार्मिक स्थानों तक सिटी बसों की पहुंच सुनिश्चित की जाए। गुरुग्राम, फरीदाबाद व सोनीपत जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में कामगारों के लिए विशेष बसें चलाई जाएं और मैट्रो स्टेशनों तथा बस स्टैंडों तक मिनी बसें चलाई जाएं।

सोनीपत में विकास योजनाओं के लिए 139 करोड़ रुपये की मंजूरी

एजेंसी

सोनीपत। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई सोनीपत महानगरीय विकास प्राधिकरण की बैठक में जिले और आसपास के क्षेत्रों के विकास से जुड़ी कई अहम परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। बैठक में मंत्री अनिल विज, अरविंद शर्मा, रणबीर गंगवा, विधायक निखिल मदान, देवेंद्र कादयान, कृष्ण गहलावत और महापौर राजीव जैन मौजूद रहे।

बैठक में अकबरपुर बारोटा में 90 एमएलडी क्षमता का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने का फैसला लिया गया। बड़वासनी से गोहाना रोड बाईपास होते हुए मुरथल रोड तक नहर आधारित पेयजल योजना के लिए सर्वे कराने पर सहमति बनी। खरखौदा और सोनीपत डीसी कार्यालय में पीपीपी मोड पर मल्टी लेवल पार्किंग बनाई जाएगी। मीमारपुर में करीब 16 करोड़ रुपये से घाट का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। गीता भवन से बस अड्डे तक लगभग आठ करोड़ रुपये की लागत से नई ड्रेनेज लाइन बिछेगी। गन्नौर में 77 करोड़ रुपये की लागत से पांच किलोमीटर लंबा बाईपास बनाया जाएगा। शहर में पुलिस लाइन से बस अड्डे तक रेन वाटर लाइन की मरम्मत मशीन वाउंड स्पायरल माइनिंग तकनीक से की जाएगी। मिशन चौक से कालूपुर चुंगी और सब्जी मंडी से बस अड्डे तक पुरानी सीवर लाइन भी इसी तकनीक से दुरुस्त होगी। सभी जल संयंत्रों पर करीब 11 करोड़ रुपये की लागत से सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएंगे। नगर निगम के निर्माणाधीन भवन के काम में देरी पर संबंधित समिति सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए। सेक्टर-4 स्थित स्टेडियम में 27 करोड़ रुपये की लागत से बैडमिंटन, क्रिकेट, पिकल बॉल, लॉन्ग टेनिस और आधुनिक पवेलियन जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। बैठक में लिंक सड़कें, बरसाती पानी निकासी, नई पेयजल लाइन, नए बस अड्डे और ड्रेन नंबर-6 के किनारों पर रिटेनिंग वॉल बनाने पर भी चर्चा हुई।

हरियाणा में ओटी असिस्टेंट की शैक्षणिक योग्यता बढ़ाई

एसोसिएशन ने स्वास्थ्य मंत्री का जताया आभार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं में एक बड़ा सुधार करते हुए ऑपरेशन थिएटर (ओटी) असिस्टेंट की शैक्षणिक योग्यता को बढ़ाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। ऑपरेशन थिएटर असिस्टेंट वेलफेयर एसोसिएशन, हरियाणा ने ओटी असिस्टेंट की योग्यता को 'दस जमा दो साइंस' कक्षा उत्तीर्ण से बढ़ाकर 'बीएससी ओटी टेक्नोलॉजी' किए जाने के फैसले का स्वागत किया है।एसोसिएशन के प्रधान राहुल जागलान एवं महासचिव राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव से चंडीगढ़ में विशेष मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए मंत्री का आभार व्यक्त किया।

एसोसिएशन के सदस्यों ने कहा कि यह निर्णय केवल एक शैक्षणिक सुधार नहीं है, बल्कि हरियाणा की सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक और मजबूत बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा। इससे सरकारी अस्पतालों में सर्जिकल सेवाओं की गुणवत्ता में बड़ा सुधार होगा तथा मरीजों की सुरक्षा पहले से अधिक सुनिश्चित हो सकेगी। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत अस्पतालों पर कैशलेस सर्जिकल लोड

लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में आधुनिक और अत्याधुनिक सर्जिकल उपकरणों के प्रभावी संचालन के लिए तकनीकी रूप से दक्ष स्टाफ की आवश्यकता समय की मांग है। इसी को देखते हुए राज्य सरकार ने 'बीएससी ओटी टेक्नोलॉजी' योग्यता लागू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन थिएटर किसी भी अस्पताल या मेडिकल संस्थान की बैक बोन होता है। ओटी असिस्टेंट ही इस विभाग के सुचारू, सुरक्षित और प्रभावी संचालन के लिए तकनीकी रूप से योग्य और जिम्मेदार कर्मी होते हैं। आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था में सफल सर्जरी का आधार एक कुशल ऑपरेशन थिएटर टीम होती है, और सरकार का यह निर्णय इस व्यवस्था को और अधिक सक्षम बनाएगा।

आशा वर्कर्स ने स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा 9 सूत्रीय मांग-पत्र

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव से चंडीगढ़ में आज आशा वर्कर्स के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस औपचारिक बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य मंत्री को अपनी मुख्य समस्याओं से अवगत कराया और उन्हें 9 सूत्री मांग-पत्र सौंपा। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने प्रतिनिधिमंडल की सभी बातों को बेहद ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने आशा वर्कर्स के काम की सराहना करते हुए विश्वास दिलाया कि सरकार उनकी समस्याओं के प्रति पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने स्पष्ट रूप से आश्वासन दिया कि आशा वर्कर्स की जितनी भी जायज मांगें हैं, उन्हें जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने नेशनल हेल्थ मिशन हरियाणा के डायरेक्टर को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने डायरेक्टर को निर्देश दिए कि सौंपे गए 9 सूत्री मांग-पत्र के सभी बिंदुओं और तकनीकी मुद्दों का गहराई से अध्ययन किया जाए और इस पर त्वरित उचित कार्रवाई अमल में लाई जाए।

ज्ञान भारतम् मिशन के तहत दुर्लभ पांडुलिपियों का डेटाबेस किया जाएगा तैयार - डीसी

आम नागरिक मोबाइल ऐप के माध्यम से साझा कर सकते हैं पांडुलिपियों की जानकारी

एजेंसी

तावडू। भारत की समृद्ध परंपरा, सांस्कृतिक धरोहर एवं बौद्धिक विकास के महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में प्राचीन पांडुलिपियां, ताड़पत्र एवं दुर्लभ अभिलेखों के संरक्षण तथा भावी पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 'ज्ञान भारतम् मिशन' के तहत राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण प्रारंभ किया गया है। उपायुक्त अखिल पिलानी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मिशन के अंतर्गत 16 मार्च 2026 से राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत जनभागीदारी के माध्यम से देशभर के परिवारों, मंदिरों एवं संस्थाओं में उपलब्ध पांडुलिपियों को 'ज्ञान भारतम् ऐप' के जरिए जियो-टैग कर सूचीबद्ध एवं डिजिटल रूप से संरक्षित किया जा रहा है। उपायुक्त ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट में की गई घोषणा के अनुरूप भारत सरकार ने संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत 'ज्ञान भारतम्' मिशन की शुरुआत की है।

इस पहल का उद्देश्य प्राचीन पांडुलिपियों को समय के प्रभाव से सुरक्षित रखते हुए उनका डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करना है। उन्होंने कहा कि मठों, मंदिरों और निजी पुस्तकालयों के प्रबंधकों से संवाद स्थापित कर पांडुलिपियों के संरक्षण में उनका सहयोग लिया जाएगा। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि संरक्षण कार्य के दौरान मूल दस्तावेजों को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचे। उन्होंने बताया कि पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है ताकि उच्च गुणवत्ता में उनका सुरक्षित संग्रहण संभव हो सके। उपायुक्त अखिल पिलानी ने बताया कि ज्ञान भारतम् अभियान के तहत लगभग 75 वर्ष या उससे अधिक पुरानी पांडुलिपियों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस पहल से जिले की ऐतिहासिक धरोहर को सुरक्षित रखने के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने आम नागरिकों से आह्वान किया कि वे भी अपनी पांडुलिपियों की जानकारी मोबाइल ऐप के माध्यम से साझा करें। चिन्हित पांडुलिपियों को राष्ट्रीय डिजिटल रिपॉजिटरी में सुरक्षित रखा जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अभियान में पांडुलिपि धारकों का स्वामित्व पूर्णतः सुरक्षित रहेगा।

लेफ्टिनेंट जनरल हरजीत सिंह साही ने संभाली पश्चिमी कमान के चीफ ऑफ स्टाफ की जिम्मेदारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के चंडीमंदिर सैन्य स्टेशन में भारतीय सेना की पश्चिमी कमान को नया रणनीतिक नेतृत्व मिला। लेफ्टिनेंट जनरल हरजीत सिंह साही ने पश्चिमी कमान के चीफ ऑफ स्टाफ का पदभार संभाल लिया। सेना के भीतर उन्हें एक ऐसे अधिकारी के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने मैदान से लेकर 'वार रूम' तक हर स्तर पर अपनी क्षमता साबित की है। लेफ्टिनेंट जनरल साही ऐसे समय में पश्चिमी कमान की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, जब देश की पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं पर सुरक्षा चुनौतियां लगातार बदल रही हैं। सीमा सुरक्षा, तकनीकी युद्ध, सूचना युद्ध और आतंकवाद विरोधी अभियानों का उनका लंबा अनुभव अब पश्चिमी कमान की रणनीतियों को नई दिशा देगा। उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल पुनीत आहूजा का स्थान लिया है, जिन्हें सेना मुख्यालय में महानिदेशक रणनीतिक योजना की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। पंजाब पब्लिक स्कूल, नाभा और भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून से शिक्षा प्राप्त करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल साही को दिसंबर 1988 में राजपूत रेजिमेंट की 23वीं बटालियन में कमीशन मिला था। तीन दशक से अधिक लंबे सैन्य करियर में उन्होंने उत्तरी, पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। सियाचिन ग्लेशियर जैसी दुनिया की सबसे कठिन तैनाती से लेकर जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर आतंकवाद विरोधी अभियानों तक, उन्होंने हर मोर्चे पर नेतृत्व किया। उन्होंने काउंटर इंसर्जेंसी फोर्स 'किलो' में अपनी बटालियन और इन्फैंट्री ब्रिगेड की कमान संभाली। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में भारतीय सेना की सबसे बड़ी कोर - '3 कोर' की कमान शामिल है।

सैमसंग कंपनी ने एआई चिप्स की भारी डिमांड से कमाया रिकॉर्ड तोड़ मुनाफा

78,000 कर्मचारियों को औसतन 50.9 करोड़ का ऐतिहासिक बोनस देगी कंपनी

नई दिल्ली।

दुनिया भर में एआई से सबसे ज्यादा फायदा दिग्गज टेक कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के चिप डिवीजन के कर्मचारियों को हुआ है। ग्लोबल मार्केट में एआई चिप्स की भारी डिमांड और कंपनी के रिकॉर्ड तोड़ मुनाफे के चलते सैमसंग ने करीब 78,000 कर्मचारियों को औसतन 50.9 करोड़ 3.7 लाख डॉलर का ऐतिहासिक बोनस देने जा रही है। इस बंपर मेगा-बोनस स्कीम और नए वेतन समझौते पर अंतिम मुहर लगने की उम्मीद है। इससे पहले सैमसंग के मुकाबले उसकी प्रतिद्वंदी कंपनी एसके हाइनेक्स से अपने कर्मचारियों को तीन गुना ज्यादा बोनस दे रही थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस समझौते को मंजूर करने के लिए करीब 70,000 यूनियन सदस्यों के बीच बीते शुक्रवार से इलेक्ट्रॉनिक मतदान शुरू हुआ है। वोटिंग बुधवार को खत्म होगी। स्थानीय मीडिया के मुताबिक 90फीसदी से ज्यादा सदस्य पहले ही वोट डाल चुके हैं और बहुमत के साथ इसके आज ही मंजूर होने की पूरी संभावना है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि सैमसंग का यह कदम उसके टैलेंटेड इंजीनियरों को विदेश जाने से रोकने के लिए जरूरी था। इस समय एलन मस्क की कंपनी टेस्ला समेत कई अमेरिकी दिग्गज एआई चिप्स में भारी निवेश कर रहे हैं।

सैमसंग और उसकी सबसे बड़ी लेबर यूनियन के बीच समझौता 10 सालों के लिए लागू रहेगा। इस बोनस समझौते को कंपनी के परफॉर्मेंस टारगेट से जोड़ा है। बोनस दो हिस्सों में दिया जाएगा। कर्मचारियों को मिलने वाला सालाना बोनस चिप डिवीजन के कुल ऑपरेटिंग प्रॉफिट का 10.5 फीसदी होगा, जिसे कंपनी के शेयर्स के रूप में दिया जाएगा। इसके अलावा, कर्मचारियों को 1.5 फीसदी अतिरिक्त बोनस नगद मिलेगा। बाजार विश्लेषकों का अनुमान है कि अगर कंपनी का वार्षिक ऑपरेटिंग प्रॉफिट तय लक्ष्य 331 ट्रिलियन वॉन तक पहुंच जाता है, तो हर एक पात्र कर्मचारी को इस साल औसतन 3.7 लाख डॉलर का फायदा होगा।

एचडीएफसी ने खेला ज्यादा ब्याज देने का खेल, गवर्नेंस और ट्रांसपरेंसी पर उठे सवाल

मार्च में बैंक के चेयरमैन ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए दिया था इस्तीफा

नई दिल्ली।

देश के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी पर आरोप है कि महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमएसआरडीसी) को तय नियमों से ज्यादा ब्याज देने के लिए करीब 45 करोड़ रुपए को मार्केटिंग खर्च के रूप में बैंक ने दिखाया था। बैंक की इंटरनल चेकिंग में इस पूरी व्यवस्था को नियमों के खिलाफ बताया है। मामला सामने आने के बाद बैंक की गवर्नेंस और ट्रांसपरेंसी पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मार्च 2026 में बैंक के चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया था। माना जा रहा है कि यह फैसला इस विवाद से जुड़ा हुआ था। कई रिपोर्ट्स में ये बात भी सामने आया है कि बैंक के सीईओ शशिधर जगदीशन के साथ अधिकार और फैसलों को लेकर चल रहे मतभेदों के कारण अतनु चक्रवर्ती ने इस्तीफा दिया था। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पिछले कई महीनों से दोनों पक्षों के बीच रणनीति, गवर्नेंस और सीईओ की दोबारा नियुक्ति को लेकर तनाव था। अब जांच रिपोर्ट में बैंक के कई वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2021 में महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कारपोरेशन ने बैंक में बड़ी राशि जमा करने को लेकर बातचीत शुरू की थी। एमएसआरडीसी ने अपनी जमा राशि पर 6.01 फीसदी ब्याज की मांग की थी, जबकि उस समय बैंक सामान्य बचत खातों पर करीब 3.5 फीसदी ब्याज दे रहा था। रिपोर्ट में बताया गया कि एमएसआरडीसी ने बैंक में करीब 25,000 करोड़ रुपए जमा करने की बात कही थी। इस बड़े डिपॉजिट के लिए बैंक ने विशेष व्यवस्था बनाई। हालांकि, आरबीआई के नियमों के कारण बैंक सीधे तौर पर इतनी ऊंची ब्याज दर नहीं दे सकता था। इसके बाद ब्याज के अंतर को दूसरे तरीके से देने की योजना बनाई गई। भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के मुताबिक किसी एक ग्राहक को स्पेशल बेनिफिट देने के लिए अलग ब्याज व्यवस्था नहीं बनाई जा सकती। जांच रिपोर्ट में कहा गया कि इस मामले में बैंक की एंटी-ब्राइबरी और गवर्नेंस पॉलिसी का भी उल्लंघन हुआ है। इंटरनल विजिलेंस रिपोर्ट में बैंक के एमडी और सीईओ शशिधर जगदीशन, सीएफओ श्रीनिवासन वैद्यनाथन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि यह पूरी व्यवस्था सामान्य बैंकिंग प्रोसेस और निगरानी से बाहर थी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 141, निफ्टी 7 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव से भी निवेशकों ने बाजार से दूरी बनाये रखी। इससे भी भारतीय बाजार पर दबाव आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 141.90 अंकों की गिरावट के साथ ही 75,867.80 के स्तर पर बंद हुआ।

वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 6.55 अंक फिसलकर 23,907.15 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान बाजार में सबसे ज्यादा गिरावट वित्तीय और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में रही। निफ्टी के जिन शेयरों में गिरावट रही उनमें ओएनजीसी, एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस के शेयर रहे जबकि उर्जा और धातु क्षेत्र के शेयरों में तेजी रही। वहीं सेंसेक्स के शेयरों में पावर ग्रिड कॉरपोरेशन,और एनटीपीसी के शेयरों में तेजी रही। टाटा स्टील, इंडिगो, मारुति सुजुकी, टाइटन और एशियन पेंट्स के शेयर भी उछले हैं। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिका के ईरान पर ताजा हमलों के बाद देने में तनाव बढ़ा है जससे भी निवेशकों में घबराहट है और वह सतर्कता बरत रहे हैं। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से बाजार पर दबाव बना हुआ है।

आज निफ्टी बैंक, निफ्टी प्राइवेट बैंक और वित्तीय सर्विसेज इंडेक्स क्षेत्र में शेयर गिरे जबकि .मिडकैप और स्मॉलकैप क्षेत्र में तेज रही। छोटे और मझोले शेयरों में खरीदारी देखी ! इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला।

सुबह सेंसेक्स 136.38 अंक फिसलकर 75,873.32 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 29.95 अंक टूटकर 23,887.15 पर था।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 8 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.63 पर बंद हुआ इससे पहले आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 4 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.75 पर खुला। वहीं महीने के अंत में डॉलर की मांग बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों में कुछ गिरावट से निवेशकों को कुछ राहत मिली है। कारोबारियों के अनुसार आरबीआई की डॉलर बिक्री से रुपये को ऊपरी स्तरों पर समर्थन मिला। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव से भी बाजार में गिरावट का माहौल है जिससे भी रुपया दबाव में रहा।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी आई है। आज सुबह कमजोर शुरुआत के बाद सोने में तेजी आने लगी। वहीं चांदी के भाव बढ़त पर ही खुले। घरेलू बाजार में आज सोने की वायदा कीमतें 1,57,850 रुपये, जबकि चांदी की 2,72,400 रुपये पर बनी हुई थीं। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी इन दोनो ही कीमती धातुओं में तेजी रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज कमजोर रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना का बेंचमार्क जून अनुबंध आज 75 रुपये फिसलकर 1,57,541 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,57,616 रुपये था। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे थे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 1,975 रुपये बढ़कर 2,72,603 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,70,628 रुपये था। चांदी के भाव 3 लाख रुपये पार कर चुके हैं। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस दोनो के ही वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना आज 4,507.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 4,502.30 डॉलर प्रति औंस था। सोने का भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के सर्वोच्च स्तर पर भी पहुंचा। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 77.33 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला क्लोजिंग प्राइस 76.60 डॉलर था।

8वें वेतन आयोग से रेलवे कर्मचारियों की सैलरी में होगा इजाफा

आईआरटीएसए ने सरकार के सामने रखा 5-टियर फिटमेंट फॉर्मूला

नई दिल्ली।

8वें वेतन आयोग को लेकर देशभर के सरकारी कर्मचारियों के बीच उत्सुकता है। खासतौर पर रेलवे कर्मचारियों की निगाहें इस पर टिकी है कि नए वेतन आयोग में उनकी सैलरी में कितना इजाफा होगा। इसी बीच रेलवे तकनीकी कर्मचारियों के संगठन ने सरकार के सामने एक नया और अलग प्रस्ताव रखा है, जिससे रेलवे कर्मचारियों के वेतन में बड़ी बढ़ोतरी की संभावना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संगठन ने 8वें वेतन आयोग के सामने रेलवे तकनीकी कर्मचारियों के लिए अलग 5-टियर फिटमेंट फॉर्मूला लागू करने की मांग की है। अब तक सभी वेतन आयोगों में कर्मचारियों के लिए एक समान फिटमेंट फैक्टर लागू किया जाता रहा है। 7वें वेतन आयोग में 2.57 फिटमेंट फैक्टर के आधार पर कर्मचारियों की बेसिक सैलरी तय थी। हालांकि, संगठन का कहना है कि रेलवे तकनीकी कर्मचारियों की जिम्मेदारियां, कार्य का दबाव और जोखिम अन्य कर्मचारियों से अलग और चुनौतीपूर्ण है। इसलिए उनके लिए अलग वेतन व्यवस्था होनी चाहिए।

प्रस्ताव के मुताबिक लेवल 1 से 5 तक के कर्मचारियों के लिए 2.92 फिटमेंट फैक्टर, लेवल 6 से 8 तक के लिए 3.50, लेवल 9 से 12 तक के लिए 3.80, लेवल 13 से 16 तक के लिए 4.09 और लेवल 17 से 18 तक के कर्मचारियों के लिए 4.38 फिटमेंट फैक्टर लागू करने की सिफारिश की गई है। यदि सरकार इस प्रस्ताव को स्वीकार करती है तो रेलवे कर्मचारियों की सैलरी में

रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो सकती है। यदि किसी कर्मचारी की वर्तमान बेसिक सैलरी 45 हजार है और वह लेवल 6 से 8 के दायरे में आता है, तो 3.50 फिटमेंट फैक्टर लागू होने पर उसकी नई बेसिक सैलरी करीब 1.57 लाख रुपए हो जाएगी।

संगठन ने संशोधित सुनिश्चित करियर प्रगति योजना यानी एमएसीपी में भी बदलाव की मांग की गई है। प्रस्ताव के तहत कर्मचारियों को 30 साल की सेवा अवधि में पांच बार वित्तीय उन्नयन देने की सिफारिश की गई है। अब सभी की नजर सरकार और 8वें वेतन आयोग के फैसले पर टिकी है, क्योंकि इससे लाखों रेलवे कर्मचारियों की आय और सेवा शर्तों में बड़ा बदलाव हो सकता है।

ओएनजीसी का मार्च तिमाही में मुनाफा घटा, कमाई बढ़ी

कंपनी ने किया निवेशकों को 1 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड देने का ऐलान

नई दिल्ली।

सरकारी तेल और गैस कंपनी ओएनजीसी का मार्च तिमाही के नतीजे मिले-जुले रहे। कंपनी का मुनाफा घटा है, लेकिन कमाई बढ़ी है। वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में ओएनजीसी का शुद्ध लाभ 20.6 फीसदी गिरकर 6,650 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल इस तिमाही में कंपनी को 8,371 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। हालांकि, इस दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 35,928 करोड़ रुपए पहुंच गई, जो एक साल पहले 31,547 करोड़ रुपए थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें तो कंपनी का कुल शुद्ध लाभ 32,894 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 7.6 फीसदी कम है। पिछले साल कंपनी ने 35,610 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। ओएनजीसी को खोजी कुओं पर बड़ा नुकसान भी उठाना पड़ा। कंपनी ने मार्च तिमाही में 4,876 करोड़ रुपए का खर्च लिखकर हटाया, क्योंकि जिन जगहों पर ड्रिलिंग की गई वहां तेल या गैस का व्यावसायिक भंडार नहीं मिला। पिछले साल इसी तिमाही में यह नुकसान 4,173 करोड़ रुपए था। वहीं पूरे साल में ऐसे खर्च का आंकड़ा बढ़कर 8,235 करोड़ रुपए पहुंच गया। कंपनी ने गुजरात मेरीटाइम बोर्ड के साथ मिलकर दाहेज में 5 एमएमटीपीए क्षमता

वाला लिक्विड पोर्ट बनाने का फैसला किया है। इसके अलावा ओएनजीसी ने ओएनजीसी नाइल गंगा के लिए 325 मिलियन डॉलर की गारंटी को भी मंजूरी दी है। ओएनजीसी ने अपने निवेशकों के लिए 1 रुपए प्रति शेयर अंतिम डिविडेंड देने का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि यह 5 रुपए फेस वैल्यू वाले शेयर पर 20 फीसदी की दर से दिया जाएगा। हालांकि इसे एजीएम में शेयरधारकों की मंजूरी मिलना बाकी है।

बता दें मंगलवार को ओएनजीसी का शेयर 0.89 फीसदी की बढ़त के साथ 287.50 रुपए पर बंद हुआ था। दिन के कारोबार में शेयर ने 289.65 रुपए का ऊपरी स्तर और 284.50 रुपए का निचला स्तर छुआ।

टाटा संस की मैराथन बैठक में नोएल टाटा ने नए जमाने के कारोबार के लिए सवाल

बैठक में कंपनी को सूचीबद्ध कराने और न ही चंद्रशेखरन के कार्यकाल पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। बॉम्बे हाउस में मैराथन बोर्ड बैठक भले ही टाटा समूह की कंपनियों के राजस्व, मुनाफा, प्रति शेयर आय (ईपीएस) और अन्य तमाम आंकड़ों की प्रस्तुति वाले किसी रोड शो जैसी लगी हो लेकिन इस समीक्षा सत्र को टाटा ट्रस्ट्स के साथ जुड़ने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। नमक से लेकर सॉफ्टवेयर तक का कारोबार करने वाले इस समूह की मूल कंपनी में टाटा ट्रस्ट्स सबसे बड़ा शेयरधारक है। बता दें लोगों को इस बैठक का बेसब्री से इंतजार था, लेकिन इसमें न तो होल्डिंग कंपनी को स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध कराने पर और न ही चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल पर कोई चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक इन दोनों मुद्दों पर 12 जून को होने वाली अगली बोर्ड बैठक में चर्चा हो सकती है। एक अनोखे घटनाक्रम के तहत टाटा संस की एक विशेष बोर्ड बैठक 26 मई को बुलाई गई थी जहां घाटे में चल रही समूह की कुछ कंपनियों के वित्तीय नतीजों, अनुमानों और रणनीतिक योजनाओं पर चर्चा की गई। इसमें कई मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) अपनी पावर पॉइंट प्रस्तुतियों के साथ शामिल हुए। वास्तव में यह बैठक 24 फरवरी को हुई टाटा संस की बोर्ड बैठक में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन और नामित निदेशक नोएल टाटा द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब थी।

क्वाड देश महत्त्वपूर्ण खनिजों की मजबूत आपूर्ति श्रृंखला के लिए जुटाएंगे 20 अरब डॉलर

नई दिल्ली।

भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका ने 'क्वाड क्रिटिकल मिनरल्स इनिशिएटिव फ्रेमवर्क' पेश किया। इस ढांचे के तहत चारों देशों ने खनन, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण समेत खनिजों की आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए सरकारी और निजी क्षेत्र से 20 अरब डॉलर तक की आर्थिक मदद उपलब्ध कराने की इच्छा जताई है। नई दिल्ली में घोषित इस ढांचे का मकसद रणनीतिक संसाधनों पर बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच उन्नत प्रौद्योगिकियों एवं औद्योगिक विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाले अहम खनिजों के लिए सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखलाएं तैयार करने से जुड़ी पहल को बढ़ावा देना है।

इस पहल के तहत 'क्वाड' भागीदार 'क्वाड नेक्सस' वाली परियोजनाओं की पहचान करने की योजना की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं जिनमें सदस्य देशों में स्थित परियोजनाएं, इन देशों में मुख्यालय वाली कंपनियों द्वारा संचालित परियोजनाएं या क्वाड बाजारों को आपूर्ति करने वाली परियोजनाएं शामिल हैं।

समूह ने निर्यात ऋण एजेंसियों, विकास वित्त संस्थानों, गारंटी, ऋण, इक्विटी भागीदारी, बीमा, सब्सिडी और निजी पूंजी के जरिये रणनीतिक तौर पर अहम खनिज परियोजनाओं का समर्थन करने की भी पेशकश की। मंगलवार को 'क्वाड' देशों ने ई-कचरा और स्क्रैप सामग्री से महत्त्वपूर्ण खनिज दोबारा हासिल कर पुनर्चक्रण में सहयोग का भी प्रस्ताव रखा। इसमें पुनर्चक्रण प्रौद्योगिकियों, संग्रह नेटवर्क में निवेश और कचरा और स्क्रैप के लिए निर्यात-आयात प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना शामिल है।

इसके अलावा, भारत और अमेरिका ने 'महत्त्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ पृथ्वी धातुओं के खनन और प्रसंस्करण में आपूर्ति सुनिश्चित करने' पर एक रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने हस्ताक्षर किए।

जेके सीमेंट कंपनी बढ़ा रही क्षमता, बढ़ती लागत से निपटने बढ़ाए दाम

कंपनी की कुल ग्रे सीमेंट क्षमता बढ़कर 32.3 एमटीपीए हो गई

नई दिल्ली।

सीमेंट कंपनी जेके सीमेंट के मार्च तिमाही नतीजों के बाद बाजार में कंपनी को लेकर चर्चा बढ़ गई है। कंपनी अपनी क्षमता बढ़ाने में लगी है, वहीं दूसरी तरफ बढ़ती लागत से निपटने सीमेंट के दाम भी बढ़ा रही है। आने वाले समय में कंपनी का फोकस ज्यादा बिक्री पर है, नई यूनिट्स और लागत कंट्रोल पर रहने वाला है। कंपनी ने 2027 में डबल डिजिट वॉल्यूम ग्रोथ का लक्ष्य रखा है। साथ ही 2028 तक कुल क्षमता को करीब 40 एमटीपीए तक पहुंचाने की योजना है। बिहार में 30 लाख टन क्षमता वाला नया यूनिट भी शुरू हो चुका है, जिससे कंपनी की कुल ग्रे सीमेंट क्षमता बढ़कर 32.3 एमटीपीए हो गई है।

हालांकि, ईंधन, डीजल और पैकेजिंग लागत बढ़ने से कंपनी पर दबाव बना हुआ है। कंपनी का कहना है कि पहली तिमाही में ईंधन लागत करीब 150-200 रुपए प्रति टन तक बढ़ सकती है। डीजल की कीमत बढ़ने से ट्रांसपोर्ट खर्च भी बढ़ सकता है। इसके असर को कम करने के लिए कंपनी ने ग्रे सीमेंट, व्हाइट सीमेंट और वॉल पुट्टी के दाम बढ़ा दिए हैं। कंपनी ने ग्रे सीमेंट में करीब 10 रुपए प्रति बैग की बढ़ोतरी की है।मोतीलाल ओसवाल ने शेयर पर बाय रेटिंग रखते हुए 6,250 रुपए का टारगेट प्राइस दिया है। ब्रोकरेज का कहना है कि कंपनी का चौथी तिमाही का प्रदर्शन अनुमान के मुताबिक रहा। हालांकि ईबीआईटीडीए और मार्जिन में गिरावट देखने को मिली। कंपनी का ईबीआईटीडीए करीब 11 फीसदी घटकर 680 करोड़ रुपए रहा, जबकि प्रति टन ईबीआईटीडीए करीब 1,008 रुपए पर आया। ब्रोकरेज के मुताबिक आने वाले समय में ईंधन लागत बढ़ने का असर कंपनी के मार्जिन पर दिखेगा। फिर भी कंपनी की बिक्री बढ़ने की योजना और लगातार विस्तार को देखते हुए बाय रेटिंग बरकरार रखी है।नुवामा ने जेके सीमेंट पर 7,034 रुपए का टारगेट प्राइस रखा है। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी की ग्रे सीमेंट बिक्री में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिली। मार्च तिमाही में बिक्री 14 फीसदी बढ़ी, जबकि पूरे साल में यह ग्रोथ 17 फीसदी रही।

बाजार में बढ़ा नकली और कम शुद्धता वाली चांदी का कारोबार, नहीं पहचान पा रहे ग्राहक

चांदी पर भी हॉलमार्किंग अनिवार्य, कई ज्वेलर्स नहीं कर रहे इसका पालन

नई दिल्ली।

देश में चांदी की लगातार बढ़ती कीमतों और निवेशकों की मजबूत मांग के बीच नकली और कम शुद्धता वाली चांदी का कारोबार तेजी से बढ़ा है। बाजार में बिक रही कई सिल्वर बार, सिक्के, आभूषण और पूजा सामग्री तय गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतर रही है। इससे ग्राहकों को आर्थिक नुकसान का खतरा है, वहीं चांदी बाजार की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक हाल के महीनों में निवेशकों का रुझान सोने के साथ-साथ चांदी की ओर भी बढ़ा है। सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में लोग बड़ी मात्रा में सिल्वर बार, सिक्के और चांदी के बर्तन खरीद रहे हैं।

इसी बढ़ती मांग का फायदा उठाकर कुछ कारोबारी और अवैध निर्माता बाजार में कम गुणवत्ता वाली चांदी बेच रहे हैं। उद्योग से जुड़े जानकारों का कहना है कि बाजार में बड़ी मात्रा में ऐसी चांदी मौजूद है, जो 999 शुद्धता के मानक को पूरा नहीं करती है। विशेष चिंता की बात यह है कि कई उत्पादों में निकेल, कैडमियम और लेड जैसे हानिकारक तत्व भी पाए जा रहे हैं। ये धातुएं स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक स्क्रैप सिल्वर से बने आभूषणों और अन्य वस्तुओं में इस तरह की मिलावट ज्यादा देखने को मिल रही है। इससे ग्राहकों की सुरक्षा और निवेश दोनों प्रभावित हो रहे हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने सितंबर 2025 से चांदी की हॉलमार्किंग को अनिवार्य किया है, लेकिन उद्योग जगत का कहना है कि अभी भी बड़ी संख्या में ज्वेलर्स इसका पालन नहीं कर रहे हैं। ऐसे में ग्राहकों के लिए असली और नकली चांदी की पहचान करना कठिन है। विशेषज्ञों का मानना है कि जिस तरह सोने के लिए सख्त हॉलमार्किंग और लाइसेंसिंग व्यवस्था लागू है, उसी प्रकार चांदी के क्षेत्र में भी मजबूत निगरानी तंत्र जरूरी है। जानकारी के मुताबिक भारत में हर साल करीब 7,000 टन चांदी की खपत होती है, जबकि इसके लिए केवल 286 असेइंग और हॉलमार्किंग सेंटर उपलब्ध हैं। इसके विपरीत सोने की खपत कम होने के बावजूद उसके लिए 1,500 से ज्यादा सेंटर मौजूद हैं। यही असंतुलन चांदी बाजार की सबसे बड़ी चुनौती बन रहा है। जयपुर, आगरा, राजकोट, कोल्हापुर, सलेम और कटक जैसे शहर चांदी के आभूषण और धार्मिक वस्तुओं के बड़े उत्पादन केंद्र हैं।

ब्रिटानिया 'गुड डे' अब होगा महंगा! कंपनी फैमिली पैक्स के बढ़ा रही दाम

5 और 10 रुपए वाले पैक्स की एमआरपी में बदलाव नहीं, कम होगा वजन

नई दिल्ली।

अगर आप भी सुबह या शाम की चाय के साथ ब्रिटानिया का 'गुड डे' बिस्किट खाते हैं तो अब इस शौक के लिए आपको ज्यादा पैसे चुकाना होगा। देश की दिग्गज एफएमसीजी कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज 'गुड डे' बिस्किट के फैमिली पैक्स के दाम बढ़ा रही है। डिस्ट्रीब्यूटर सूत्रों के मुताबिक कंपनी इसके प्रमुख वैरिएंट्स की कीमतों में 10 रुपए तक की बढ़ोतरी करने जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटानिया 5 और 10 रुपए वाले पैक्स की एमआरपी में कोई बदलाव तो नहीं होगा लेकिन इसका वजन कंपनी कम कर सकती है यानी आपको पैसे तो उतने ही देने होंगे, लेकिन पैकेट में बिस्किट कम मिलेंगे। कंपनी ने अपनी अर्निंग्स कॉल में भी साफ कहा है कि 10 रुपए से महंगे पैक्स पर दाम बढ़ाए जाएंगे और छोटे पैक्स में वजन कम किया जाएगा। कंपनी कच्चे माल की कीमतों और पैकेजिंग मैटेरियल की बढ़ती कॉस्ट से परेशान है। इसी वजह से कंपनी ने कीमतों में बढ़ोतरी का फैसला लिया है। बता दें ब्रिटानिया की कुल कमाई में बिस्किट कारोबार की हिस्सेदारी 70-75 फीसदी है, और अकेले 'गुड डे' ब्रांड से कंपनी को करीब 3,500 करोड़ रुपए का रेवेन्यू मिलता है। कीमतें बढ़ाने का यह फैसला कंपनी के चौथी तिमाही के मिले-जुले नतीजों के बाद आया है। मार्च तिमाही में ब्रिटानिया का कुल रेवेन्यू 6.5फीसदी बढ़कर 4,719 करोड़ रुपए रहा। वहीं, कंपनी का शुद्ध लाभ भी उम्मीद से ज्यादा अच्छा प्रदर्शन करते हुए 21.1फीसदी की बढ़त के साथ 678 करोड़ पर पहुंच गया। हालांकि, विज्ञापनों और अन्य खर्चों में 17.5फीसदी की भारी बढ़ोतरी होने के कारण कंपनी के ऑपरेटिंग मार्जिन पर दबाव देखा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2026 के शुरुआती महीनों में कंपनी का बिजनेस करीब 9फीसदी की रफ्तार से बढ़ रहा था, लेकिन मार्च आते-आते इस पर ब्रेक लग गया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और संघर्ष की वजह से ग्लोबल सप्लाई चेन प्रभावित हुई। इसके कारण समुद्री मालभाड़ा और ईंधन की कीमतों में भारी उछाल आया, जिसने कंपनी की लागत को बढ़ा दिया। यही वजह है कि ब्रोकरेज फर्म एक्विरस सिक्योरिटीज ने ब्रिटानिया के शेयर पर अपनी 'बाय' रेटिंग तो बरकरार रखी है, लेकिन टारगेट प्राइस 7,170 रुपए से घटाकर 6,360 रुपए कर दिया है।

पर्यावरण चिंतन- बढ़ती गर्मी नहीं, ये है भविष्य की भयावह चेतावनी

योगेश कुमार गोयल

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे।

आग उगलता आसमान और हीट वेव की गिरफ्त में भारत...

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं है बल्कि यह एक गहराता सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। हीट वेव अब केवल मौसमी असुविधा नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है। यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते 'डिस्कंफर्ट इंडेक्स' के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्रायः दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता हं। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की संभावना होती है, जो हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आईएमडी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है।

प्रश्न यह है कि भारत में हीट वेव को लेकर ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? पिछले 30 वर्षों के तापमान तथा गर्म हवाओं का आकलन करते हुए आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया था कि घटती हरियाली, शहरीकरण तथा कंक्रीट से निर्माण के कारण ही अब प्रतिवर्ष हीट वेव में वृद्धि हो रही है। प्रायः देखा जाता है कि एक ही शहर में कुछ जगहों पर उच्च तापमान दर्ज किया जाता है तो कुछ जगहों पर तापमान कम रहता है। कुछ स्थानीय कारण इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। दरअसल अधिक हरे-भरे इलाकों में तापमान कम दर्ज किया जाता है जबकि चारों ओर बसी कालोनियों तथा ऊंची-ऊंची इमारतों वाले इलाकों में तापमान ज्यादा दर्ज होता है। तकनीकी भाषा में इसे 'अर्बन हीट आईलैंड इफैक्ट' कहा जाता है। पेड़-पौधों की कमी, अधिक शहरीकरण तथा कंक्रीट से अधिक निर्माण इत्यादि विविध कारणों से शहर ज्यादा तप रहे हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह शहरों में निरन्तर बढ़ता जनसंख्या घनत्व भी है। जनसंख्या का घनत्व बढ़ते जाने से हरियाली नष्ट हो रही है और शहरों में हरे-भरे प्राकृतिक क्षेत्रों को भी सीमेंट तथा कंक्रीट के तपते जंगलों में तब्दील किया जा रहा है। दुनियाभर में विभिन्न शोधों के आधार पर वैज्ञानिक जलवायु संकट को ही लू के लिए जिम्मेदार मान रहे है, जिनका कहना है कि शहरीकरण तथा जनसंख्या घनत्व इसमें बड़ा योगदान देते हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक लू से अर्थव्यवस्था को चौतरफा नुकसान होता है। डब्ल्यूएमओ का कहना है कि बढ़ते तापमान का अर्थ हीट वेव का बढ़ना, बहुत ज्यादा मात्रा में बर्फ का पिघलना, समुद्र जलस्तर का बढ़ना तथा मौसम की चरम घटनाओं का और ज्यादा विनाशकारी होना है, जिसका सीधा प्रभाव पर्यावरण, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास पर पड़ेगा। इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में लगभग सभी साल पिछले तथा इस दशक से ही रहे हैं। ब्रिटिश मौसम कार्यालय के एक अध्ययन में शोधकताओं ने कहा है कि यदि जलवायु पविर्तन नहीं हो रहा होता तो ऐसा चरम तापमान प्रत्येक 312 वर्षों में एक बार ही देखने को मिलता। अध्ययन में शोधकताओं ने भारत और पाकिस्तान में हर तीन साल बाद प्रचण्ड लू की आशंका जताते हुए दावा किया कि जलवायु परिवर्तन गर्मी की तीव्रता को जिस तेजी से बढ़ा रहा है, उससे इन क्षेत्रों के लोगों को आने वाले वर्षों में सौ गुना ज्यादा लू के थपेड़े झेलने पड़ सकते हैं।

बहरहाल, अत्यधिक तापमान से जहां सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तर की स्वास्थ्य प्रणालियों की चिंता बढ़ जाती है, वहीं हीट वेव का श्रमिकों की उत्पादकता पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे देश की समग्र अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत अत्यधिक गर्मी के कारण करीब 101 अरब घंटे खो देता है, जो पूरी दुनिया में सर्वाधिक है और 3.5 करोड़ लोगों द्वारा एक वर्ष में 8 घंटे कार्य करने वाले लोगों द्वारा किए गए कार्य के बराबर है। आईएलओ की रिपोर्ट में भीषण गर्मी तथा लू के कारण 2030 तक दुनियाभर में अर्थव्यवस्था को 4.2 ट्रिलियन डॉलर की क्षति का अनुमान लगाया गया है। भारत के संदर्भ में इम्पीरियल कॉलेज में जलवायु विज्ञान के सीनियर लेक्चरर डॉ. फ्रेडरिक औटो कहते हैं कि भारत में मौजूदा गर्म हवाओं का एक बड़ा कारण कोयला तथा अन्य जीवाश्म ईंधन का जलाया जाना है और जब तक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बंद नहीं होगा, तब तक भारत तथा अन्य स्थानों पर हीट वेव और भी गर्म व खतरनाक होती जाएगी। इन घातक स्थितियों से बचने के लिए जलवायु संकट से निपटने के अन्य उपायों के अलावा प्राकृतिक जंगलों के संरक्षण तथा आवासीय इलाकों में भी हरियाली बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण अभियान को भी बढ़ावा देना होगा।

संपादकीय

न्यायसंगत आरक्षण

हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई द्वारा अनुसूचित जाति आरक्षण के लिए क्रीमी लेयर सिद्धांत का समर्थन करने से एक महत्वपूर्ण तार्किक चर्चा फिर से प्रारंभ हो गई है। जिसका मकसद है कि कैसे सकारात्मक पहल करके आरक्षण के उद्देश्य को अधिक न्यायसंगत, लक्षित और प्रभावी बनाया जा सकता है। वास्तव में उनकी पहल का मकसद संवैधानिक सुरक्षा को कमजोर करने का नहीं है। बल्कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें वास्तव में इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। यानी कि अनुसूचित जाति समुदाय के सबसे गरीब, सामाजिक रूप से सबसे अधिक वंचित और आरक्षण के लाभ में सबसे कम प्रतिनिधित्व करने वाले वर्ग को लाभ पहुंचाने का मकसद पूरा करना। बहुत संभव है कि मुख्य न्यायाधीश के इस विचार से असहमति के तर्क दिये जाएं। वास्तव में, देश में दशकों से आरक्षण की बहस कोटा बढ़ाने पर केंद्रित रही है, लेकिन उनके न्यायसंगत वितरण की दिशा में पर्याप्त पहल नहीं हो पायी है। निर्विवाद रूप से अनुसूचित जाति समुदाय के एक छोटे, अपेक्षाकृत बेहतर आर्थिक-सामाजिक स्थिति वाले वर्ग ने ही बार-बार शिक्षा और सरकारी रोजगार के अवसरों का लाभ उठाया है। वहीं दूसरी ओर पीढ़ी दर पीढ़ी अभावों के भंवर-जाल में फंसे परिवार- मसलन श्रमिक, सफाई कर्मचारी, भूमिहीन मजदूर परिवार लगातार हाशिये पर ही बने हुए हैं। यदि आरक्षण का मूल उद्देश्य संरचनात्मक असंतुलन को ही ठीक करना है तो इसके लाभ सीमित दायरे के लोगों को ही नहीं मिलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ओबीसी वर्ग के लिये यह प्रावधान सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। इसमें दो राय नहीं कि क्रीमी लेयर का सिद्धांत आरक्षण लाभ में इस तरह के एकाधिकार को रोकने का एक सशक्त साधन है। इस प्रावधान का वंचित अनुसूचित जातियों तक विस्तार करना एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करता है कि सामाजिक गतिशीलता, हालांकि सीमित स्तर पर कुछ ही लोगों के लिये संभव हुई है। साथ ही अवसरों के अधिक न्यायसंगत वितरण को सुनिश्चित करने के लिये नीति को अनुकूलित किया जाना वक्त की जरूरत है। वास्तव में वर्तमान स्थिति आरक्षण के न्यायसंगत लाभ वंचित वर्ग तक पहुंचाने में तार्किक नजर नहीं आती। जब किसी आईएएस अधिकारी या वरिष्ठ अधिकारी का बच्चा सामाजिक रूप से हाशिये पर गए वर्ग के किसी व्यक्ति के मुकाबले समान लाभों का दावा करना जारी रखता है तो इससे लक्षित उद्देश्य कमजोर हो जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्रीमी लेयर को बाहर करने पर उनके जातिगत भेदभाव होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन यह केवल यही दशार्ता है कि किसी भी ऐतिहासिक रूप से उत्पीड़ित समूह के भीतर, वंचितता की स्थिति अलग-अलग होती है। ऐसी अवस्था में, सबसे निचले स्तर के लोग राज्य के संरक्षण पाने के लिये प्राथमिकता के हकदार हैं।

चिंतन-मनन

मूर्तिकार का सपना

एक मूर्तिकार ने एक रात विचित्र स्वप्न देखा। वह किसी छायादार पेड़ के नीचे बैठा था। अचानक उसे सामने एक पत्थर का टुकड़ा पड़ा दिखाई दिया। उसने उसे उठा लिया फिर उसे सामने रखा और औजारों के थैले से छेनी-हथौड़ी निकालकर उसे तराशने के लिए जैसे ही पहली चोट की, पत्थर जोर से चिल्ला पड़ा- मुझे मत मारो। दूसरी बार वह रोने लगा। मूर्तिकार ने उसे छोड़ दिया। फिर उसने अपनी पसंद का एक अन्य टुकड़ा उठाया और उसे तराशने लगा। वह टुकड़ा चुपचाप वार सहता गया और देखते ही देखते उसमें से एक एक देवी की मूर्ती उभर आई। मूर्ति वहीं पेड़ के नीचे रख वह आगे चला गया। फिर कुछ समय बाद वह उसी पुराने रास्ते से गुजरा। उस स्थान पर पहुंचकर उसने देखा कि उस मूर्ति की पूजा-अर्चना हो रही है, जो उसने बनाई थी। भीड़ लगी है, भजन आरती हो रही है, भक्तों की पंक्तियां लगी हैं। जब उसके दर्शन का समय आया, तो पास आकर उसने देखा कि उसकी बनाई मूर्ति के सामने न जाने क्या-क्या रखा है। जो पत्थर का पहला टुकड़ा उसने, उसके रोने चिल्लाने पर फेंक दिया था वह भी एक ओर पड़ा है और लोग उसके सिर पर नारियल फोड़ -फोड़ कर देवी की मूर्ति पर चढ़ा रहे है। तभी मूर्तिकार की नींद टूट गई। वह सपने के बारे में सोचने लगा। उसने निष्कर्ष निकाला कि जो लोग थोड़ा कष्ट झेल लेते हैं, उनका जीवन बन जाता है। विश्व उनका सत्कार करता है। पर जो डर जाते हैं और बचकर भागना चाहते हैं वे बाद में जीवन भर कष्ट झेलते हैं, उनका सत्कार कोई नहीं करता।

शातिर सत्ताधीशों की सियासत का शिकार गोवंश

निर्मल रानी

भाजपा शासित राजस्थान में जैसलमेर में घटी एक अत्यंत संवेदनशील घटना ने देश के गौ भक्त समाज को झकझोर कर रख दिया। यहां के डंपिंग यार्ड में 500 से अधिक गायों के सड़े-गले शव और हड्डियां खुले में बिखरे हुए मिले पाये गये। इस जगह का दृश्य इतना भयावह व भीषण दुर्गंध पूर्ण था कि स्थानीय लोग और गौ-प्रेमी स्वभाविक रूप से इसे देखकर क्रोधित व विचलित हो गए। बताया जाता है कि इनमें से कई गायों की मौत जहरीला कचरा या पॉलीथिन खाने से हुई। जबकि इनमें बड़ी संख्या में ऐसी गायों के शव भी थे जिन्हें मृत पशुओं का निस्तारण करने वाले ठेकेदार ने इसी डंपिंग यार्ड में लाकर फेंक दिया था। भाजपा शासित राजस्थान में घटी इस दर्दनाक व शर्मनाक घटना ने सरकार व निजी गौ रक्ष संगठनों के गौ-रक्षा के दावों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं दोनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्योंकि यह केवल किसी की लापरवाही मात्र का नहीं बल्कि मानवता और हिन्दू आस्था दोनों के ही अपमान से जुड़ा मामला है।

गौरतलब है कि पिछले एक दशक से देश में मुस्लिम समाज के सैकड़ों लोगों को गौरक्षा के नाम पर मारा जा चुका है। मुहम्मद अखलाक और पहलू खान जैसे अनेक लोगों की हत्या की खबरें देश विदेश के मीडिया में प्रसारित होकर देश की बदनामी का कारण भी बन चुकी है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2016-17 में इन्हीं कथित गौरक्षकों के संदर्भ में यह कह भी चुके हैं कि गोरक्षा के नाम पर गुंडागर्दी करने वाले 70-80 प्रतिशत लोग फर्जी हैं, जो रात में गैर-कानूनी काम करते हैं और दिन में गोरक्षक का चोला पहन लेते हैं। मोदी ने कहा था कि उन्हें उन लोगों पर बहुत गुस्सा आता है जो गोरक्षा के नाम पर अपनी दुकानें खोलकर बैठ गए हैं। उन्होंने राज्य सरकारों से ऐसे लोगों की पृष्ठभूमि की जांच करने और उनका डोजियर तैयार करने को भी कहा था। उस समय मोदी ने गोरक्षा के नाम पर हो रही हत्याओं की कड़ी निंदा भी की थी। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि गौ भक्ति के नाम पर लोगों की हत्या स्वीकार्य नहीं है।किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का हक नहीं है। उन्होंने असली गोरक्षकों को सलाह दी थी कि उन्हें गायों को प्लास्टिक खाने से बचाने के लिए काम करना चाहिए, क्योंकि कटने से ज्यादा गायें प्लास्टिक और कचरा खाने से मरती हैं।

गाय को लेकर बने देश के इसी तनावपूर्ण वातावरण में देश के मुस्लिम समाज ने उच्च स्तर पर कहीं फतवों से तो कहीं दिशा निर्देश जारी कर भारत के मुसलमानों को यह हिदायत जारी की है कि वे गाय की हत्या व गोमांस भक्षण यदि कहीं किया जा रहा है तो उससे पूरी तरह बाज आयें। यहाँ तक कि देश में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर अनेक प्रमुख मुस्लिम उलेमाओं और संगठनों ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की वकालत की है। इनके अनुसार ऐसा करने से देश में नफरत और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं पर रोक लगेगी, और बहुसंख्यक समाज की आस्था का सम्मान होगा। कई इस्लामी विद्वानों और मौलानाओं का तो स्पष्ट मत है कि इस्लाम में गौ मांस खाने को सख़्ती से मना किया गया है। पैगंबर मोहम्मद साहब के कथनों का हवाला देते हुए मौलानाओं द्वारा यह बताया गया है कि गाय के मांस में बीमारी है और उसके दूध में शिफा अर्थात राहत है। अनेक मुस्लिम संगठनों ने भी गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठाई है, ताकि गाय को लेकर होने वाली सांप्रदायिक राजनीति पर पूर्ण विराम लग सके।

परन्तु हिंदूवादी संगठनों द्वारा गौ हत्या को लेकर केवल मुसलमानों पर निशाना साधने वालों को इसी सिक्के के दूसरे पहलू को समझना भी जरूरी है। इस सन्दर्भ में पिछले दिनों हुए असम चुनावों के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का वह बयान काबिल -ए -गौर है जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार लोगों के घर के अंदर गोमांस खाने अर्थात निजी खान-पान पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाती। उन्हें इसे खाने से कोई मनाही नहीं है, लेकिन इसे सार्वजनिक तौर पर खाने के बजाय अपने घरों के अंदर खाना चाहिए। लेकिन सार्वजनिक रूप से या धार्मिक स्थलों के आसपास इसका सेवन कानूनन और सामाजिक भावनाओं के खिलाफ है। सवाल यह है कि जब गोवध होगा तभी तो गोमांस घरों में भी खाया जा सकेगा ? दूसरे यह कि केवल मुसलमान ही नहीं बल्कि अन्य धर्मों व जातियों के लोगों द्वारा भी बड़ी संख्या में गौमांस भक्षण किया जाता है तभी वोट बैंक के मद्देनजर यह बयान मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया।

क्या एआई मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी?

ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं रह गई है, बल्कि वह मानव सभ्यता के भविष्य का निर्णायक मोड़ बनती जा रही है। जिस गति से यह तकनीक विकसित हुई है, उसने दुनिया को आश्चर्यचकित भी किया है और चिंतित भी। अभी तक विज्ञान और तकनीक मनुष्य के हाथों में उपकरण थे, किंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहली ऐसी शक्ति है जो निर्णय लेने, सीखने, विश्लेषण करने और सृजन करने की क्षमता के साथ स्वयं को निरंतर विकसित कर रही है। यही कारण है कि विश्व के प्रमुख धर्मगुरु, वैज्ञानिक और नीति-निमार्ता इसके खतरों को लेकर गंभीर चेतावनियां दे रहे हैं। हाल ही में वर्तमान पोप लियो चौदहवें द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में व्यक्त की गई चिंताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युद्ध को नैतिक नहीं बनाया जा सकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणाली मानवता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टि नहीं, बल्कि मानवीय अस्तित्व की रक्षा का प्रश्न है। दुनिया को इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है।

पोप ने सामाजिक और वैश्विक मुद्दों पर जारी अपने आधिकारिक संदेश में एआई को मानवता के समक्ष उभरती सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी परिवर्तन का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह युद्ध, राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाली शक्ति बनती जा रही है। उन्होंने दुनिया को चेताया कि तकनीक का उद्देश्य मनुष्य पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, बल्कि उसकी सेवा करना होना चाहिए। उनका संदेश मानव-केंद्रित विकास की अवधारणा को बल देता है, जिसमें विज्ञान और तकनीक को नैतिकता, मानवीय गरिमा और करुणा के अधीन रखा जाए। पोप की यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टिकोण नहीं है, बल्कि एक वैश्विक मानवीय आह्वान है कि एआई की अंधी दौड़ में मानवता, संवेदना और नैतिकता का क्षरण न होने दिया जाए। आज जब महाशक्तियां एआई के माध्यम से प्रभाव और नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा में लगी हैं, तब पोप का यह संदेश विश्व समुदाय को संयम, उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है।

पोप ने स्पष्ट कहा कि कोई भी एल्गोरिद्म युद्ध को नैतिक नहीं बना सकता और तकनीक को मानव विवेक का विकल्प नहीं बनने दिया जा सकता। पोप ने चर्च के सामाजिक सरोकारों से जुड़े अपने इस आधिकारिक पत्र में पहली बार एआई को प्रमुख विषय बनाया, जो इस बात का संकेत है कि इसका प्रभाव केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मानव जीवन, समाज और वैश्विक व्यवस्था को व्यापक रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से एआई आधारित स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इस तकनीक को पूर्णतः मानवीय नियंत्रण में नहीं रखा गया तो यह युद्ध, शोषण और दासता के नए रूपों को जन्म दे सकती है। पोप ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को 'निरस्त्र' करने का आह्वान करते हुए उसका आशय तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि उसके अनियंत्रित और अमानवीय उपयोग पर रोक लगाना बताया। उनका कहना था कि युद्ध और शांति से जुड़े निर्णय अंततः नैतिकता, करुणा और विवेक पर आधारित होने चाहिए, उन्हें मशीनों के हवाले नहीं किया जा सकता। आज जब अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हैं और युद्ध तकनीकों में इसका उपयोग बढ़ रहा है, तब पोप का यह संदेश मानवता के लिए एक नैतिक दिशा-सूचक के रूप में सामने आया है कि तकनीक मनुष्य की सेवक बने, स्वामी नहीं; और विकास का केंद्र मानव गरिमा, संवेदना तथा विश्वशांति ही रहे।

निश्चित रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, बैंकिंग, व्यापार, प्रशासन और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। रोगों के निदान से लेकर वित्तीय प्रबंधन तक और शिक्षा से लेकर अनुसंधान तक, इसकी उपयोगिता निर्विवाद है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ संकट भी लाती है। आज वही संकट स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सबसे बड़ा संकट रोजगार का है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने लाखों लोगों के कार्यों को प्रतिस्थापित करना शुरू कर दिया है। ग्राहक सेवा, लेखन, अनुवाद, लेखांकन, सूचना प्रबंधन, प्रोग्रामिंग और कार्यालयी कार्यों में मनुष्य की आवश्यकता तेजी से घट रही है। मशीनें कम लागत, अधिक गति और निरंतर कार्य क्षमता के कारण मनुष्य का स्थान ले रही हैं। इससे केवल बेरोजगारी नहीं बढ़ेगी, बल्कि सामाजिक असंतुलन और आर्थिक विषमता भी गहराएगी। जिन देशों और कंपनियों के पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नियंत्रण होगा, आर्थिक शक्ति भी उन्हीं के हाथों में केंद्रित हो जाएगी। इससे विश्व व्यवस्था में असमानता का नया स्वरूप उभरेगा।

इससे भी अधिक गंभीर प्रश्न वैश्विक सुरक्षा का है। आज अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हुई हैं। यह प्रतिस्पर्धा केवल तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक प्रभुत्व का नया संघर्ष बन चुकी है। जैसे कभी परमाणु हथियारों और घातक अस्त्र-शस्त्रों के माध्यम से शक्ति संतुलन स्थापित हुआ था, वैसे ही अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य की सामरिक शक्ति बन रही है। स्वायत्त हथियार प्रणाली, बुद्धिमान ड्रोन और बिना मानवीय हस्तक्षेप के निर्णय लेने वाली युद्ध तकनीकें मानवता के लिए भयावह संकेत हैं। यदि युद्ध का निर्णय मशीनों के हाथों में चला गया तो संवेदना, विवेक और नैतिकता समाप्त हो जाएगी। मशीनों के लिए मानव जीवन केवल आंकड़े होंगे। ऐसी स्थिति महाविनाश की संभावना को जन्म दे सकती है। पोप की यह चेतावनी इसी संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है कि युद्ध का अंतिम निर्णय मानव विवेक के अधीन रहना चाहिए। साइबर सुरक्षा भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण नई चुनौतियों से घिर गई है। बैंकिंग व्यवस्था, विद्युत तंत्र, रक्षा नेटवर्क और संचार प्रणाली आज डिजिटल माध्यमों पर निर्भर हैं। एआई आधारित साइबर हमले किसी भी राष्ट्र को कुछ घंटों में अस्थिर कर सकते हैं। झूठे संदेश, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम चित्र और आवाजों के माध्यम से सामाजिक तनाव उत्पन्न किए जा सकते हैं। सत्य और असत्य का अंतर मिटने लगा है। यह सूचना तंत्र और लोकतंत्र दोनों के लिए गंभीर संकट है। एआई का एक और चिंताजनक पक्ष है-मानवीय नियंत्रण का कमजोर पड़ना। वैज्ञानिक समुदाय का एक वर्ग मानता है कि भविष्य में ऐसी बुद्धिमत्ता विकसित हो सकती है जो मनुष्य की क्षमता से कई गुना आगे निकल जाए। यदि ऐसा हुआ तो नियंत्रण का प्रश्न सबसे बड़ा संकट बनेगा। यह केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व का प्रश्न होगा।

भारत के लिए यह विषय और अधिक महत्वपूर्ण है। भारत युवा शक्ति, विशाल जनसंख्या और तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था वाला देश है। यदि एआई को बिना स्पष्ट नीति और नियंत्रण के बढ़ने दिया गया तो रोजगार, शिक्षा और सामाजिक संरचना पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। भारत को विकास और नियंत्रण दोनों के बीच संतुलन बनाना होगा। एआई को रोकना समाधान नहीं है, लेकिन इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के अधीन रखना अनिवार्य है। भारत को ऐसी राष्ट्रीय नीति बनानी होगी जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग मानव कल्याण, शिक्षा, चिकित्सा और आर्थिक विकास के लिए हो, लेकिन रोजगार संरक्षण, डेटा सुरक्षा, नैतिक मानदंड और युद्ध नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। साथ ही वैश्विक स्तर पर भी एआई के उपयोग हेतु साझा नियम और अंतरराष्ट्रीय संधियां आवश्यक हैं।

आज सबसे बड़ा प्रश्न तकनीक का नहीं, मानवता का है। क्या मनुष्य अपनी बनाई हुई शक्ति पर नियंत्रण बनाए रख सकेगा? क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को समृद्ध बनाएगी या उसे नियंत्रित करेगी? क्या विकास संवेदनाओं से बड़ा हो जाएगा? क्या एआई रूपी विस्फोट मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी? यही वे प्रश्न हैं जिन पर दुनिया को गंभीर चिंतन करना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दिशा यदि मानवता केंद्रित रही तो यह सभ्यता को नई ऊंचाइयां दे सकती है, लेकिन यदि यह शक्ति नियंत्रण और नैतिकता से मुक्त हो गई तो यह मानव इतिहास के सबसे बड़े संकट एवं महाविनाश का कारण भी बन सकती है। इसलिए आज आवश्यकता तकनीकी प्रगति की नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण प्रगति की है-जहां मशीनें विकसित हों, किंतु मानवता सर्वोच्च बनी रहे।

संक्षिप्त समाचार

रूबियो ने रूस के विदेश मंत्री से की बात

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच सोमवार को फोन पर बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध, द्विपक्षीय संबंधों और ईरान की स्थिति पर चर्चा की। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि बातचीत का अनुरोध रूस की ओर से किया गया था। रूसी विदेश मंत्रालय के अनुसार लावरोव ने कीव में यूक्रेनी सेना से जुड़े ठिकानों पर हमले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये कार्रवाई रूस के अंदर नागरिक इलाकों पर हो रहे कथित हमलों के जवाब में की गई। लावरोव ने अमेरिका समेत अन्य देशों से कीव में मौजूद अपने राजनयिकों और नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने को भी कहा।

कैलिफोर्निया के रासायनिक टैंक में विस्फोट का खतरा टला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित गार्डन ग्रोव में एयरोस्पेस प्लांट के क्षतिग्रस्त रासायनिक टैंक में अब विस्फोट का खतरा काफी हद तक खत्म हो गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि टैंक में आई दरार से दबाव कम हुआ और तापमान घट गया। टैंक में मेथाइल मेथाक्रिलेट नामक खतरनाक रसायन भरा था, जिसके गर्म होने से विस्फोट की आशंका पैदा हो गई थी। एहतियात के तौर पर 50 हजार से अधिक लोगों को इलाके से निकाला गया था। हालांकि अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं, लेकिन सुरक्षा कारणों से निकासी आदेश अभी भी जारी है।

अमेजन संरक्षण के लिए ब्राजील का बड़ा निवेश

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील सरकार ने अमेजन वर्षावन क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए 3.1 अरब रियाल यानी करीब 617.5 मिलियन डॉलर निवेश करने की घोषणा की है। यह राशि इको इन्वेस्ट कार्यक्रम के तहत दी जाएगी, जिसका उद्देश्य जैव अर्थव्यवस्था, सतत पर्यटन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। सरकार के अनुसार निजी और विदेशी निवेशकों की मदद से परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा। राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की सरकार का कहना है कि यह पहल 2050 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने और अमेजन में वनों की कटाई रोकने में मदद करेगी।

कैलिफोर्निया के रासायनिक टैंक में विस्फोट का खतरा टला

कैलिफोर्निया , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित गार्डन ग्रोव में एयरोस्पेस प्लांट के क्षतिग्रस्त रासायनिक टैंक में अब विस्फोट का खतरा काफी हद तक खत्म हो गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि टैंक में आई दरार से दबाव कम हुआ और तापमान घट गया। टैंक में मेथाइल मेथाक्रिलेट नामक खतरनाक रसायन भरा था, जिसके गर्म होने से विस्फोट की आशंका पैदा हो गई थी। एहतियात के तौर पर 50 हजार से अधिक लोगों को इलाके से निकाला गया था। हालांकि अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं, लेकिन सुरक्षा कारणों से निकासी आदेश अभी भी जारी है।

पाकिस्तान के आयोग ने बढ़ती असुरक्षा पर दी गंभीर चेतावनी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने बलूचिस्तान में लगातार हमलों, अपहरणों व हिंसक घटनाओं से बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर चिंता जताई। उसने सोमवार को गंभीर चेतावनी दी कि यदि देश में बढ़ रहे हमले शीघ्र नियंत्रित नहीं हुए तो पूरे देश में हालात बिगड़ेंगे। एचआरसीपी ने जोर देकर कहा कि संघर्ष के हालात में भी नागरिकों को कभी भी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उसने कहा, नागरिकों और गैर-लड़ाकों को सौदेबाजी के उपकरण के रूप में इस्तेमाल करना अस्वीकार्य है।

जापान में कॉनबिनी साम्राज्य के संस्थापक सुजुकी का निधन

टोक्यो, एजेंसी। सेवन-इलेवन सुविधा स्टोर श्रृंखला के वैश्विक खुदरा साम्राज्य की स्थापना का श्रेय पाने वाले जापानी व्यवसायी तोशिफुमी सुजुकी का 93 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। सुजुकी ने जापान में 7-इलेवन के उन सर्वव्यापी कॉनबिनी आउटलेट्स का संचालन करने वाली इकाई की स्थापना की, जहां व्यस्त लोग सैंडविच, राइस बॉल, पेय पदार्थ, चिप्स और अन्य भोजन खरीद सकते हैं, एटीएम का उपयोग कर सकते हैं और बिजली के बिलों का भुगतान कर सकते हैं।

अमेरिकी सेना का दक्षिणी ईरान पर बड़ा हमला, होर्मुज में माइंस बिछा रही नावों को किया तबाह

तेहरान, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक बहुत बड़ा और खतरनाक सैन्य टकराव देखने को मिला है। अमेरिकी सेना ने दक्षिणी ईरान के कई अहम सैन्य ठिकानों पर अचानक बहुत भारी हवाई हमले किए हैं। इन बड़े हमलों से पूरे इलाके में एक बार फिर से भयंकर युद्ध भड़कने की गहरी आशंका पैदा हो गई है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने अपनी इस बहुत बड़ी और अहम सैन्य कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि कर दी है।

इस कड़ी कार्रवाई का मुख्य कारण होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी सेना द्वारा पैदा किया जा रहा भारी खतरा था। अमेरिकी सैनिकों और वहां मौजूद युद्धपोतों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह बहुत कड़ा कदम उठाया गया है। अमेरिका का साफ कहना है कि वह सीजफायर के बीच संयम बरत रहा है लेकिन आत्मरक्षा सर्वोपरि है। इस अचानक हुए बड़े हमले ने पूरी दुनिया को एक बहुत बड़े संकट और गहरी चिंता में डाल दिया है।

माइंस बिछा रही नावें तबाह : अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार होर्मुज में दो ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नावों को माइंस बिछाते देखा गया था। इस भारी खतरे को देखते हुए अमेरिकी नौसेना और वायुसेना ने तुरंत एक संयुक्त और कड़ा जवाबी हमला किया। इस अचूक और तेज कार्रवाई में दोनों ईरानी नावों को मौके पर ही पूरी तरह तबाह कर दिया गया। अमेरिकी सेना का यह खतरनाक हमला केवल होर्मुज जलडमरूमध्य तक ही

बिल्कुल सीमित नहीं रहा। सेना ने बंदर अब्बास क्षेत्र में मौजूद एक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल साइट को भी निशाना बनाया। इस ईरानी मिसाइल साइट ने अमेरिकी लड़ाकू विमानों को अपना निशाना बनाने की नाकाम कोशिश की थी।

मिसाइल लॉन्चर को किया तबाह : अमेरिकी सेना ने मिसाइल लॉन्चर और वहां मौजूद सभी संबंधित सैन्य ढांचे को पूरी तरह नष्ट कर दिया। ईरानी मीडिया ने भी बंदर अब्बास, सीरिक और जास्क के पास भारी धमाकों की स्पष्ट पुष्टि की है। यह सभी इलाके रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट के बहुत ही ज्यादा करीब मौजूद हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका ने अपने इस घातक हमले को बहुत ही सीमित दायरे में रखा है। इसका मुख्य उद्देश्य ईरान के साथ जारी इस बड़े संघर्ष को और ज्यादा बिल्कुल नहीं बढ़ाना था। अधिकारियों ने साफ कहा है कि इस कार्रवाई का मतलब यह नहीं है कि मौजूदा युद्धविराम पूरी तरह खत्म हो गया है।

तेल निर्यात पर बड़ा खतरा : स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यात मार्गों में से एक बहुत ही अहम और खास समुद्री रास्ता है। इस संवेदनशील इलाके में तनाव बढ़ने से वैश्विक तेल सप्लाई चेन पर बहुत बड़ा और गंभीर असर पड़ सकता है। फिलहाल यह सैन्य कार्रवाई समाप्त हो चुकी है लेकिन अमेरिकी बल वहां अपनी पूरी सतर्कता बनाए हुए हैं।

अब्राहम अकॉर्ड पर टिके ट्रंप : बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अपने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा था कि युद्ध समाप्त करने के लिए ईरान के साथ शांति वार्ता अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरान अपने सर्वोच्च नेता से परामर्श के लिए जिस जटिल संचार नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहा है, उसके चलते अंतिम फैसले में कुछ समय लग सकता है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान के साथ शांति वार्ता में मध्यस्थता कर रहे देशों को अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने चाहिए, जो इजरायल और अरब देशों के बीच राजनयिक, आर्थिक एवं सुरक्षा संबंध स्थापित करने से संबंधित है। उन्होंने कहा कि ईरान का इस समझौते पर हस्ताक्षर करना सम्मान की बात होगी।

पांच मुस्लिम देशों पर ट्रंप का दबाव : ट्रंप ने कहा, 'अमेरिका की ओर से इस बेहद जटिल पहेली को सुलझाने के लिए किए गए सभी प्रयासों के बाद, इन सभी देशों के लिए यह अनिवार्य होना चाहिए कि वे कम से कम अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करें।' हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर एक-दो देश के पास ऐसा न करने का कोई कारण हो तो इसे स्वीकार किया जा सकता है। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के मध्यस्थों में से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बहरीन पहले ही अब्राहम समझौते पर दस्तखत कर चुके हैं। ट्रंप चाहते हैं कि सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्किये, मिस्र और जॉर्डन भी इस समझौते पर हस्ताक्षर करें। इस बीच, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई एक अज्ञात स्थान से काम कर रहे हैं।

लेबनान पर इस्राइल का हमला: हिजबुल्ला के 70 ठिकानों पर बमबारी, सीमाई इलाकों में स्कूल बंद, सात लोगों की मौत

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान की सीमा पर चल रही लड़ाई अब बहुत खतरनाक हो गई है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आदेश के बाद इस्राइली सेना ने लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ हमले बहुत तेज कर दिए हैं। इस्राइल की वायुसेना ने ताबड़तोड़ हमले करके हिजबुल्ला के 70 से ज्यादा ठिकानों को तबाह कर दिया है। इन हमलों में करीब 85 बमों और मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है। दूसरी तरफ, लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी एएनए के मुताबिक, इस्राइल के इन हमलों में सात लोगों की मौत हो गई है।

टायर और बेका घाटी में भारी बमबारी : इस्राइली सेना ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने लेबनान के टायर इलाके में हिजबुल्ला के 10 कमांड सेंटर, हथियारों के गोदाम और दूसरे ठिकानों को निशाना बनाया है। सेना ने यह भी दावा किया कि मोटरसाइकिल पर जा रहे हिजबुल्ला के लड़ाकों को भी मार गिराया गया है। इसके अलावा, इस्राइली लड़ाकू विमानों ने लेबनान की बेका घाटी और कई दूसरे इलाकों में बने हिजबुल्ला के ठिकानों पर भी भारी बम बरसाए हैं।

मश्घरा और कौथारियत में मलबे से निकले शव : लेबनान से आ रही खबरों के मुताबिक, इस्राइल के इन हवाई हमलों से वहां भारी नुकसान हुआ है। मश्घरा नाम के इलाके में हुए हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। यहां बमबारी से घर टूट गए, जिसके बाद बचाव दल के लोगों ने मलबे के नीचे से शवों और घायलों को बाहर निकाला। इसी तरह कौथारियत अल-सियाद में हुए एक और हमले में दो लोगों की जान चली गई और दो लोग घायल हो गए। हिजबुल्ला की तरफ से होने वाले पलटवार और ड्रोन हमलों को देखते हुए इस्राइल ने अपने उत्तरी बॉर्डर वाले इलाकों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। इस्राइल के होम फ्रंट कमांड ने मंगलवार से नई पाबंदियां लगा दी हैं।

लाओस की गुफा में फंसे सात लोगों को बचाने के लिए अभियान जारी

वियनतियाने , एजेंसी। लाओस के शाइसोंबून प्रांत में पिछले सप्ताह से गुफा में फंसे सात लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू अभियान तेज कर दिया गया है। ये ग्रामीण 19 मई को सोने की तलाश में गुफा में गए थे, तभी भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से बाहर निकलने का रास्ता बंद हो गया। एक व्यक्ति समय रहते बाहर निकल आया और उसने अधिकारियों को सूचना दी। लाओस और थाईलैंड की संयुक्त रेस्क्यू टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। गोताखोर पानी से भरे संकरे रास्तों से होकर अंदर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल गुफा में फंसे लोगों की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

पाकिस्तानः दो बसें आपस में टकराई, 17 लोगों की मौत : मर्दान , एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी मर्दान जिले में स्वात एक्सप्रेस-वे पर सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, एक तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़ी दूसरी बस को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में पांच लोग घायल भी हुए हैं, जिनका उपचार जारी है। मृतक मुख्य रूप से अपर दीर और बाजौर जिलों के रहने वाले थे और स्वात घाटी जा रहे थे। बचाव दल मौके पर राहत कार्यों में जुटा है और मृतकों की पहचान की जा रही है।

रूस ने यूक्रेन को दी बड़े हमले की चेतावनी, कीव पर हमले का खतरा, नागरिकों से शहर छोड़ने की अपील

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चार साल से जारी युद्ध अब एक और भी ज्यादा भयंकर मोड़ पर पहुंच गया है। स्टारोबिस्क में हुए घातक ड्रोन हमले के बाद रूस बुरी तरह से भड़क गया है। इस खतरनाक हमले में 18 लोगों की जान जाने और 42 अन्य के घायल होने के बाद रूस ने कीव पर बड़े हमले की धमकी दी है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन की राजधानी कीव में रक्षा ढांचे पर लगातार और बहुत ही व्यवस्थित हमले करने की खुली चेतावनी दी है। इस बड़ी सैन्य धमकी के साथ ही मॉस्को ने विदेशी और स्थानीय नागरिकों के लिए एक बहुत सख्त सलाह भी जारी की है। रूस ने सभी राजनयिकों, विदेशी नागरिकों और आम लोगों को जल्द से जल्द कीव शहर खाली करने का सीधा आदेश दिया है। इसके साथ ही लोगों को जेलेंस्की शासन के सभी सैन्य और प्रशासनिक ढांचे की सुविधाओं

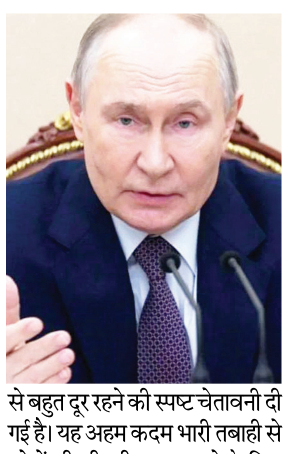

से बहुत दूर रहने की स्पष्ट चेतावनी दी गई है। यह अहम कदम भारी तबाही से लोगों की कीमती जान बचाने के लिए उठाया गया है।

ड्रोन निर्माण केंद्रों पर निशाना : रूसी सशस्त्र बल अब कीव में मौजूद उन सभी यूक्रेनी रक्षा उद्यमों पर अपना सीधा निशाना साधने की पूरी तैयारी कर रहे हैं। इनमें विशेष रूप से वे महत्वपूर्ण सुविधाएं शामिल हैं जहां घातक ड्रोन डिजाइन और तेजी से प्रोग्राम किए जाते हैं। नाटो विशेषज्ञों की सीधी मदद से संचालित होने वाले इन सभी केंद्रों और ठिकानों को पूरी तरह से तबाह करने की सख्त योजना है।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस बड़े और भयंकर हमले से पहले अमेरिकी विदेश सचिव को इसकी पूरी आधिकारिक जानकारी दे दी है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि रूसी क्षेत्र पर नागरिकों और बुनियादी ढांचे के खिलाफ कीव के हमलों का यह एक कड़ा जवाब है। यूक्रेनी सेना की सभी बड़ी जरूरतों को पूरा करने वाले केंद्रों और फैसला लेने वाले संस्थानों पर अब लगातार भारी बमबारी की जाएगी।

यूक्रेन की वायु रक्षा में भारी कमी : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हमले के इस बड़े खतरे के बीच अपनी वायु रक्षा प्रणाली की भारी कमी का स्पष्ट रूप से जिक्र किया है। उन्होंने माना कि ईरान युद्ध के कारण पूरी दुनिया में एंटी-बैलिस्टिक क्षमताओं की भारी और लगातार कमी बनी हुई है। यूक्रेन अब इस बड़ी कमी को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए अपने सभी यूरोपीय और अमेरिकी सहयोगियों के साथ बहुत तेजी से काम कर रहा है। बीते कुछ महीनों में कीव ने अपनी ड्रोन युद्ध क्षमता को बहुत ज्यादा बढ़ाकर रूसी ठिकानों को भारी और अभूतपूर्व नुकसान पहुंचाया है। यूक्रेन ने रूस के अहम ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर कई बहुत सफल और बड़े हमले लगातार किए हैं जिससे वहां काफी ज्यादा तबाही मची है। रूस ने यूक्रेन के इन सभी घातक हमलों को सीधा आतंकवाद करार दिया है और अब कीव पर बड़े पैमाने पर मिसाइल हमलों से अपना कड़ा जवाब दे रहा है।

सेनेगल को मिला नया प्रधानमंत्री

डकार , एजेंसी। सेनेगल के राष्ट्रपति बासिरू दियोमाये फाये ने अहमादू अल अमीनू लो को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री उस्मान सोनको को हटाए जाने के बाद यह फैसला लिया। सोनको और राष्ट्रपति फाये के बीच पिछले कई महीनों से नीतिगत मतभेद बढ़ रहे थे, खासकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज वार्ता को लेकर। लो इससे पहले पश्चिम अफ्रीकी केंद्रीय बैंक में वरिष्ठ पद पर कार्य कर चुके हैं। नई सरकार ऐसे समय में बन रही है जब सेनेगल आर्थिक संकट और सत्तारूढ़ पार्टी के अंदरूनी विवादों से जूझ रहा है।

अपनी नियुक्ति के बाद राजकीय टेलीविजन पर बोलते हुए, नए प्रधानमंत्री अहमदौ लो ने कहा कि सेनेगल की वित्तीय कठिनाइयों के बीच वह घरेलू व्यवसायों और विदेशी निवेशकों के विश्वास को मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश वर्तमान में एक कठिन दौर से गुजर रहा है, खासकर सार्वजनिक वित्त की स्थिति का अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है। सेनेगल के नेता ने इस बात पर जोर दिया कि देश अंतरराष्ट्रीय समुदाय और विदेशी निवेशकों की नजर में एक स्थिर, सुरक्षित और प्रतिष्ठित गंतव्य के रूप में अपनी छवि की रक्षा और उसे बेहतर बनाने का प्रयास जारी रखेगा। इससे पहले, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सेनेगल के लिए 1.8 अरब डॉलर के ऋण कार्यक्रम को निलंबित कर दिया था, क्योंकि यह पता चला था कि देश ने अपने सार्वजनिक ऋण की गलत जानकारी दी थी। संशोधित आंकड़ों के अनुसार, 2024 के अंत तक सेनेगल का सार्वजनिक ऋण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 132% तक पहुंच गया था। सेनेगल के पूर्व प्रधानमंत्री सोनको ने अनुमानित 13 अरब डॉलर के सार्वजनिक ऋण के पुनर्गठन की सेनेगल की योजना का विरोध किया है, उनका दावा है कि आईएमएफ इस पर दबाव डाल रहा है। वहीं, राष्ट्रपति बस्सिरू डियोमाये फे ने इस मामले पर बहुत कम बयान दिए हैं। राष्ट्रपति फेय ने 23 मई को सोनको को बर्खास्त कर दिया, यह कदम दोनों नेताओं के बीच महीनों से चल रहे तनाव का परिणाम माना जाता है, जो कभी करीबी राजनीतिक सहयोगी थे। मार्च में, सोनको ने चेतावनी दी थी कि यदि राष्ट्रपति फेय पार्टी की दिशा से विचलित होती हैं, तो वे संसद में बहुमत रखने वाली सत्तारूढ़ पेस्टेफ पार्टी को विपक्ष में ले जा सकते हैं। इससे आईएमएफ समर्थन बहाल करने के लिए आवश्यक सुधारों को लागू करने की सरकार की क्षमता पर चिंताएं बढ़ गईं। अपनी नई भूमिका में अपने पहले बयान में, प्रधान मंत्री लो ने इस बात की पुष्टि की कि उनकी नियुक्ति राष्ट्रपति फेय के नेतृत्व में सेनेगल की सुधार के प्रति प्रतिबद्धता में बदलाव का संकेत नहीं देती है, बल्कि एक नए दृष्टिकोण को दर्शाती है जो नेता के दृष्टिकोण के साथ अधिक मेल खाता है।

श्री लो ने अपने पूर्ववर्ती उस्मान सोनको की भी प्रशंसा की और पिछली सरकार की उपलब्धियों को स्वीकार किया। उन्होंने विशेष रूप से पिछले वर्ष घोषित आर्थिक सुधार योजना का उल्लेख किया, जो विकास को गति देने के लिए घरेलू संसाधनों का लाभ उठाने और उन्हें जुटाने पर केंद्रित है।

एशिया से यूरोप तक गर्मी की मार: ब्रिटेन, फ्रांस और स्पेन जैसे देशों में लू का कहर; किस देश में कितना तापमान?

लंदन, एजेंसी। दुनिया इस समय भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान की चुनौती का सामना कर रही है। भारत में जहां कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच रहा है, वहीं यूरोप, एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों में भी रिकॉर्डतोड़ गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। वैज्ञानिकों और मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अल नीनो और जलवायु परिवर्तन के कारण हीटवेव अब पहले से ज्यादा खतरनाक, लंबी और जल्दी आने लगी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जो गर्मी पहले जून-जुलाई में देखने को मिलती थी, अब वह मई महीने में ही रिकॉर्ड तोड़ रही है। कई देशों में स्कूलों, खेल आयोजनों और सार्वजनिक गतिविधियों पर असर पड़ा है। कुछ जगहों पर मौतों और स्वास्थ्य संकट की घटनाएं भी सामने आई हैं।

ब्रिटेन में गर्मी ने तोड़े पुराने रिकॉर्ड : ब्रिटेन में मई महीने का अब तक का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड किया गया। देश के मौसम विभाग के अनुसार लंदन के क्यू गार्डन्स में तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने 1922 और 1944 के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी गर्मी आमतौर पर जुलाई या अगस्त में देखने को मिलती है, लेकिन इस बार मई में ही लोगों को झुलसा देने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी से बचने के लिए लोग पार्कों, फव्वारों और स्विमिंग पूल का सहारा लेते नजर आए। फ्रांस में भी स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। देश के 350 से ज्यादा शहरों में मई महीने के तापमान के रिकॉर्ड टूट गए हैं।

कई इलाकों में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। सरकार ने कई क्षेत्रों में हाई टेम्परेचर अलर्ट जारी किया है और लोगों को दोपहर के समय घरों में रहने की सलाह दी गई है। पेरिस में एक रनिंग इवेंट के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अधिकारियों का मानना है कि तेज गर्मी इसका एक बड़ा कारण हो सकती है। स्पेन भी इस समय भीषण हीटवेव का सामना कर रहा है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालात ऐसे हैं कि रात में भी तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं जा रहा।

स्टारबक्स कोरिया के खिलाफ क्यों भड़का गुस्सा?, तीन बार सिर झुकाकर मांगी माफी; मालिक ने दी सफाई

सियोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया के दिग्गज व्यापारी चुंग योंग-जिन ने मंगलवार को दो सप्ताह के भीतर अपना दूसरा माफीनामा जारी किया है। स्टारबक्स के स्थानीय संचालन को 1980 के दशक में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों पर हुए हिंसक सैन्य दमन के पीड़ितों का मजाक उड़ाने वाले एक हालिया मार्केटिंग अभियान के चलते भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। स्टारबक्स कोरिया में 67.5 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले शिनसेग ग्रुप के अध्यक्ष ने एक वीडियो वाले बयान के दौरान तीन बार सिर झुकाकर माफी मांगी। उन्होंने देश की पूर्व सैन्य तानाशाही द्वारा मारे गए लोकतंत्र कार्यकर्ताओं के परिवारों और आम जनता से क्षमा की याचना की।

18 मई के विद्रोह के अपमान का लगा आरोप : कॉफी चेन ने तब सार्वजनिक आक्रोश को भड़काया, जब उसने टैंक नामक एक बड़े आकार के टंबलर को बढ़ावा देने की कोशिश की। इसके साथ 18 मई को टैंक डे घोषित कर दिया। यह 18 मई को ग्वांगजू शहर में हुए एक लोकतांत्रिक विद्रोह की वर्षगांठ थी, जिसे सैनिकों, टैंकों और हेलीकॉप्टरों द्वारा क्रूरतापूर्वक दबा दिया गया था, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए या घायल हुए थे।

इस मार्केटिंग अभियान ने 'इसे मेज पर पटक दो!' नारे का इस्तेमाल करके आक्रोश को और बढ़ा दिया, जिसे कई लोगों ने 1987 के एक कुख्यात पुलिस बयान के संदर्भ के रूप में पढ़ा। पुलिस ने छात्र कार्यकर्ता पार्क जोंग-चोल की यातना से हुई मौत को छिपाने का प्रयास किया था। पुलिस का दावा था कि जांचकर्ताओं ने उन्हें 'मेज पर पटक कर मारा' था, जिसके बाद पार्क की अचानक मृत्यु हो गई।

स्टारबक्स कोरिया ने सीईओ को किया बर्खास्त : यह मार्केटिंग प्रचार तुरंत ही गुस्से का वजह बन गया और कुछ ही घंटों में शिनसेग ग्रुप ने इसे रद्द कर दिया। इसके साथ ही स्टारबक्स कोरिया के मुख्य

कार्यकारी अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया। ग्वांगजू में मारे गए लोगों के परिवारों द्वारा की गई शिकायतों के आधार पर पुलिस ने भी जांच शुरू कर दी है।

चुन ने मंगलवार को कहा, 'मैं इस तथ्य को बहुत गंभीरता से लेता हूं कि स्टारबक्स कोरिया के अनुपयुक्त मार्केटिंग अभियान के कारण कई लोगों ने गहरा दर्द और गुस्सा महसूस किया।' उन्होंने स्टारबक्स की दुकानों के कर्मचारियों पर अपना गुस्सा न निकालने का भी आग्रह किया, यह कहते हुए कि जिम्मेदारी प्रबंधन की है। दुकानों पर किसी बड़ी घटना की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं थी।

कंपनी ने जारी किया बयान : शिनसेग ग्रुप के एक वरिष्ठ कार्यकारी, जियोंग संग-जिन ने कहा कि कंपनी को अभी तक कोई निर्णायक सबूत नहीं मिला है कि स्टारबक्स कोरिया के मार्केटिंग कर्मचारियों का इरादा लोकतंत्र समर्थक आंदोलन का मजाक उड़ाना था। हालांकि कर्मचारियों ने इस आरोप से इनकार किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कुछ कर्मचारियों ने एक सप्ताह की आंतरिक समीक्षा के दौरान प्रबंधन के स्मार्टफोन सौंपने के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया था। जियोंग ने कहा कि कंपनी पुलिस जांच के नतीजों को देखेगी और किसी भी कर्मचारी को, जिसका इरादा प्रदर्शनकारियों का उपहास करना पाया गया, उसे बर्खास्त कर दिया जाएगा। मार्केटिंग अभियान से उपजे गुस्से ने बहिष्कार के लिए सार्वजनिक आह्वान को जन्म दिया है, जिसे सरकारी अधिकारियों ने भी बढ़ावा दिया। इनमें गृह और सुरक्षा मंत्री यूं हो-जंग भी शामिल हैं, जिन्होंने कहा कि स्टारबक्स उत्पादों का सरकारी कार्यक्रमों में उपयोग नहीं किया जाएगा और श्रृंखला के इतिहास विरोधी व्यवहार पर खेद जताया।

लगाव

जग्गी वासुदेव

इच्छा ही दुखों का कारण है' ऐसी सीख देने वालों के मुंह से आपने यह भी सुना होगा, ''किसी व्यक्ति या वस्तु पर आसक्त न बनो, उस पर लगाव न रखो। मोह, आसक्ति या लगाव तुम्हारे विकास के पथ के रोड़े हैं' यों कहकर वे लोग आपको धमकाते हैं। आप तो स्नेह और आसक्ति के साथ जीने के अभ्यस्त हैं। इसलिए उपर्युक्त वर्जना को सुनकर आप पशोपेश में पड़ सकते हैं। ''किसी के साथ कुछ भी हो जाए, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता' ऐसी उपेक्षा या लापरवाही का भाव अनासक्त रहना है-ऐसा गलत अर्थ लेना निश्चय ही अपने आपको धोखा देना है। किसने कहा, लगाव होने पर विकास नहीं होगा? धरती के साथ आसक्त होकर जब पेड़ अपनी जड़ों को माटी के अंदर गहराई से फैलाता है तभी

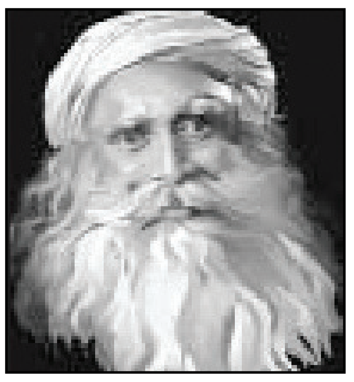

वह स्वस्थ रूप में पनपता है; अनेक पक्षियों को आश्रय देता है; हवा में प्राणवायु का प्रवाह करता है; फलों को प्रदान कर उपकार करता है। यदि उसे धरती से अलग कर दें तो नष्ट हो जाता है। प्रकृति की तरह ही यह हम पर भी लागू होता है आपके विषय में भी यही बात सही है किसी के कहने में आकर यदि आप स्नेह-बंधन के धरातल से अपने आप को जबर्दस्ती छुड़ाने की कोशिश करेंगे तो निश्चित रूप से स्वयं को घायल कर लेंगे। यदि आपकी सहज प्रकृति स्नेह करने की ओर आसक्त रहने की है तो आप अपनी प्रकृति को बदलने का प्रयत्न मत कीजिए। कोई व्यक्ति मेंढक को लेकर शोध कर रहा था मेंढक को उसने इस तरह प्रशिक्षित किया था कि यदि वह कहता ''कूदो' तो मेंढक तुरंत कूदता। शोध के दौरान वह मेंढक की एक टांग को काटने के बाद बोला ''कूदो'। बेचारा मेंढक तीन टांगों के साथ थोड़ी मुश्किल से कूद पाया। दूसरी टांग काटकर उसने कहा ''कूदो', तब भी मेंढक कष्ट के साथ कूदा। तीसरी टांग काटने पर अत्यंत वेदना के साथ एक टांग से किसी तरह कूदा था। अंत में चौथी टांग को भी काटकर उसने आदेश दिया ''कूदो'। सरकने में असमर्थ होकर मेंढक ने उसे कातर दृष्टि से देखा। वह तो बार-बार मेंढक को कूदने के लिए कहते हुए चिल्लाने लगा। मेंढक बिल्कुल हिला नहीं। उस व्यक्ति ने अपने शोध का निष्कर्ष इस प्रकार लिखा-''चारों टांगों को निकाल देने पर मेंढक की श्रवण-शक्ति समाप्त हो जाती है।' इसी तरह कुछ लोग कोई बात होने पर और किसी नतीजे पर पहुंच कर सिद्धांतों की स्थापना कर देते हैं। दुख के आधारभूत कारण को सही ढंग से समझे बिना यह घोषणा कर देते हैं-इच्छा या आसक्ति से ही दुख पैदा होता है।

खबरें जरा हटके

बच्चे को लगी नूडल्स और कोला की लत, 10 साल की उम्र में हुआ 200 किलो वजन

नई दिल्ली। फास्टफूड बड़ों और बच्चों दोनों की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहा है। डॉक्टर्स भी बच्चों को फास्टफूड से दूर रखने की सलाह देते हैं, लेकिन फास्टफूड के टेस्ट के कारण बच्चे इस ओर आकर्षित होते हैं। इंडोनेशिया में एक दस साल के बच्चे का वजन नूडल्स और कोला की लत के कारण 200 किलो का हो गया।

ज्यादा वजन की वजह से अब यह बच्चा न तो स्कूल जा पा रहा था और न ही ठीक से चल पा रहा था। लगातार बच्चे का वजन बढने के कारण उसकी सर्जरी करनी पड़ी। सर्जरी के बाद भी उसक वजन अन्य बच्चो के मुकाबले काफी ज्यादा है। बच्चे का नाम आर्य मोसंत्री है और वह दिन में पांच बार खाता था। खाने में यह बच्चा काके के साथ इंस्टेंट नूडल्स, चावल, मीट और मछली लेता था। आर्य के माता पिता किसान हैं और बताते हैं कि दिन में इतना खाना खाने के बाद भी आर्य को बहुत भूख लगती है। जब डॉक्टर को दिखाया गया तो डॉक्टर भी उसका वजन देखकर चौंक गए। डॉक्टर ने नॉन वेज छोड़कर केवल हैल्दी डायट आर्य को देने के लिए कहा, लेकिन ऐसा करने के बाद भी उसकस वजन पर कोई फर्क नहीं पड़ा। आखिर में डॉक्टर्स को उसकी सर्जरी करनी पड़ी। आर्य की मां रकैया ने बताया कि उनका बेटा तीन आदमियों के बरार खाना खाता था। आर्य का 17 अप्रेल को ऑपरेशन किया गया था, लेकिन इसके बाद भी केवल 9 किलो वजन ही कम हो सका। हालांकि ऑपरेशन के दो महीने बाद आर्य का 16 किलो वजन और कम हो गया।

यह स्टाइलिश बंदर इलेक्ट्रिक शेवर से बनवाता है दाढ़ी

नई दिल्ली। आपने बंदरों को केवल एक छत से दूसरी छत पर कूद फांद करते या फिर लोगों से खाने का सामान छीनते ही देखा होगा, लेकिन क्या आपने कभी ऐसा बंदर देखा है जो इंसानों की तरह दाढ़ी बनवाता हो। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें लाल रंग की टीशर्ट पजाना और पैरों में कार्टून कैरेक्टर वाले जूते पहने एक बंदर इलेक्ट्रिक शेवर से दाढ़ी बनवा रहा है।

इंस्टाग्राम के बैड ऐस ऑफिशियल पेज पर बुधवार को इस वीडियो को अपलोड किया गया था। जाहिर है कि वीडियो में नजर आने वाला बंदर पालतू है और कोई व्यक्ति बाथरूम में इसकी दाढ़ी बना रहा है। बंदर यहां खड़े होकर आराम से दाढ़ी बनवा रहा है।

इसके अलावा बंदर का हेयर स्टाइल भी काफी अलग है। मिलिट्री स्टाइल की हेयर कटिंग इस पर काफी जच रही है। छह घंटे में ही इस वीडियो को 3.15 लाख लोगों ने देख लिया है और इस पर 1200 से ज्यादा कमेंट्स आ चुके हैं।

सेहत

दर्द होने पर कान में न डालें गर्म तेल, वर्ना होगा नुकसान

कान में अचानक दर्द होना एक आम समस्या है। यह तकलीफ अमूमन बच्चों को होती है। इसमें बच्चा कानदर्द की वजह से रात को उठकर रोने लगता है और माता-पिता परेशान हो जाते हैं। आइए जानते हैं इसकी वजहों के बारे में।

कारण: ज्यादा दिनों तक सर्दी और जुकाम रहने से नाक के पिछले भाग से कान तक आने वाली यूस्टेकियन ट्यूब ठीक से काम करना बंद कर देती है जिससे संक्रमण व सूजन आ जाती है और द्रव्य बढने से कान में दबाव असामान्य हो जाता है। बच्चों में यह ट्यूब छोटी व सीधी होने की वजह से नाजुक होती है इसलिए उन्हें कानदर्द ज्यादा होता है। दर्द से बच्चे की नींद खुल जाती है, बुखार, चिड़चिड़ाहट, दस्त, उल्टी, सुनने में कमी व कान में भारीपन जैसे लक्षण होने लगते हैं। कान में फुंसी, मैल का फूलना, सूजन, गले, दांत व जबड़ों की तकलीफ में भी कानदर्द हो सकता है।

सावधानी: दर्द को नजरअंदाज करने से कान में दबाव बढ़कर पर्दे में छेद हो सकता है। अनदेखी से दिमाग व कान के पीछे की मेस्ट्रॉइड हड्डी प्रभावित होती है।

न पालें भ्रम : कई बार माता-पिता बच्चे की तकलीफ देखकर उसके कान में गर्म तेल की बूंदें डाल देते हैं जिससे कुछ समय के लिए आराम तो मिलता है लेकिन बाहरी संक्रमण का खतरा रहता है।

इलाज: दर्द निवारक, एंटीबायोटिक, एंटीएलर्जिक और एंटीकोल्ड दवाएं दी जाती हैं। नाक की यूस्टेकियन ट्यूब में सूजन को कम करने के लिए डीकंजेस्टेंट ड्रॉप देते हैं। बार-बार कान के पर्दे के पीछे द्रव्य जमा होने पर वेंटिलेशन ट्यूब (ग्रोमेट) से इलाज किया जाता है।

एहतियात बरतें

धूल और धुएं से बचें। खट्टी व फ्रिज की ठंडी चीजों से परहेज करें। छोटे बच्चों को केवल मां का दूध पिलाएं। साथ ही मां, बच्चे को लेटकर दूध न पिलाएं। फीड कराते समय बच्चे का सिर थोड़ा ऊंचा रखें। गंदगी व भीड़-भाड़ वाली जगहों पर न जाएं। रोग से ग्रस्त व्यक्ति स्वीमिंग और हवाई यात्रा न करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

लॉफिंग ज़ौन

दत्ता जी को बहुत से लोग भत्ता जी भी कहा करते थे। शायद इसलिये कि दौरे पर बहुत रहते थे और दौरे पर रहने में उन्हें भत्ता काफी मिल जाता था। मई के पहले हफ्ते की बात है कि उन्हें दो दिन बाद ही टूर पर जाना था। उनका बेटा पप्पी उनके कमरे में आया तो न जाने क्या सोचकर वे उसे पीटने लगे। बच्चो को पिटता देखकर पडौस के एक मित्र उनके पास आए और बच्चो को पीटने का कारण पूछा तो दत्ता जी ने बताया-'दरअसल मैं दो दिन बाद टूर पर जा रहा हूं और टूर की अवधि में ही इस नालायक का रिजल्ट निकल आएगा।'

□ □ □

बंता अपने मित्र से बोला , मेरी पत्नी को मेरा कितना दर्द है।

रात को मैने उससे कहा कि गर्म, पानी कर दो उसने तुंरत गर्म पानी कर दिया।

तो क्या हुआ पर तुमने उसे गर्म पानी करने की तकलीफक्यों दी। इसलिए कि मैं ठंडे पानी से बरतन नहीं धो सकता।

□ □ □

पति शराब पीकर घर आया और पत्नी से बोला- डार्लिंग आज कुछ ऐसा करो कि मेरे कदम जमीन पर न टिके ।

पत्नी- कमीने फांसी लगा ले।

काकुरो पहेली 4067

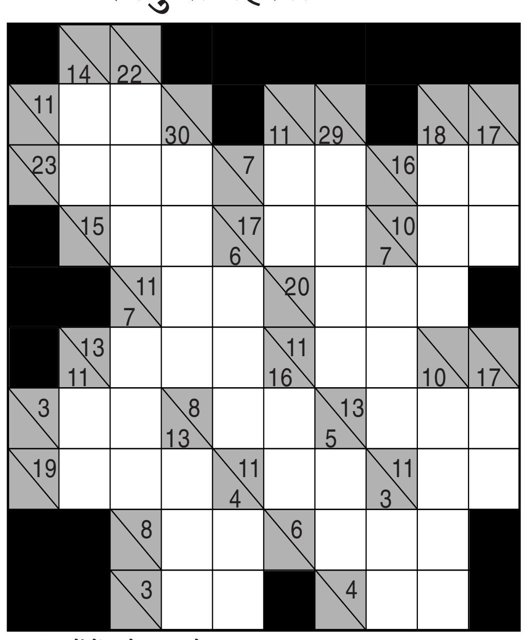

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

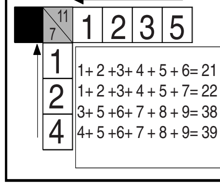

काकुरो - 4066 का हल

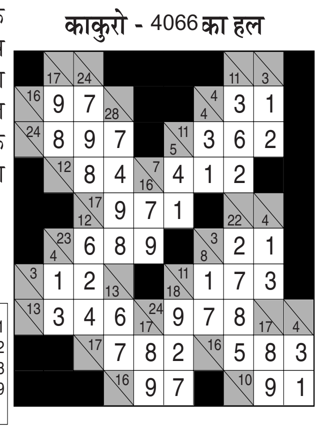

सूडोकु -4067

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4066 हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

फिल्म वर्ग पहेली- 4067

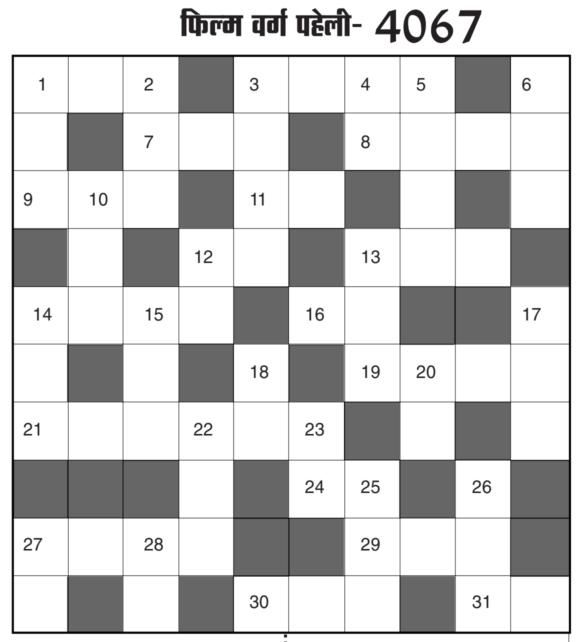

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4066

बं	ध	न	■	क्ष	त्रि	य	■	ज	ख्मी
दि	■	सी	मा	■	दे	श	प्रे	मी	■
श	बा	ब	■	दे	व	■	म	न	■
■	बु	■	जो	श	■	बा	गी	■	खु
दौ	ल	त	■	द्रो	ही	■	त	ला	शी
ड़	■	ला	■	ही	■	पा	■	ट	■
■	रो	श	नी	■	आ	प	के	सा	थ
जं	ग	■	य	की	न	■	■	ब	■
ग	■	■	त	■	बा	द	ल	■	जी
ल	की	र	■	डॉ	न	■	की	म	त

शब्द पहेली - 4067

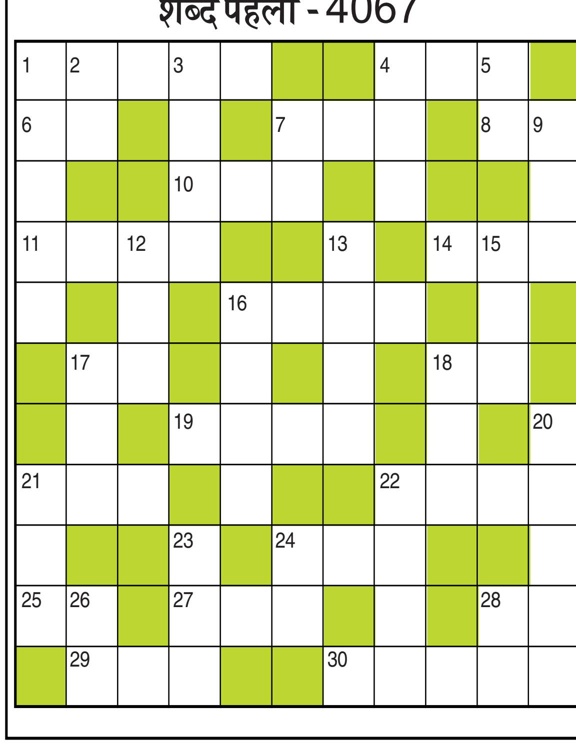

बाएँ से दाएँ

1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे

1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली 4066 का हल

■	म	हा	भा	र	त	■	प	र	वा	ना
त	न	■	स्क	■	मा	हि	र	■	र	ग
न	■	त	र	क	श	■	ख	र	■	वा
ब	न्ध	क	■	■	बी	वी	■	न	ज	र
द	■	दी	■	दा	न	■	फां	■	ल	■
न	ज	र	बं	द	■	न	सी	ब	वा	ला
■	रु	■	दी	■	म	न	■	च	■	प
श	री	र	■	जं	हा	■	■	प	गा	र
रा	■	न	म	■	सा	ग	वा	न	■	वा
फ	ल	■	स	ज	ग	■	च	■	आ	ह
त	क्ष	शि	ला	■	र	द्द	क	र	ना	■

हाईकोर्ट ने राशिद इंजीनियर को पिता के 40वें की रस्म में शामिल होने के लिए दी अंतरिम जमानत

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने टेरर फंडिंग के आरोप में गिरफ्तार सांसद राशिद इंजीनियर को अपने पिता की मौत के बाद होने वाले 40वें की रस्म में शामिल होने के लिए 25 से 30 जून तक अंतरिम जमानत दी है। राशिद की तरफ से वरिष्ठ वकील हरिहरन ने कोर्ट को बताया कि वे पहले अंतिम संस्कार में शामिल हो चुके हैं और 27 जून को श्रीनगर में होने वाली 40वें दिन की रस्म परिवार के लिए बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि मौत के बाद कई तरह की शोक सभाएं और रस्में होती हैं। इस पर दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि पहले ही 2 जून तक की अंतरिम जमानत दी जा चुकी है। राशिद इंजीनियर को 2 जून को सरेंडर करना था लेकिन 40वें दिन की रस्म के लिए दोबारा कुछ दिनों की राहत दी जाएगी ताकि वे कश्मीर जाकर वापस आ सकें। हरिहरन ने कहा कि जेल से रिहाई के बाद बाहर निकलने और यात्रा में भी एक दिन लग जाता है। वहीं, एनआईए की तरफ से वकील अक्षय मलिक ने जमानत का विरोध किया। हाईकोर्ट ने एनआईए से कहा, इस मामले पर बहुत ज्यादा न्यायिक समय लग रहा है। 25 से 30 जून तक की राहत दे देते हैं, इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी ने पिता के निधन से जुड़ी अन्य रस्मों में शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की थी।

इंडिगो विमान में धुआं दिखने से मची अफरा-तफरी, आपात निकासी के दौरान दो यात्री घायल

बेंगलुरु। बेंगलुरु से चेन्नई जा रही इंडिगो की एक उड़ान में केबिन और कॉकपिट में धुआं दिखाई देने के बाद यात्रियों को आपात स्थिति में विमान से बाहर निकाला गया। घटना के दौरान सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया, हालांकि निकासी प्रक्रिया के दौरान दो यात्रियों को मामूली चोटें आईं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, इंडिगो का एयरबस ए321 विमान उड़ान संख्या 6ई-6017 बेंगलुरु से चेन्नई के लिए रवाना होने वाला था। विमान के पुशबैक के बाद टैक्सी प्रक्रिया शुरू होने के दौरान कॉकपिट और केबिन में धुआं देखा गया, जिसके बाद चालक दल ने तत्काल आपात प्रोटोकॉल लागू किया। स्थिति को देखते हुए चालक दल ने सभी इमरजेंसी स्लाइड का इस्तेमाल करते हुए यात्रियों की सुरक्षित निकासी कराई। इस दौरान अफरा-तफरी के बीच दो यात्रियों को हल्की चोटें आईं। अधिकारियों के अनुसार दोनों की स्थिति सामान्य बताई गई है। घटना के बाद संबंधित विमान को जांच और तकनीकी सुधार के लिए फिलहाल सेवा से हटा दिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए विमानन नियामक संस्था नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

सोमनाथ मंदिर में वीआईपी दर्शन के नाम पर ऑनलाइन ठगी, ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं को किया सतर्क

गीर सोमनाथ। देशभर के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ मंदिर अब डिजिटल ठगों के निशाने पर आ गया है। सोमनाथ दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को वीवीआइपी दर्शन या स्पेशल एंट्री दिलाने के नाम पर सोशल मीडिया और फर्जी वेबसाइटों के जरिए ठगी किए जाने के मामले सामने आए हैं। इसे देखते हुए श्री सोमनाथ ट्रस्ट ने भक्तों से सतर्क रहने और विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। ट्रस्ट के जनरल मैनेजर विजयसिंह चावड़ा ने स्पष्ट किया है कि सोमनाथ मंदिर में किसी भी प्रकार की वीवीआइपी दर्शन, स्पेशल दर्शन या पैसे लेकर विशेष प्रवेश की कोई व्यवस्था उपलब्ध नहीं है। मंदिर में आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की समान व्यवस्था है। यदि कोई व्यक्ति, एजेंट या थर्ड पार्टी वेबसाइट वीवीआइपी पास या स्पेशल टिकट के नाम पर पैसे मांगती है, तो वह पूरी तरह फर्जी और गैरकानूनी है। ट्रस्ट के आईटी और सिक्योरिटी विभाग के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से साइबर ठग ऑनलाइन सर्च प्लेटफॉर्म और डिजिटल माध्यमों का दुरुपयोग कर रहे हैं। ये लोग सर्च इंजन पर फर्जी लिंक और पेड विज्ञापन डालकर वीवीआइपी टिकट उपलब्ध होने का झूठा दावा करते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी स्पेशल एंट्री के नाम पर भ्रामक जानकारी फैलाई जा रही है।

सीबीएसई की डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली में गड़बड़ी के आरोपों पर केसी वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव और लोक लेखा समिति (पीएसी) के अध्यक्ष के. सी. वेणुगोपाल ने सीबीएसई की नई ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नई प्रणाली में भारी गड़बड़ियों के कारण देश और खाड़ी देशों के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य तथा मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ा है।

वेणुगोपाल ने लिखे पत्र में कहा कि डिजिटल स्कैनिंग और ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन प्रक्रिया बेहद त्रुटिपूर्ण साबित हुई है। विद्यार्थियों ने मूल्यांकन में बड़े पैमाने पर विसंगतियों की शिकायत की। कई मामलों में सही उत्तर लिखने के बावजूद शून्य अंक दिए गए। पुनर्मूल्यांकन के लिए स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाएं धुंधली, कटी हुई या पढ़ने योग्य नहीं मिल रही हैं, जिससे विद्यार्थी अपने अंकों का सत्यापन नहीं कर पा रहे हैं। वेणुगोपाल ने कहा कि भौतिकी की उत्तर पुस्तिका प्राप्त करने पर एक विद्यार्थी को पता चला कि उसमें लिखावट और लेखन शैली उसकी नहीं थी, जिससे उत्तर पुस्तिकाओं के आपस में बदलने की आशंका सामने आई। अलग-अलग प्रश्न पत्र सेटों के कठिनाई स्तर में असमानता के कारण भी विद्यार्थियों को नुकसान हुआ है और इसी वजह से सामान्य ग्रेस अंक देने की मांग उठ रही है।

विश्व धरोहर स्थल खजुराहो में आयोजित होगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का काउंटडाउन कार्यक्रम

एजेंसी

नई दिल्ली। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के खजुराहो स्थित पश्चिमी मंदिर समूह में योग महोत्सव आयोजित करेगा। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026 की 25 दिनों की उलटी गिनती आरंभ हो जाएगी। कार्यक्रम से पहले केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि योग महोत्सव-2026 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026 की राष्ट्रव्यापी तैयारियों का महत्वपूर्ण आयोजन है और यह देश भर में योग की व्यापकता बढ़ाने की सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाता है। उन्होंने कहा कि आयुष मंत्रालय, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले जागरूकता

बढ़ाने और व्यापक जनभागीदारी प्रोत्साहित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस महत्वपूर्ण आयोजन हेतु 100 स्थानों पर 100 संस्थानों के सहयोग से 100 दिनों का राष्ट्रव्यापी काउंट डाउन (उलटी गिनती) अभियान चला रहा है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी की पहल पर भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के अभिन्न अंग योग को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2014 में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में अपनाने के बाद से यह समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के वैश्विक आंदोलन बन गया है। उन्होंने कहा कि योग 365 दिन पहल के तहत, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, आयुष मंत्रालय के सहयोग से, 21 जून तक 100 दिनों का निःशुल्क योग प्रशिक्षण अभियान चला रहा है, जिसमें दो लाख से अधिक प्रतिभागी पहले ही योग मित्र के रूप में पंजीकृत हुए हैं। केंद्रीय आयुष मंत्री ने इस आयोजन के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का अनमोल उपहार है, जिसने पूरी दुनिया को संतुलित, समग्र और स्वस्थ जीवनशैली का मार्ग दिखाया है। उन्होंने कहा कि जीवनशैली से जुड़ी बढ़ती चुनौतियों के वर्तमान समय में योग एक प्रभावी और वैज्ञानिक तौर पर प्रमाणित स्वास्थ्य समाधान के रूप में उभर रहा है।

एमसीडी सदन में हंगामे के बीच सभी पार्षदों को 50 लाख का फंड जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि निगम द्वारा सभी पार्षदों को 50-50 लाख की राशि जारी कर दी गई है।

दिल्ली नगर निगम मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए महापौर ने कहा कि विपक्ष सदन चलने दे या नहीं, इससे जनता के कार्य प्रभावित नहीं होंगे। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आआपा) द्वारा कोकरोच के पोस्टर लाने पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी अपना चुनाव चिन्ह छोड़कर दूसरा चुनाव चिन्ह लेकर आई है।

महापौर ने आरोप लगाया कि विपक्ष की मंशा किसी भी प्रकार से सदन की कार्यवाही नहीं चलने देने की थी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जनता के विकास कार्यों को लेकर प्रतिबद्ध है और निगम स्तर पर योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। इस दौरान नेता सदन जय भगवान यादव ने कहा कि भाजपा सदन में विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा करना चाहती थी, लेकिन आआपा ने ऐसा नहीं होने दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले ढाई वर्षों में विपक्ष ने कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं किया और अब भाजपा को भी काम नहीं करने दिया जा रहा है।

सदन में सभी बिल पारित होने पर उन्होंने कहा कि सभी बिल जानते के हित को ध्यान में रखते हुए पारित कर दिए गए हैं। साथ ही 1857 के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी शहीद धन सिंह कोतवाल की प्रतिमा न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित कम्युनिटी सेंटर में स्थापित किए जाने की जानकारी भी दी गई।

पुणे में 2 करोड़ से अधिक की अवैध शराब और बीयर जब्त

एजेंसी

पुणे। पुणे राज्य उत्पादन शुल्क विभाग की विभागीय उड़नदस्ता टीम ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 2 करोड़ 3 लाख 39 हजार 800 रुपए मूल्य की विदेशी शराब और बीयर जब्त की है। इस कार्रवाई में 1716 बॉक्स शराब और दो 6-चक्का कंटेनर भी कब्जे में लिए गए हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई राज्य उत्पादन शुल्क आयुक्त डॉ. राजेश देशमुख, सह-आयुक्त प्रसाद सुर्वे और पुणे विभाग के उप आयुक्त सागर धोमकर के निर्देश पर की गई। उप अधीक्षक अनिरुद्ध पाटील के मार्गदर्शन में उड़नदस्ता टीम ने 20 मई को पुणे जिले के शिरूर तालुका के शिक्रापुर इलाके में छापेमारी की। इस दौरान टीम को सबसे पहले गोवा में बिक्री की अनुमति वाला माल मिला। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि माल कर्नाटक नंबर के अशोक लेलैंड 6-चक्का कंटेनर से लाया गया था। टीम ने तुरंत इस ट्रक की तलाश शुरू की। बाद में कंटेनर धुले जिले के मुंबई-आगरा महामार्ग पर लडींग टोल नाका

के पास खड़ा मिला। धुले उत्पादन शुल्क विभाग की सहायता से वाहन और चालक को हिरासत में लिया गया। कंटेनर की गहन जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए। इसमें कर्नाटक में निर्मित बीयर के 500 मिली वाले कैन भरे हुए थे, जिनकी बिक्री केवल गोवा में ही अनुमत है। साथ ही मध्यप्रदेश में निर्मित गोवा व्हिस्की की 750 मिली सीलबंद बोतलें भी बरामद हुईं, जो केवल मध्यप्रदेश में ही बिक्री के लिए वैध हैं। इन सभी उत्पादों को महाराष्ट्र में लाना और बेचना पूरी तरह अवैध है। अधिकारियों ने कुल 696 बॉक्स शराब जब्त करके लगभग 81 लाख 27 हजार 600 रुपए का माल कब्जे में लिया। पूरे मामले में महाराष्ट्र दारूबंदी कानून 1949 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और कंटेनर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। राज्य उत्पादन शुल्क विभाग के सूत्रों के अनुसार, तस्कर अंतरराज्यीय सीमाओं का फायदा उठाकर विभिन्न राज्यों में वैध शराब को महाराष्ट्र में अवैध रूप से सप्लाई करने की कोशिश कर रहे थे।

खारी बावली में नकली मसाला फैक्ट्री का भंडाफोड़, 800 किलो से ज्यादा मिलावटी सामान जब्त

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली क्राइम ब्रांच ने पुरानी दिल्ली के खारी बावली इलाके में चल रही एक अवैध मसाला बनाने वाली यूनिट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में नकली और मिलावटी मसाले बनाने और उन्हें दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 31 वर्षीय कमलजीत के रूप में हुई है, जो मुकुंदपुर स्थित गुरु नानक देव कॉलोनी का रहने वाला है। क्राइम ब्रांच में इस मामले को लेकर एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, 23 मई को क्राइम ब्रांच की टीम को खारी बावली इलाके में नकली मसाले बनाने की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद इंस्पेक्टर अमित सोलंकी की देखरेख और एसीपी पंकज अरोड़ा के निर्देशन में एक टीम ने नया बांस स्थित मकान नंबर 98 में छापा मारा। मौके पर एक अवैध मसाला पीसने और तैयार करने की

यूनिट पाई गई। जांच के दौरान पुलिस को वहां से भारी मात्रा में मिलावटी मसाले, कृत्रिम रंग और नकली मसाले तैयार करने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल मिला। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह घटिया गुणवत्ता के पदार्थों में कृत्रिम रंग, चावल के टुकड़े, मिर्च के डंठल और अन्य मिलावटी चीजें मिलाकर हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, पीली मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, अमचूर पाउडर और गरम मसाला तैयार करता था। बाद में इन्हें असली मसालों के नाम पर दिल्ली-एनसीआर के बाजारों में सप्लाई किया जाता था।

छापेमारी के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने मसालों के नमूने लेकर उन्हें जांच के लिए लैब भेज दिया है। पुलिस ने मौके से मसाला पीसने की मशीनें, नकली मसाले बनाने का कच्चा माल और करीब 801.88 किलोग्राम मिलावटी मसाले जब्त किए हैं।

पूरी कार्रवाई की वीडियो रिकॉर्डिंग ई-साक्ष्य ऐप के जरिए की गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और अदालत से दो दिन की पुलिस रिमांड भी हासिल की है। अब पुलिस इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों, सप्लाई चेन और खरीदारों की पहचान करने में जुटी हुई है।

अखिलेश ने राहुल के सुर में मिलाया सुर, बोले- यूपी की सत्ता में आए तो केंद्र सरकार गिर जाएगी

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्र की मोदी सरकार को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान का समर्थन करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि राहुल गांधी ने बिल्कुल सही कहा है। राहुल गांधी ने हाल ही में दावा किया था कि एक साल के अंदर केंद्र में मोदी सरकार गिर जाएगी। उनके इस बयान को लेकर एनडीए नेताओं ने तीखी आलोचना की थी। लखनऊ में जब अखिलेश यादव से राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी ने जो कहा है, बिल्कुल ठीक कहा है। अगर यूपी में हमारी सरकार बनी तो दिल्ली में सरकार गिर जाएगी।' वहीं, अखिलेश यादव ने प्रदेश की कानून व्यवस्था और महिलाओं से संबंधित अपराध का जिक्र करते हुए कहा कि 2020 में हाथरस में लड़की के साथ जो अत्याचार हुआ था, वह काफी हद तक वैसा ही है जैसा हम 2026 में देख रहे हैं। डेटा से पता चलता है और आंकड़ों से भी यह साफ है कि राज्य सरकार सब कुछ छिपाना चाहती है और अपने संसाधनों की ताकत का

इस्तेमाल करके वह सच जनता तक नहीं पहुंचने देना चाहती। यह पहली बार नहीं है जब फर्जी एनकाउंटरों पर सवाल उठाए गए हैं। कल हमने जो देखा, साथ ही परिवार के सदस्यों की बातों और आ रही रिपोर्टों से यही संकेत मिलता है कि सरकार द्वारा फर्जी एनकाउंटर करवाने की एक लगातार साजिश चल रही है। उन्होंने कहा कि आज हम एक बेहद खतरनाक और संवेदनशील मुद्दा उठा रहे हैं, जो हमारे देश की संस्कृति, संविधान, विधायिका और स्वस्थ सामाजिक सोच के लिए एक चुनौती बन गया है। यह मुद्दा 'फर्जी मुठभेड़ों' का है। फर्जी मुठभेड़ें हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ एक बड़ी साजिश हैं, जो संविधान में निहित कानून के शासन और सामाजिक न्याय को पूरी तरह से नकारती हैं।

उन्होंने कहा कि ये सरकार भेदभाव, अन्याय कर रही है, बुलडोजर का सहारा ले रही है और हर काम में गुनहगार सरकार है। अगर कहीं भी महिलाएं, बेटियां असुरक्षित हैं तो वह भाजपा शासित प्रदेशों में हैं। अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए भाजपा बुलडोजर कार्रवाई करती है। भाजपा सरकार एनकाउंटर के बहाने पीडीए को डराकर उसका हक मारना चाहती है और जाति-धर्म को देखकर एनकाउंटर कराती है।

उन्होंने कहा कि जिन बच्चों को आज लैपटॉप मिले हैं, मैं उन सभी को शुभकामनाएं देता हूं। हमारी पार्टी के नेताओं ने लैपटॉप की व्यवस्था की है और आज हम सभी को उन बच्चों को सम्मानित करने का मौका मिला।

मंत्री सिरसा ने यमुना को प्रदूषण मुक्त बनाने को लेकर की समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने ओखला में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कॉमन इफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट्स (सीईटीपीएस) का निरीक्षण कर यमुना को प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में अहम समीक्षा की। उन्होंने कहा कि औद्योगिक कूड़ा यमुना के प्रदूषित होने की भी एक बड़ी वजह है और सीईटीपीएस ही वो जगह हैं, जहां इस प्रदूषण को नदी में गिरने से पहले रोका जा सकता है। सिरसा ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि पिछले 25 वर्षों में सीईटीपीएस को अपग्रेड करने को लेकर पिछली सरकारों ने वादे बहुत किए, लेकिन जमीन पर कोई काम नहीं हुआ। उन्होंने

कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हमारी सरकार का पूरा ध्यान इस प्रणाली को अपग्रेड करने, बेहतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने और इन्हें प्रभावी तरीके से संचालित करने पर है, ताकि सीईटीपी के माध्यम से यमुना में जाने वाला पानी साफ होकर जाए। सिरसा ने बताया कि इसी कड़ी में राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान द्वारा एक सर्वे भी कराया जा रहा है, ताकि टेक्नोलॉजी को अपग्रेड कर इन प्रणालियों को और असरदार बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि जब सीईटीपीएस सही तरीके से काम करेंगे, तभी मां यमुना को नया जीवन मिलेगा।

मोदी सरकार के 12 साल: उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने भारत की एक दशक की विकास यात्रा को सराहा

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने पिछले एक दशक में देश के सभी क्षेत्रों में हुई वृद्धि और प्रगति की प्रशंसा की, जिसमें गरीबी उन्मूलन से लेकर बुनियादी ढांचे के विकास व्यापक जन कल्याण कार्यक्रमों तक शामिल हैं। इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बयान दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने उपराष्ट्रपति के एक्स पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए कहा कि जैसे-जैसे भारत अमृतकाल में आगे बढ़ रहा है, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन सरकार की उन कोशिशों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे देश भर के लोगों, खासकर नारी शक्ति, युवाओं और किसानों को फायदा हुआ है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद, तिरुवल्लुवर और सुब्रमण्यम भारती से प्रेरणा लेते हुए वह सभी से 2047 तक एक विकसित भारत बनाने के लिए मिलकर कोशिश करने की अपील करते हैं। देश के मजबूत विकास सूचकांक और उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं के प्रति उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन की प्रशंसा ऐसे समय में सामने आई है, जब नरेंद्र मोदी सरकार ने केंद्र में सत्ता के 12 साल पूरे कर लिए हैं। इससे पहले उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा, 'पिछले दशक में भारत में हुई प्रगति ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है।' उन्होंने आगे कहा कि अगर भारत अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करते हुए दुनिया के लिए 'विश्वगुरु या मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है तो उन्हें आश्चर्य नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद, जो वैश्विक विकास के दृष्टिकोण को बाधित करने की धमकी दे रही हैं, देश जबरदस्त दृढ़ संकल्प और जोश के साथ आगे बढ़ रहा है, और उन्होंने युवाओं, महिलाओं, छात्रों और किसानों सहित विभिन्न क्षेत्रों में सरकार की कई उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने समावेशी विकास मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि 25 करोड़ भारतीयों को गरीबी से बाहर निकाला गया है, 12 करोड़ लोगों को पाइप से पानी उपलब्ध कराया गया है और स्वच्छ भारत पहल के तहत 60 करोड़ से अधिक लोगों को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अवसर मिला है। उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की गरीब कल्याण योजना की भी सराहना की, जिसके तहत 80 करोड़ लोगों को हर महीने 5 किलो अनाज मुफ्त में उपलब्ध कराया जा रहा है, और आयुष्मान भारत योजना को 'गेमचेंजर' बताया, जिसने 40 करोड़ से अधिक लोगों को चिकित्सा बीमा कवर प्रदान किया है।

उन्होंने कहा कि देश के किसानों ने भारत को विश्व के दूसरे सबसे बड़े खाद्य उत्पादक के रूप में स्थापित किया है, जिससे भारत चावल का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया है, और उन्होंने आशा व्यक्त की कि 'महिला शक्ति' जल्द ही इस महत्वपूर्ण यात्रा में अपना योगदान देगी। उन्होंने एनडीए सरकार के 12 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आधिकारिक पोर्टल पर लिखे एक लंबे ब्लॉग पोस्ट में कहा, '3 करोड़ से अधिक महिलाएं लखपति दीदी और नमो ड्रोन दीदी बन चुकी हैं। देशभर में यात्रा करते समय जब मैं लखपति दीदी और नमो ड्रोन दीदी से मिलता हूं तो मुझे हमारी बहनों के चेहरों पर आशा की किरण दिखाई देती है।' जम्मू-कश्मीर में चेनाब पुल को नए युग के बुनियादी ढांचे और सीमावर्ती क्षेत्रों तथा दूरस्थ स्थानों पर सड़कों और राजमार्गों के बड़े पैमाने पर निर्माण में एक इंजीनियरिंग चमत्कार बताते हुए उन्होंने कहा कि ये विकास प्रधानमंत्री द्वारा स्वयं प्रगति योजना के तहत की गई कड़ी निगरानी के कारण संभव हुए हैं। उपराष्ट्रपति ने आतंकवाद और उग्रवाद विरोधी अभियानों के प्रति सरकार के जीरो-टॉलरेंस दृष्टिकोण की भी प्रशंसा की और कहा कि साहसिक नीतिगत निर्णयों ने पहली बार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को मुख्यधारा के विकास से जोड़ने का अवसर प्रदान किया है।

सीबीएसई पेमेंट गेटवे सुधारने के लिए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने चार सरकारी बैंकों को दिए निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम के बाद लाखों छात्रों ने री-इवैल्यूएशन के लिए आवेदन किया है। हालांकि, इस दौरान छात्रों को तकनीकी दिक्कतों और खासतौर पर पेमेंट फेल होने की शिकायतों का सामना करना पड़ा है। इस समस्या को देखते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने चार प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की। यह बैठक सीबीएसई की भुगतान प्रणाली को अधिक सुरक्षित, तेज और छात्र हितैषी बनाने के उद्देश्य की गई थी। इस बैठक में भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक और इंडियन बैंक के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य सीबीएसई की पेमेंट गेटवे प्रणाली में व्यापक सुधार करना था, ताकि छात्रों को परीक्षा परिणामों के बाद विभिन्न सेवाओं के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी परेशानी का सामना न करना पड़े। बता दें कि सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा की उत्तरपुस्तिका के मूल्यांकन व पुनर्मूल्यांकन व्यवस्था को लेकर कई छात्र, शिक्षक व अभिभावक अपनी चिंता व्यक्त कर रहे हैं। इस विषय पर

देशभर में कई विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और शिक्षा जगत से जुड़े लोगों के बीच व्यापक असंतोष और चर्चा का माहौल है। दरअसल, इस वर्ष 12वीं बोर्ड परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन 'ऑन-स्क्रीन मार्किंग' प्रणाली के जरिए किया गया है।

कई छात्रों का कहना है कि उनकी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन सही से नहीं हो पाया, जिसके कारण वे पुनर्मूल्यांकन व डिजिटली स्कैन की गई कॉपी के लिए आवेदन कर रहे हैं। वहीं, कई छात्रों ने पुनर्मूल्यांकन व्यवस्था को लेकर प्रश्न उठाए हैं। कई छात्रों का कहना है कि डिजिटली स्कैन व शेयर की गई कॉपी उनकी है ही नहीं। परीक्षा परिणाम आने के बाद बड़ी संख्या में छात्र रिजल्ट के प्रति असंतोष व्यक्त किया।

छात्रों ने अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की पुनर्मूल्यांकन के लिए भी आवेदन किया है। हालांकि, कई बार छात्रों को पुनर्मूल्यांकन के लिए फीस जमा करवाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। छात्रों की शिकायत है कि पुनर्मूल्यांकन की ऑनलाइन पेमेंट बार बार फेल हो रही है।

शिक्षा मंत्री ने बैंक अधिकारियों संग हुई बैठक में कहा कि सीबीएसई की पोस्ट-एग्जाम सेवाओं, जैसे उत्तर पुस्तिकाओं की फोटोकॉपी प्राप्त करना, पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करना तथा अन्य शुल्क आधारित प्रक्रियाओं के लिए एक मजबूत, भरोसेमंद और सुचारु डिजिटल भुगतान प्रणाली विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बैंकों को निर्देश दिया कि वे सीबीएसई के साथ मिलकर ऐसी भुगतान व्यवस्था तैयार करें जिसमें लेनदेन समय पर और सुरक्षित तरीके से हो सके। किसी भी भुगतान संबंधी समस्या का तत्काल समाधान उपलब्ध कराया जा सके।

पार्षदों को विकास कार्य करने में नहीं आएगी फंड की दिक्कत : सत्या शर्मा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि वार्ड स्तर पर विकास कार्यों में किसी प्रकार की वित्तीय बाधा नहीं आने दी जाएगी। इसी उद्देश्य से पार्षद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि की पहली किस्त के रूप में प्रत्येक वार्ड के लिए 50 लाख रुपये जारी कर दिए गए हैं, जबकि अन्य मदों की राशि भी जल्द जारी की जाएगी। सत्या शर्मा ने कहा कि भाजपा शासित एमसीडी ने विकास कार्यों को गति देने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2025-26 के बजट में पार्षद निधि को 1.55 करोड़ रुपये से बढ़ाकर दो करोड़ रुपये करने की घोषणा की गई थी और अब उसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एमसीडी आयुक्त द्वारा जारी पहली किस्त 50 लाख रुपये की है, जिसे चार चरणों में जारी किया जाएगा। इससे विकास कार्यों की निगरानी, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। उनके अनुसार पार्षद अब अपने क्षेत्रों में सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट, पार्क और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्य बिना किसी वित्तीय दिक्कत के तेजी से करा सकेंगे। सत्या शर्मा ने कहा कि मानसून को देखते हुए निगम प्रशासन का मुख्य फोकस बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर है। इसी क्रम में सिविल कार्यों के लिए 40 लाख रुपये, इलेक्ट्रिकल कार्यों के लिए 5 लाख रुपये और हॉर्टिकल्चर कार्यों के लिए 5 लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं। इन राशियों का उपयोग सड़कों की मरम्मत, गड्ढों को भरने, मैनहोल कवर बदलने, नालों की सफाई, स्लैब लगाने, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था सुधारने और पार्कों के रखरखाव जैसे कार्यों में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान जलभराव, टूटी सड़कें और गंदगी जैसी समस्याएं आम लोगों के लिए बड़ी चुनौती बनती हैं। ऐसे में पार्षदों को समय रहते पर्याप्त फंड उपलब्ध कराना जरूरी था, ताकि हर वार्ड में मरम्मत और विकास कार्य समय पर पूरे किए जा सकें। स्थायी समिति अध्यक्ष ने कहा कि निगम प्रशासन केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि जनता को जमीनी स्तर पर राहत पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। पार्षद जनता के सबसे नजदीकी जनप्रतिनिधि होते हैं और उन्हें मजबूत किए बिना स्थानीय विकास संभव नहीं है।

वैभव सूर्यवंशी ने खेली ऐतिहासिक पारी, क्रिस गेल का एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड टूटा

जयपुर (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क = वैभव सूर्यवंशी ने IPL 2026 के एलिमिनेटर मुकाले में सनराइजर्स हैदराबाद ऐतिहासिक पारी खेलते हुए क्रिस गेल का एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सूर्यवंशी ने 60 छक्कों के साथ गेल को पीछे छोड़ा और अब IPL के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के हो गए हैं। गेल ने 2012 में यह रिकॉर्ड बनाया था जो 14 सालों के बाद टूटा है।

सूर्यवंशी ने 29 गेंदों पर 97 रन की शानदार इनिंग खेलते हुए यह रिकॉर्ड अपने नाम किया है जिसमें 5 चौके और 12 छक्के शामिल थे। गेल ने 2012 में IPL में 59 छक्के लगाए थे। वहीं इस लिस्ट में आंद्रे रसेल का नाम भी है जिन्होंने 2019 में 52 छक्के लगाए थे। लिस्ट में चौथे नम्बर पर एक बार फिर गेल हैं जिन्होंने 2013 में IPL के एक सीजन में 51 छक्के लगाए थे। लिस्ट में पांचवें खिलाड़ी जोस बटलर हैं जिन्होंने 2022 में 45 छक्के लगाए थे।

एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा छक्के

60* - वैभव सूर्यवंशी (2026)
59 - क्रिस गेल (2012)
52 - आंद्रे रसेल (2019)
51 - क्रिस गेल (2013)
45 - जोस बटलर (2022)

वैभव सूर्यवंशी का IPL 2026 में रिकॉर्ड

सूर्यवंशी ने 16 मैचों की 16 इनिंग्स में 704 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका हाइएस्ट 103 रहा है। उन्होंने 45.33 की औसत और 242.85 की स्टाइक रेट से ये रन बनाए जिसमें एक शतक और 5 अर्धशतक लगाए हैं।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप के लिए सुदर्शन और पर्पल कैप के लिए भुवनेश्वर सबसे आगे

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र में अब सबसे अधिक रनों के लिए मिलन वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के लिए मुकाबला अंतिम दौर में पहुंच गया है। ऑरेंज कैप की दौड़ में अभी भी गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन नंबर एक पर बने हुए हैं। सुदर्शन के अभी तक सबसे अधिक 652 रन हैं। वहीं दूसरे नंबर पर गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल है। नंबर एक जबकि गिल 618 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं सनराइजर्स के हेनरिक क्लासेन 606 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। आरसीबी के विराट कोहली के इस सत्र में कुल रन 600 हो गए और उन्होंने इस प्रकार दिल्ली कैपिटल्स केएल राहुल को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान हासिल कर लिया। राहुल 593 रन बनाकर पांचवे नंबर पर हैं।

वहीं सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची में आरसीबी के तेज भुवनेश्वर कुमार 26 विकेट लेकर पहले। वहीं गुजरात के केसिगो रबाडा भी 26 विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं। रबाडा इकॉनमी 13.50 रही। भुवनेश्वर इससे बेहतर इकॉनमी रेट के कारण पहले नंबर पर हैं। राजस्थन रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर 21 विकेट लेकर तीसरे जबकि सीएसक के अंशुल कंबोज भी 21 विकेट लेकर चौथे नंबर पर हैं। गुजरात के राशिद खान 14विकेट लेकर पांचवे नंबर पर हैं।

शुभमन ने हार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया

धर्मशाला (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल आईपीएल 2026 के पहले क्वालिफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली हार से निराश नजर आये। शुभमन ने इस बार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया। साथ कहा कि उनकी टीम दबाव का सामना ठीक से नहीं कर पायी। इस मैच में गुजरात टाइटंस की टीम बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए ढ़ह गयी और उसे 92 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 254 रन बनाये थे। जिसके बाद गुजरात केवल 162 रन ही बना पायी।

शुभमन ने टीम की बार के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी टीम मैच में बनी हुई थी पर कई अवसरों पर हुई गलतियों ने मुकाबला उनके हाथ से फिसल गया। साथ ही कहा कि 12वें-13वें ओवर तक उनकी टीम मुकाबले में थी पर जिस प्रकार से कैच गिरे उससे विरोधी टीम हावी हो गयी। शुभमन ने कहा, मुझे लगता है कि हम 12वें-13वें ओवर तक मैच में अच्छी स्थिति में थे। हमारी फील्डिंग बिल्कुल स्तर के अनुसार नहीं थी हालांकि हम ये मैच भूलकर अब दूसरे क्वालीफायर में जीतने का प्रयास करेंगे। उन्होंने साथ हीकहा, दबाव वाले मौकों पर हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। हमार शुरुआत ही अच्छी नहीं रही। आउटफील्ड तेज थी, लेकिन जिस तरह पिच खेल रही थी, उस हिसाब से लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। टीम के लक्ष्य तक नहीं पहुंचने का एक कारण बल्लेबाज साई सुदर्शन का बदकिस्मती से हिट-विकेट आउट होना भी रहा। जिस गेंद पर उन्होंने चौका लगाया, उसी गेंद पर उनका बल्ला विकेट से टकरा गया। इस पर गिल ने कहा, ऐसे विकेट बहुत कम देखने को मिलते हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। टीम की खराब फील्डिंग हार का सबसे बड़ा कारण रही। टीम ने एक ही ओवर में आरसीबी की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले रजत पाटीदार के दो कैच गिरा दिए। पाटीदार ने इन मौकों का पूरा फायदा उठाया और आक्रामक बल्लेबाजी कर केवल 33 गेंदों में नाबाद 93 रन बना दिये जिससे मैच पलट गया। दिए। उनकी पारी में चौकों और छक्कों की बरसात देखने को मिली। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम दबाव में आ गयी और कोई भी बल्लेबाज विकेट पर टिक नहीं पाया।

रैना ने शुभमन और सुदर्शन की जोड़ी को आईपीएल की सबसे अच्छी जोड़ी बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने गुजरात टाइटंस टीम के कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इनकी जोड़ी आईपीएल इतिहास की सबसे अच्छी सलामी जोड़ी है। रैना ने कहा कि शुभमन और सुदर्शन ने जिस तेजी और निरंतरता के साथ रन बनाए हैं। ऐसा करने में कोई भी दूसरी जोड़ी सफल नहीं रही है। इन दोनों ने साथ मिलकर केवल 46 पारियों में ही तेजी से खेलते हुए 21 बार 50 या उससे अधिक रनों की साझेदारी की है। इससे उनकी आपसी समझ और मैदान पर एक दूसरे के साथ अच्छे तालमेल का पता चलता है।

रैना ने कहा कि इस जोड़ी ने विराट कोहली और क्रिस बेल के अलावा एबी डिविलियर्स और-विराट की जोड़ी को भी पीदे छोड़ दिया है। रैना ने कहा, जहां गेल और कोहली को 21 बार 50 से अधिक रनों की साझेदारी तक पहुंचने में 59 पारियां लगी थीं, वहीं डिविलियर्स और कोहली ने यह उपलब्धि 76 पारियों में हासिल की थी जबकि शुभमन और सुदर्शन ने यह आंकड़ा केलव 46 पारियों में ही हासिल कर लिया।

इन जोड़ी ने आईपीएल के अलावा टी20 क्रिकेट में भी कई बड़े रिकॉर्ड बनाये हैं। इस जोड़ी ने अब तक 10 शतकीय साझेदारियाँ बनायी हैं, और यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह सबसे तेज जोड़ी है। इस जोड़ी ने आईपीएल में बिना कोई विकेट खोये 200 रन के लक्ष्य को भी आसानी से हासिल किया है। इन दोनो ने ही पारी शुरु करते हुए आईपीएल में 2000 से अधिक रन बनाये हैं, और उनकी साझेदारी का औसत 67 से अधिक का है, जो उनकी निरंतरता और एक-दूसरे के प्रति समझ को स्पष्ट रूप से दिखाता है। यह औसत उनकी बल्लेबाजी की गहराई और हर हाल में प्रदर्शन करने की क्षमता भी दिखाता है।

रैना के अनुसार, गिल और सुदर्शन की सबसे बड़ी ताकत उनके बीच की अच्छी समझ और फिटनेस है। उन्होंने समझाया, दोनों बल्लेबाज अविश्वसनीय रूप से फिट हैं और उन्हें अच्छी तरह पता है कि कब आक्रामक होना है और किस गेंदबाज को निशाना बनाना है। एक गेंद की गति का इस्तेमाल करता है, जबकि दूसरा कोण बनाकर शानदार शॉट्स खेलता है, जिससे विपक्षी गेंदबाजों के लिए उन्हें रोकना असंभव हो जाता है। इसका भी सबसे बड़ा लाभ टीम को मिला है।

बुमराह को अब भी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मानते हैं डिविलियर्स

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खराब प्रदर्शन के बाद निशाने पर आये तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का बचाव किया है। डिविलियर्स ने कहा है कि बुमराह अभी भी विश्वकप के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और महज एक सत्र खराब होने से उन्हें खारिज नहीं किया जा सकता है। डिविलियर्स ने माना है कि बुमराह मुंबई इंडियंस की ओर से उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं पर कहा कि इस प्रकार का खराब दौर हर क्रिकेटर के जीवन में आता है पर इसका कतलब ये नहीं कि वे बेकार हो गये। साथ ही कहा कि इससे उनकी गुणवत्ता पर कोई असर नहीं पड़ता और वह जल्द ही अपने पुराने रंग में लौटेंगे। बुमराह के लिए यह सत्र बेहद खराब रहा है। पूरे टूर्नामेंट में वह 13 मैच केवस 4 विकेट ही ले पाये। ये उनके जैसे खिलाड़ी के लिए बेहद निराशाजनक है। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 रहा, जो टी20 क्रिकेट के इतिहास में एक ही टूर्नामेंट में 40 या उससे अधिक ओवर फेंकने वाले गेंदबाज का अब तक का सबसे खराब औसत माना जा रहा है। डिविलियर्स ने बुमराह का बचाव करते हुए कहा कि एक खराब प्रदर्शन किसी भी खिलाड़ी की क्लास को खत्म नहीं कर सकता। उन्होंने जोर देकर कहा, यह बुमराह के आईपीएल करियर का सबसे खराब सत्र रहा, इसमें कोई संदेह नहीं है। उनका औसत 100 से ज्यादा रहा, लेकिन इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। इन सबके बावजूद, मुझे अब भी लगता है कि वह दुनिया के सबसे बेहतरीन गेंदबाज हैं। डिविलियर्स ने बुमराह की क्षमताओं पर अटूट विश्वास व्यक्त किया। साथ ही कहा कि वह जल्द ही अपने पुराने शानदार अंदाज में वापसी करेंगे।

सुमित अंतिल ने इंडियन ओपन अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

बेंगलुरु । स्टार भारतीय पैरा एथलीट सुमित अंतिल ने बुधवार को यहां इंडियन ओपन अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक एफ64 स्पर्धा में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। हरियाणा के सोनीपत के रहने वाले दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता 27 वर्षीय अंतिल ने भाले को 74.82 मीटर की दूरी तक फेंका जो उनके 73.29 मीटर के पिछले विश्व रिकॉर्ड से अधिक है। यह रिकॉर्ड उन्होंने 2022 एशियाई पैरा खेलों में बनाया था। अंतिल पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी स्पर्धा में दबदबा बनाए हुए हैं और उन्होंने निकट भविष्य में 80 मीटर का आंकड़ा पार करने का लक्ष्य भी रखा है। उन्होंने 2020 और 2024 के पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं और 2023, 2024 और 2025 में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का खिताब भी अपने नाम किया है। उन्होंने चीन के हांगझोऊ में हुए 2022 एशियाई पैरा खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था। एफ64 श्रेणी उन एथलीटों के लिए है जिनके निचले अंगों में समस्या होती है और जो कृत्रिम अंग के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं या जिनके पैरों की लंबाई में अंतर होता है। वर्ष 2015 में मोटरसाइकिल दुर्घटना में घायल होने के बाद अंतिल ने घुटने के नीचे अपना बायां पैर गंवा दिया था।

एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप पर हैं मनु की नजरें

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता महिला निशानेबाज मनु आजकल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं। मनु का लक्ष्य इन टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना है। मनु का कहना है कि अभी उनका ध्यान अपना फॉर्म बनाये रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर है। मनु ने दृढ़ता से कहा, इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स हमारे सामने हैं, और हम इन दोनों बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कोच के साथ बैठकें की हैं और आगामी टूर्नामेंट्स तथा अपनी तैयारी की एक संपूर्ण और सुनियोजित रूपरेखा तैयार कर ली है। इससे ये साफ है कि उनकी रणनीति केवल तात्कालिक सफलता पर नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है। उन्होंने पिछले साल 10 मीटर एयर पिस्टल में वर्ल्ड कप रजत पदक जीता और इस साल भी 25 मीटर पिस्टल में एशियन चैंपियनशिप में रजत हासिल किया। अब उनका लक्ष्य एक बार फिर अपनी पुरानी, शीर्ष स्तरीय लय हासिल करना है, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक निर्विवाद मजबूत दावेदार बनाएगी। यह वापसी केवल उनके लिए नहीं, बल्कि भारतीय शूटिंग जगत के लिए भी प्रेरणा का स्रोत होगी। 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का क्वालिफिकेशन चक्र भी इसी साल से शुरू हो रहा है, और मनु भाकर इस पर भी अपनी पैनी निगाहें जमाए हुए हैं। उनका मानना है कि एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े आयोजनों में किया गया दमदार प्रदर्शन न केवल उन्हें वर्तमान सत्र में सफलता दिलाएगा, बल्कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए भी एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करेगा। खेल के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को भी मनु ने साझा किया। उन्होंने 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग की वापसी पर अपनी खुशी व्यक्त की। अपने खेल जीवन के अलावा, मनु ने अपने व्यक्तिगत जीवन में आए एक महत्वपूर्ण बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, मैं अब एक आध्यात्मिक व्यक्ति हूं। यह आध्यात्मिक यात्रा ओलंपिक के दौरान ही शुरू हुई थी, और अब मैं पूरी तरह से इस रास्ते पर आगे बढ़ रही हूं। यह नया दृष्टिकोण उन्हें मानसिक शांति और एकाग्रता प्रदान कर रहा है, जो एक उच्च-स्तरीय एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

एफआईएच प्रो लीग के भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम आगामी एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के यूरोपीय चरण में उतरेगी। हॉकी इंडिया ने इस लीग के लिए बुधवार को 24 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही युवा प्रतिभाओं को भी शामिल किया गया है। जिससे टीम के प्रदर्शन को देखकर आगामी हॉकी विश्व कप की तैयारियों का भी आंकलन किया जा सके।

टीम का यूरोप दौरा बेल्जियम से शुरू होगा, जहां टीम 7 से 9 जून 2026 तक ब्रुसेल्स में एक तैयारी शिविर और एक अभ्यास मैच खेलेगी। इसके बाद, टीम नीदरलैंड्स के रॉटरडैम रवाना होगी, जहां 14 से 21 जून तक जर्मनी और मेजबान नीदरलैंड्स के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग के महत्वपूर्ण मुकाबले होंगे। यूरोपीय चरण के अंत में टीम इंग्लैंड पहुंचेगी यहां उसे 23 से 28 जून तक पाकिस्तान और इंग्लैंड से खेलना है।

टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह और जुगराज सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी रहेंगी। वहीं अमनदीप लाकड़ा जैसे युवा भी इस टीम में शामिल रहेंगे। मिडफील्ड में हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह और विवेक सागर प्रसाद जैसे खिलाड़ी टीम को गति और संतुलन प्रदान करेंगे। आक्रामण की कमान फॉरवर्ड मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक और सेल्वम कार्थी पर रहेगी। टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर सही बताते हुए कहा कि टीम अच्छी लय में है और यूरोप में होने वाले ये मुकाबले विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने आगे कहा, ट्रेनिंग शानदार चल रही है और टीम अच्छी स्थिति में है। जून में नीदरलैंड्स और इंग्लैंड में होने वाले एफआईएच प्रो लीग मुकाबले हमारे लिए एक बड़ी परीक्षा होंगे। इनसे हमें यह जानने में मदद मिलेगी कि विश्व कप की तैयारियों में हम वास्तव में कहां खड़े हैं और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

टीम इस प्रकार है

गोलकीपरः मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार, सूरज करकेरा

डिफेंडर्सः हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, सुमित, संजय, यशदीप सिवाच, अमनदीप लाकड़ा, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह

मिडफील्डर्सः हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरांगथेम

फॉरवर्ड्सः मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक, आदित्य अर्जुन लालगे, दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सेल्वम कार्थी

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया को हराया

पर्थ । भारतीय महिला हॉकी टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए आस्ट्रेलिया को चार मैचों की दोस्ताना श्रृंखला के दूसरे मैच में शूटआउट में 4-2 से हराकर 1-1 से बराबरी की। शानदार शुरूआत के बाद आस्ट्रेलिया ने दसवें मिनट में ओलिविया डोनेस के गोल के दम पर बढत बना ली। भारत ने कई मौके बनाये और पेनल्टी कॉर्नर अर्जित करके आस्ट्रेलिया को दबाव में रखा। भारत के लिए सुशीला चानू ने 46वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। शूटआउट में भारत के लिए नवनीत कौर, इशिका चौधरी, अन्नु और रूतुजा पिसल ने गोल दागे। तीसरा मैच शुक्रवार को खेला जाएगा।

फ्रेंच ओपन के अगले दौर में पहुंचे सिनर और सबालेंका, मेदवेदेव बाहर हुए

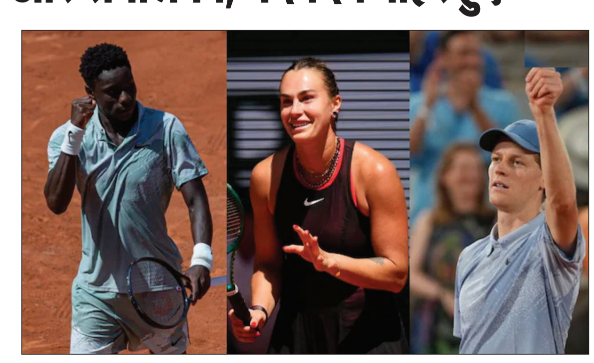

पेरिस । यहां रौला गैरा में शुरु हुए फ्रेंच ओपन टेनिस में विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी इटली के जैनिक सिनर और महिला वर्ग में बेलारुस की आर्यका सबालेंका जीत के ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। वहीं रुस के टेनिस स्टार डेनिल मेदवेदेव उलटफेर का शिकार बने हैं। पुरुष वर्ग में के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर ने फ्रांस के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी क्लेमेंट टैबुर को 6-1, 6-3, 6-4 से आसानी से मात दी। इस प्रभावशाली जीत के साथ, सिनर की लगातार जीत ने अपना लगातार 30 मैच जीता है। इससे वह वह अपने करियर के एकमात्र ग्रैंडस्लैम खिताब को जीतने की ओर बढ़ रहे हैं। वहीं रुस के मेदवेदेव को ऑस्ट्रेलिया के 97वीं रैंकिंग वाले एडम वाल्टन ने पांच सेट तक चले कड़े मुकाबले में 6-2, 1-6, 6-1, 1-6, 6-4 से हराकर सबको हैरान कर दिया। यह लगातार दूसरा साल है जब मेदवेदेव फ्रेंच ओपन के पहले दौर से बाहर हुए हैं। पुरुष वर्ग के अन्य मैचों में, यूनान के स्टार खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास ने फ्रांस के अलेक्जेंडर मुलर को 6-2, 3-0 से हराया। एक अन्य मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक को जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ ने 7-5, 6-7(6), 6-4, 7-5 से हरा दिया। दूसरी ओर सबालेंका ने महिला एकल मुकाबले में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 के सीधे सेटों में हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। सबालेंका ने मैच के दौरान अपना दबदबा बनाए रखा और उसने विरोधी खिलाड़ी को वापसी करने का कोई अवसर नहीं दिया। एक अन्य मुकबले में अमेरिका की कोको गॉफ ने टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-0 से हराया, जबकि चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने लॉरा सीगमंड को 6-3, 7-6(3) से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

आरसीबी ने जीत से दिखाया कि नॉकआउट मैच में आपको इसी तरह के प्रदर्शन की जरूरत होती है :कुंबले

धर्मशाला (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने क्वालिफायर 1 में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 92 रनों की जीत के साथ आईपीएल के फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। जियो स्टार एक्सपर्ट अनिल कुंबले ने RCB की शानदार जीत का विश्लेषण किया और रजत पाटीदार की बेहतरीन कप्तानी पर बात की।

कुंबले ने RCB की जीत का विश्लेषण करते हुए कहा, 'टॉस हारने के बाद RCB ने बोर्ड पर 254 रनों का विशाल स्कोर खड़ा करके अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। किसी भी मैच में इतने रन बनाना मुश्किल होता है, लेकिन प्लेऑफ में ऐसा करना असली हिम्मत दिखाता है। पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी, लेकिन आरसीबी के बल्लेबाजों को फिर भी मैदान पर उतरकर अपना काम करना था। उन्होंने यह काम शानदार ढंग से किया, जिसमें रजत पाटीदार ने आगे बढ़कर कप्तानी की और विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने भी अच्छा योगदान दिया।'

कुंबले ने कहा, 'जब RCB गेंदबाजी करने उतरी, तो उन्होंने GT के ओपनर्स को जमने नहीं दिया। उन्होंने कसी हुई लाइन पर गेंदबाजी की, दबाव बनाए रखा, और साई सुदर्शन के दुर्भाग्यपूर्ण आउट होने से उन्हें शुरुआती सफलता मिल गई। उस विकेट ने जीत के दरवाज़े खोल दिए। वहां से RCB के गेंदबाजों ने मैच पर पूरी तरह से नियंत्रण कर लिया। यह शुरू से लेकर अंत तक एक बेहतरीन प्रदर्शन था। गेंदबाजी, बल्लेबाजी, फील्डिंग - उस रात RCBके लिए सब कुछ एकदम सही रहा। वे सिर्फ जीते ही नहीं; उन्होंने एक बयान दिया है। नॉकआउट मैच में आपको इसी तरह के प्रदर्शन की ज़रूरत होती है।'

रजत पाटीदार की पारी और कप्तानी पर कुंबले ने कहा, 'एक खिलाड़ी अपने साथियों का सम्मान तब कमाता है, जब वह बड़े मैच में अच्छा प्रदर्शन करता है। रजत पाटीदार ने ठीक यही किया है। यह पहला क्वालिफायर आरसीबी के लिए बहुत बड़ा मैच था। पहला क्वालिफायर जीतकर सीधे फाइनल में पहुँचने से आपको बहुत बड़ा फायदा मिलता है। तीन या चार दिन का आराम खिलाड़ियों को मानसिक और शारीरिक रूप से ठीक होने का मौका देता है।'

उन्होंने कहा, 'पहला क्वालिफायर जीतने का यही एक बड़ा फायदा है। रजत ने कप्तान के तौर पर शानदार काम किया है। लेकिन RCB की जो बात सबसे अलग है, वह यह है कि अलग-अलग मैचों में अलग-अलग खिलाड़ी आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेते हैं। हर मैच में, कोई नया खिलाड़ी 'मैन ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीतता है। पिछले सीजन में जब उन्होंने खिताब जीता था, तब भी ठीक यही हुआ था। जब हर कोई अपना योगदान देता है, तो आप एक चैंपियन टीम बन जाते हैं। जीटी के खिलाफ इस मैच में, हर गेंदबाज ने विकेट लिए। किसी एक या दो खिलाड़ियों पर ही पूरी तरह निर्भरता नहीं थी। बल्लेबाजी जोरदार रही, गेंदबाज़ी अनुशासित थी, और फील्डिंग भी चुस्त थी। यह उस टीम की पहचान है, जो बड़े मैच जीतना जानती है।'

यूनिटी कप फुटबॉल में 27 मई को भारत का मुकाबला जमैका से होगा

लंदन । भारतीय सीनियर पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम आजकल यूनिटी कप 2026 में भाग लेने इंग्लैंड गयी हुई है। भारतीय टीम यहां अपना पहला मुकाबला भारतीय समयानुसार 27 मई की रात को दूसरे सेमीफाइनल में जमैका से खेलेगी। ये 24 साल बाद पहला अवसर है जब भारतीय टीम इंग्लैंड की धरती पर कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेगी। इससे पहले आखिरी बार भारतीय फुटबॉल टीम ने साल 2002 में इंग्लैंड में मैच खेला था। ऐसे में इस मैच को लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह है। फीफा रैंकिंग में अभी भारतीय टीम 136वें स्थान पर है, जबकि जमैका 71वें स्थान पर है। वहीं, पहले सेमीफाइनल में नाइजीरिया और जिम्बाब्वे की टीमें टकरायेंगी। नाइजीरिया की टीम फीफा रैंकिंग में 26वें स्थान पर एक मजबूत दावेदार है, जबकि जिम्बाब्वे 130वें नंबर पर मौजूद है। इस टूर्नामेंट का प्रारूप ऐसा है कि सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमें तीसरे स्थान के लिए भी प्ले-ऑफ मैच खेलेंगी, जिससे सभी टीमों को कम से कम दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का मौका मिलेगा। सभी मुकाबले लंदन के द वैली स्टेडियम में खेले जाएंगे। ऐसे में भारतीय टीम के लिए यह इंग्लैंड में अपनी क्षमताओं को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्य कोच खालिद जमील की ये पहली परीक्षा होगी। इस टूर्नामेंट से पहले भारती टीम ने राष्ट्रीय कैंप में भी अभ्यास किया था।

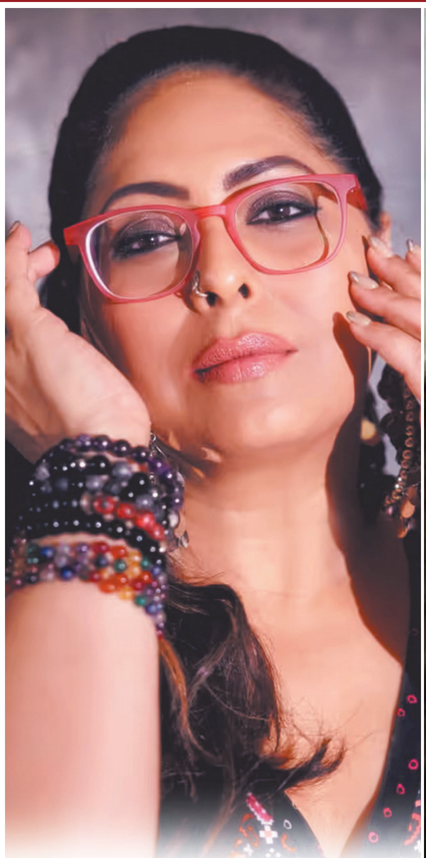

नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़े रहना चाहिए

जानी-मानी कोरियोग्राफर और रियलिटी शोज की जज गीता कपूर 6 जून से शुरू होने वाले रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में बतौर जज नजर आएंगी। इससे पहले बातचीत के दौरान गीता ने नए सीजन, रियलिटी शोज में आए बदलाव, सोशल मीडिया के असर और स्क्रिप्टेड कंटेंट को लेकर खुलकर अपनी राय रखी।

नए सीजन और पैनल की बात करते हुए गीता कपूर ने नए जज जावेद जाफरी के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा, 'इस बार पैनल का पूरा माहौल अलग है। चौथे जज के तौर पर जावेद जाफरी जुड़े हैं। उनके पास बहुत अनुभव है। डांस और फिल्ममेकिंग की गहरी समझ है। खास बात ये भी है कि मैं उनके साथ लगभग 35 साल पहले काम कर चुकी हूं, इसलिए उनके साथ बैठना भी अपने आप में नया अनुभव है।' शो में इस बार क्या अलग होने वाला है? इस पर गीता ने कहा, 'इस बार शो में बहुत ज्यादा रीमिक्स गाने नहीं होंगे। आप गानों को लगभग उनके असली रूप में सुनेंगे। पहले बॉलीवुड डांस में वेस्टर्न स्टाइल का तड़का लगाया जाता था, लेकिन इस बार बॉलीवुड डांस अपने असली अंदाज में नजर आएगा।'

नई पीढ़ी और इंडियन कल्चर पर बात करते हुए गीता कपूर ने कहा, 'मुझे लगता है कि इतने साल तक हमने दुनिया भर से इंस्पिरेशन लेकर बॉलीवुड गानों पर अलग-अलग डांस स्टाइल्स दिखाए। लेकिन कहीं न कहीं हम भूल गए कि हमारी अपनी संस्कृति और हमारे गानों में भी कितनी खूबसूरती है। आज की नई पीढ़ी बाहर की चीजों से बहुत प्रभावित है, इसलिए यह जरूरी है कि वे अपनी जड़ों और अपनी कल्चर से भी जुड़ी रहें।'

लोगों का अटेंशन स्पैन बहुत छोटा हो गया है

रियलिटी शोज में आए बदलावों पर बात करते हुए गीता कपूर ने कहा, 'सोशल मीडिया का असर बहुत ज्यादा बढ़ गया है। लोगों का अटेंशन स्पैन बहुत छोटा हो गया है। कुछ देखते ही लोग कह देते हैं कि ये तो देख लिया या अब बोर हो गए, कुछ और देखते हैं। पहले तीन-चार मिनट की परफॉर्मेंस लोगों को बांधकर रखती थी, लेकिन अब ऐसा करना मुश्किल हो गया है।'

रकुल प्रीत सिंह ने रिश्ते में धोखे पर रखी बात

रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपनी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ठीक ठाक प्रदर्शन कर रही है। इस बीच अभिनेत्री ने बेवफाई के मुद्दे पर अपनी राय रखी है।

रिश्तों के बारे में खुलकर बात करते हुए, एक्ट्रेस ने माना कि एक बार की गलती को कभी-कभी माफ किया जा सकता है। अभिनेत्री का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब जैकी भगनानी ने अपनी और रकुल प्रीत सिंह की शादी को सिचुएशनशिप बताया था।

रिश्ते में धोखा देना स्वीकार्य नहीं

हाल ही में रकुल प्रीत ने द बॉम्बे जर्नी के साथ बातचीत में उनसे पूछा गया कि क्या किसी रिश्ते में धोखा देना कभी स्वीकार्य हो सकता है, तो रकुल ने तुरंत नहीं में जवाब दिया।

बेवफाई पर बोली रकुल

इसके बाद, रकुल प्रीत ने कहा, 'यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि गलती कितनी बड़ी है। गलती की हद क्या है? रकुल ने आगे कहा 'अगर किसी से एक बार गलती हो जाती है, तो जिंदगी इतनी लंबी है कि एक गलती के लिए किसी को माफ न करना सही नहीं है। कृपया ध्यान दें। यह बात मेरे निजी रिश्ते पर लागू नहीं होती।' रकुल ने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि अगर कोई माफ करता है, तो उसे आखिरकार उस गलती को भूलना ही पड़ता है।

जैकी भगनानी ने दिया था बयान

यह सब तब हुआ, जब कुछ दिन पहले ही रकुल और उनके पति जैकी भगनानी की निजी जिंदगी चर्चा का विषय बन गई थी। इसकी वजह जैकी का अपनी शादी को लेकर दिया गया सिचुएशनशिप वाला बयान था। बातचीत में जैकी ने कहा रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हम एक तरह की 'सिचुएशनशिप' में हैं। इसका मतलब है कि हम एक-दूसरे के लिए पूरी तरह से समर्पित हैं। इसीलिए तो हमने शादी की है। सबसे जरूरी बात यह है कि मैं उनसे किसी भी चीज के बारे में बात कर सकता हूं।'

रकुल ने शेयर किया वीडियो जैकी के इस बयान पर तुरंत प्रतिक्रियाएं आने लगीं। कई लोगों ने इस बयान को गलत समझ लिया। बाद में रकुल ने एक मजाकिया वीडियो के जरिए इस मामले पर बात की। वीडियो में उन्होंने जैकी से कान पकड़वाए और मजाक में कहा, 'इसे कितनी बार बोला है कि हम मिलेनियल्स हैं, जेन जी बनने की कोई जरूरत नहीं है! बोला था ना?' जैकी उनके बगल में खड़े कान पकड़े हुए नजर आए। फिर वह मुस्कुराए और 'सॉरी' कहा।

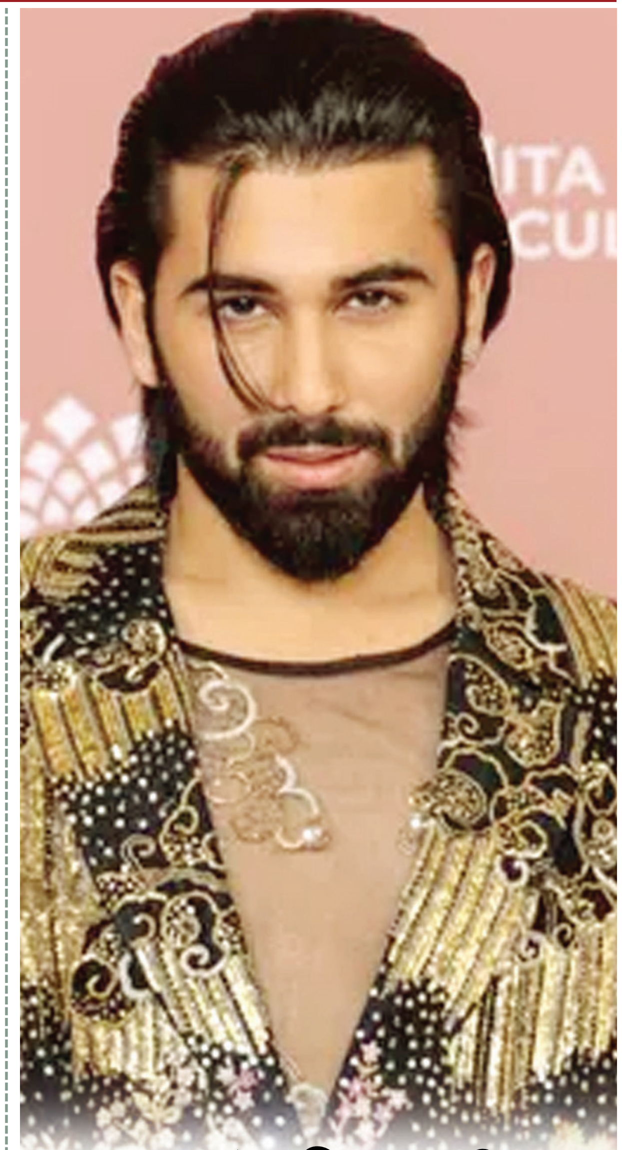

खतरों के खिलाड़ी 15 डेब्यू होने के साथ-साथ रिटायरमेंट भी होगा

सोशल मीडिया पर छाए रहने वाले ओरी अब रियलिटी टीवी शो की दुनिया में कदम रखने को तैयार हैं। ओरी, रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी टीवी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 15वें सीजन में नजर आएंगे। उन्होंने मजाक में कि यह उनका डेब्यू होने के साथ-साथ रिटायरमेंट भी होगा। बातचीत में ओरी ने खुलकर अपनी तैयारियों और भावनाओं के बारे में बताया। उन्होंने साफ कहा कि यह उनका पहला वास्तविक रियलिटी शो अनुभव होगा। ओरी ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'मैं एक 'रियलिटी शो वर्जिन' हूं। यह मेरा डेब्यू भी होगा और मेरा रिटायरमेंट भी।' उन्होंने बताया कि वह पहले बिग बॉस में सिर्फ एक दिन के लिए गए थे, इसलिए उसे वह रियलिटी शो का वास्तविक अनुभव नहीं मानते। ओरी ने अपनी तैयारी को लेकर एक दिलचस्प और चौंकाने वाला खुलासा भी किया। उन्होंने बताया कि शो की तैयारी के तौर पर उन्होंने 'बिकनी वैक्स' भी करवाया है। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मैं इसके लिए बहुत ज्यादा उत्साहित हूं। मैं पैदाइशी ही ऐसा हूं। मैं इतना उत्साहित हूं कि मैंने बिकनी वैक्स भी करवा लिया। आप इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि मेरा उत्साह कितना है।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या यह दर्द सहन करने की उनकी परीक्षा थी, तो ओरी ने जवाब दिया, 'हां, यह इस बात की परीक्षा थी कि मैं कितना दर्द सहन कर सकता हूं। अब मुझे लगता है कि बिजली के झटकों से भी मुझे कोई तकलीफ नहीं होगी। अगर कोई स्विमिंग टास्क आया तो मैं आसानी से तैर लूंगा।' ओरी ने आगे कहा कि बहुत से लोग इस शो में अपने डर पर काबू पाने के लिए आते हैं, लेकिन उनके लिए यह शो यह जानने का मौका है कि क्या अब भी उन्हें किसी चीज से डर लगता है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरी जिंदगी पहले ही काफी थकाने वाली रही है। अब यह शो बताएगा कि मेरे अंदर अभी भी कोई डर बचा है या नहीं। असली जवाब तो शो में ही मिलेगा।'

खतरों के खिलाड़ी शो मेरे दिल के बहुत करीब है

मशहूर फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी एक बार फिर कलर्स टीवी के लोकप्रिय स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' से होस्ट के तौर पर वापसी कर रहे हैं। उन्होंने दर्शकों के बीच शो को लेकर उत्सुकता जाहिर करते हुए पोस्ट शेयर किया। निर्देशक रोहित शेट्टी ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'इस शो के होस्ट के तौर पर मेरा यह 10वां सीजन है और यह शो मेरे दिल के बहुत करीब है। इतने सालों से मुझे और इस शो को इतना प्यार देने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद। 'खतरों के खिलाड़ी' सीजन 15 जल्द आ रहा है। बता दें कि इस सीजन की शूटिंग साउथ अफ्रीका के केपटाउन में शुरू हो चुकी है।

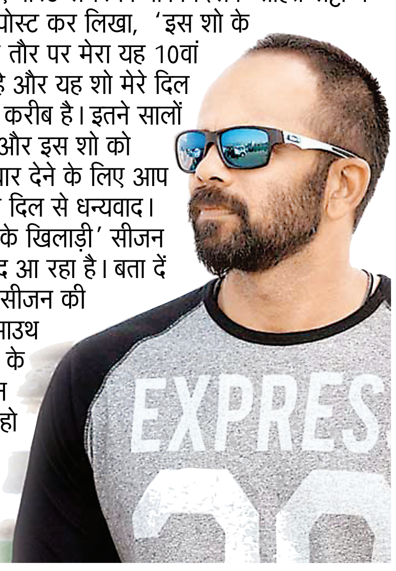

ईमानदारी से काम किया तो मुश्किलें अपने आप दूर हो जाती हैं

लोकप्रिय टीवी शो 'अनुपमा' में राही का किरदार निभा रही अभिनेत्री अद्रिजा रॉय को उनके इस किरदार में काफी पसंद किया जा रहा है। इस बीच अभिनेत्री ने काम को लेकर अपने विचार प्रशंसकों के सामने रखी। अद्रिजा का स्पष्ट मानना है कि ईमानदारी और कड़ी मेहनत के साथ अगर आप पूरी लगन से अपना काम करते हैं तो राह में आने वाली मुश्किलें और बाधाएं अपने आप दूर हो जाती हैं। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में अद्रिजा रॉय ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि टीवी शो 'अनुपमा' में उनकी एंट्री के बावजूद वे हमेशा से जानती थीं कि यह शो रूपाली गांगुली के किरदार 'अनुपमा' के इर्द-गिर्द घूमता है। उन्होंने कहा, ''जब मुझे नई पीढ़ी के लीप के लिए संपर्क किया गया तो मैं बेहद उत्साहित थी। 'अनुपमा' अपने आप में एक ब्रांड है। इतने बड़े और सफल शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है। मुझे जो भूमिका और जगह दी गई, उससे मैं पूरी तरह संतुष्ट और खुश हूं।'' वे मानती हैं कि सफलता की राह में चुनौतियां आती हैं, लेकिन सही मंशा और मेहनत के साथ हर मुश्किल आसान हो जाती है। उन्होंने बताया कि वह शोहरत, टीआरपी या रैंकिंग की बजाय अपने काम और परफॉर्मेंस पर पूरा ध्यान देती हैं। अद्रिजा ने बताया, ''मेरा हमेशा से मानना है कि ईमानदारी से अपना काम किया जाए तो राह में आने वाली मुश्किलें अपने आप ठीक हो जाती हैं। 'अभिनेत्री ने 'अनुपमा' के प्रोड्यूसर राजन शाही की तारीफ करते हुए कहा कि वह सेट पर हर एक्टर को यही सलाह देते हैं कि टीआरपी या रेटिंग के बारे में न सोचें, बस अपनी परफॉर्मेंस पर ध्यान दें। अद्रिजा भी इसी विचार से सहमत हैं। उन्होंने कहा, ''मैं बाहरी दबाव या तनाव को ज्यादा प्रभावित नहीं होने देती। हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती हूं।'' क्ट्रेस का यह भी मानना है कि उनमें और शो के उनके किरदार में कई समानताएं हैं। उन्होंने बताया, मुझमें और राही में निश्चित रूप से कई समानताएं हैं, खासकर सकारात्मक नजरिए से।

ऊपरवाला देता है तो छप्पर फाड़कर देता है

'छावा', 'निशानची', 'सुपर बॉयज ऑफ मालेगांव' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके विनीत कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'शक्ति शालिनी' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बताया- वो मेरे करियर की सबसे मुश्किल शूटिंग थी।

आग में तपकर ही सोना कुंदन बनता है। एक जमाने में विनीत कुमार ने चाहे जितना भी संघर्ष किया हो, मगर आज उन्हें अपने संघर्ष, मेहनत और प्रतिभा का फल मिल रहा है। बीता साल उनके लिए बहुत ही मुफीद रहा। पिछले साल उनकी 8 फिल्में रिलीज हुईं और उन फिल्मों में 'छावा', 'निशानची', 'सुपर बॉयज ऑफ मालेगांव' जैसी फिल्मों में उन्हें खूब तारीफ भी मिली। इस साल वे चर्चा में हैं 'हैलो बच्चों' और 'मटका किंग' से।

विनीत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'शक्ति शालिनी' की शूटिंग कर रहे हैं। सभी जानते हैं कि गर्मी ने पूरे देशभर में हाहाकार मचा कर रखा हुआ है और ग्वालियर में भी खूब पारा चढ़ा हुआ है। ऐसे में विनीत हीट को बीट करने के तमाम तरीके अपना रहे हैं।

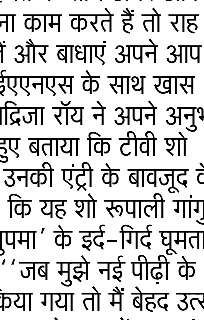

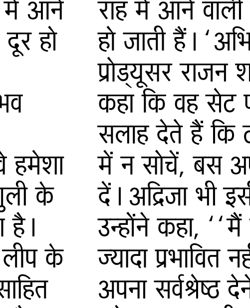

वे कहते हैं, 'गर्मी के मारे तो हमारा बुरा हाल है। हाल ही में तापमान 44 डिग्री था, ऐसे में शूटिंग करना आसान नहीं होता। हां, बीच में एक दिन ईश्वर की कृपा से बारिश हो गई थी और कुछ ठंडक भी, मगर फिर वही गर्मी का प्रकोप। यहां सुबह और शाम अच्छी होती है, मगर दोपहर तो आग ही उगलती है। ऐसे में मैं देसी उपाय करता हूं। सत्तू को पानी में मिलाकर उसमें जीरा और नमक डाल कर उसे पीने से बॉडी में ठंडक बनी रहती है। दूसरा घरेलू उपाय है सब्जा। यह भी काफी फायदेमंद है। इसे पानी में भिगोकर रखने के बाद साथ में कैरी किया जा सकता है। ये दो-तीन घंटे तक चलता है। ये सारे नुस्खे मैं ही नहीं बल्कि मेरा स्टाफ भी आजमाता है। जाहिर-सी बात है कि मेरी टीम ही है, जो मेरे लिए इतनी भागदौड़ करती है।' शूटिंग के दौरान होने वाली भयंकर गर्मी का एक किस्सा याद करते हुए वे कहते हैं, 'हम लोग बनारस में मुक्केबाज की शूटिंग कर रहे थे गर्मी के मौसम में टेम्प्रेचर 47 डिग्री शूटिंग की बड़ी-बड़ी हैवी लाइट्स, मैं बॉक्सिंग रिंग में दस-दस घंटे फाइट्स लड़ता था। एक दिन तो मैं एक ऐसी फाइट लड़ रहा था, जो डिजाइन नहीं थी। वो रियल फाइट थी और मैं कह सकता हूं कि वो मेरे करियर की सबसे मुश्किल शूटिंग थी। उस दिन मैंने 5 फाइट्स लड़ी थीं। आज जब भी किसी मुश्किल वेदर कंडीशन में काम करता हूं,तो खुद को मुक्केबाज की शूटिंग की याद दिलाता हूं। उससे मुझे बहुत ताकत मिलती है।'

बेटे के लिए दुनिया को बेहतर बनाना है

अपने फादरहुड के अहसास के बारे में वे कहते हैं, 'जब मैं पिता बना, तो मुझे अहसास हुआ कि हमारे माता-पिता ने हमारे लिए कितनी कुर्बानियां दी होंगी, अपनी कितनी ही रातों की नींद खराब की होगी। हर आवाज पर अलर्ट रहना पड़ा होगा। हालांकि मुझे पता हमेशा से था, मगर अहसास अब हुआ। अब लगता है कि दुनिया बेहतर होनी चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में मेरा बेटा उसी दुनिया में पलने वाला है। हालांकि वो अभी काफी छोटा है।'

मेरे रोल को धुरंधर का बड़ा साब कहा जा रहा है

वर्क फ्रंट पर तो विनीत कुछ ज्यादा ही मसरूफ हैं। वे कहते हैं, 'अभी मैं मध्य प्रदेश में फिल्म शक्ति शालिनी की शूटिंग कर रहा हूं। कहानी और किरदार के बारे में अभी ज़्यादा नहीं बता पाऊंगा। मगर इतना जरूर कहूंगा कि छावा के बाद प्रॉडक्शन हाउस के साथ यह मेरा दूसरा काम है, जो मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस फिल्म के डायरेक्टर आदित्य सरपोतदार हैं, और उनके साथ काम करने में बहुत मज़ा आ रहा है। हम लोग ग्वालियर और उसके आसपास की रियल लोकेशन्स पर शूट कर रहे हैं। काफी इंटीरियर्स में जाकर शूट हो रहा है, जिससे फिल्म में एक ऑथेंटिक फील आएगी।' हाल ही में विनीत वेब सीरीज मटका किंग में डॉन दाऊद के छोटे -से अपीयरेंस में भी सराहे गए। चर्चा है कि 'मटका किंग पार्ट 2' में उनका काफी लंबा-चौड़ा रोल है। वे कहते हैं, 'आगे का मैं कुछ खुलासा नहीं कर सकता, मगर हां इस सीरीज में मेरी भूमिका के बाद लोग मेरे रोल की तुलना 'धुरंधर' के बड़ा साब से जरूर करने लगे हैं। मैं बहुत खुश हूं, क्योंकि इस सीरीज से पहले मैं हैलो बच्चों में एक टीचर की भूमिका की थी।'

शुगर नियंत्रण के आसान नुस्खे

शरीर में होने वाली शुगर की बीमारी को मधुमेह कहा जाता है। इस बीमारी में खून में शुगर का स्तर बढ़ जाता है। ऐसा इंसुलिन की गड़बड़ी के कारण होता है। इंसुलिन शरीर में पाया जाने वाला ऐसा हॉरमोन है जो खून में शुगर के स्तर को नियंत्रित रखता है।

भागम-भाग की जिदंगी में ज्यादातर लोग स बीमारी के शिकार होते जा रहे हैं क्योंकि इस बीमारी के शिकार होते जा रहे हैं क्योंकि इस बीमारी का असली कारण तनाव और अनियंत्रित दिनचर्या है। इसके इलाज के लिए बाजार में अनेक दवाओं से लेकर इंसुलिन का इंजेक्शन तक मौजूद है लेकिन इनकी उपलब्ध और कीमतों को देखकर इन्हें वाजिब नहीं माना जा सकता। घरेलू नुस्खे और उसमें उपयोग आने वाले घरेलू चीजें सस्ती और इस मर्ज के लिए कारगर हैं। शुगर को कम करने वाली ये घरेलू चीजें और उसके नुस्खे निम्नलिख्ति हैं।

करेला

घर में अक्सर यह सलाह दी जाती है कि खून में शुगर के स्तर को कम करने के लिए करेले का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह सलाह बेवजह नहीं है। इस सलाह के पीछे सार्थक वास्तविकता यह है कि करेला में ऐसे तत्व पाये जाते है जो स्वाद में तो कड़वे लगते है लेकिन खून के विकार भगाने में अव्वल है। शुगर इन्हीं विकारों में एक है।

दालचीनी

दालचीनी को शहद के साथ सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल का स्तर घटता है जिससे शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ जाता है। इससे खून में शुगर का स्तर स्वत: गिर जाता है।

लहसुन

लहसुन को शुगर की बीमारी में अचूक इलाज के तौर पर लिया जा सकता है। शरीर में इंसुलिन के स्तर को बढ़ाकर शुगर की समस्या को लहसुन कम करता है।

लहसुन को खाने में ज्यादा मात्रा में उपयोग कर स्वास्थ्य को तंदरूस्त बनाया जा सकता है। सांस की बीमारी में यह लाभदायक है, यह तो सबको पता है।

मेथी

मेथी में पॉलीसैकेराईड, एल्केलॉयड कोलीन, सेपोनिन डायोसजोर्निन और येमोजेनिन बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है। मेथी में पाये जाने वाले ये तत्व खून में शुगर और कोलेक्ट्रॉल की मात्रा को कम करते हैं। ●

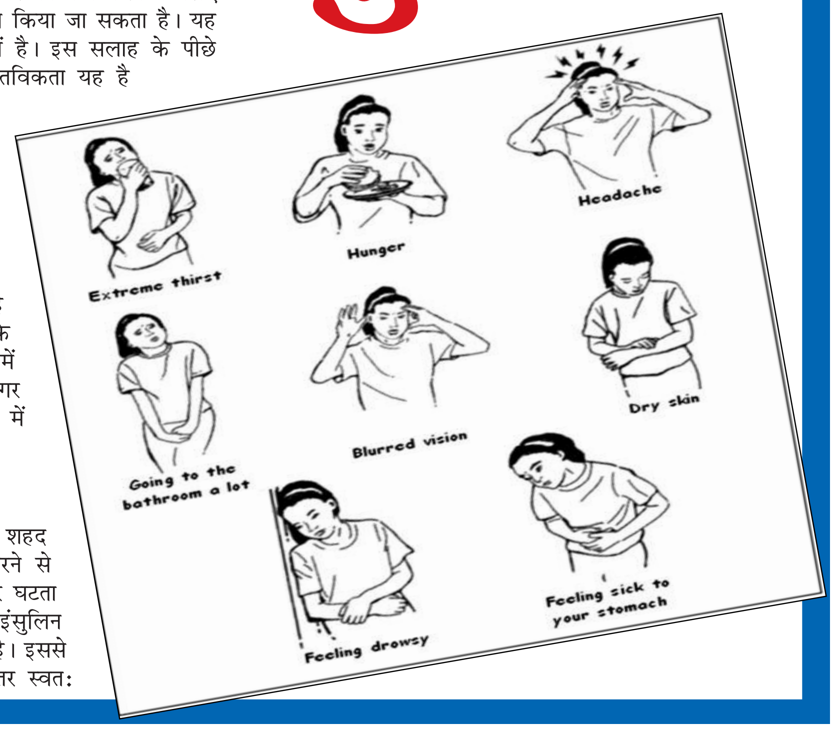

लाइलाज नहीं है बहरापन

भारत में प्रतिवर्ष 10 लाख ऐसे बच्चे जन्म लेते हैं जिनमें सुनने की क्षमता सामान्य से काफी कम होती है हालांकि स्क्रीनिंग के जरिये होने वाली बहरेपन की शुरूआती जांच तथा कोक्लर प्रत्यारोपण और थेरेपी से इस बीमारी को दूर किया जा सकता है। वरिष्ठ चिकित्सक बीके राव का कहना है कि भारत में सुन न पाने वाले बच्चे अक्सर गूंगेपन का शिकार हो जाते हैं और इसी वजह से वह ठीक से बोल नहीं पाते।

अंतर्राष्ट्रीय शोध अध्ययन यह बताते हैं कि जिन बच्चों में बहरेपन का जन्म के छह से आठ महीने के अंदर पता चल जाता है उनका इलाज संभव है। उत्तर भारत में केवल सर गंगा राम अस्पताल में ही बहरेपन की स्क्रीनिंग की सुविधा है। अस्पताल में वर्ष 2007 से ही ये परीक्षण किये जा रहे हैं और अब तक 4578 बच्चों की स्क्रीनिंग की जा चुकी हैं।

बहरेपन की स्क्रीनिंग के बाद मरीज का कोक्लर इम्प्लांट और थेरेपी के द्वारा इलाज किया जाता है। इस इलाज के बाद ज्यादातर मरीज सामान्य व्यक्ति की तरह सुन पाने में सक्षम हो जाते हैं। कोक्लर इम्प्लांट दो तरीके का होता है जिसमें पहले में मरीज को छह से 12 लाख रुपए खर्च होते हैं। एक बार कोक्लर इंप्लांट हो जाने के बाद यह अस्सी वर्षों तक चलता है। ●

मोतियाबिंद देरी हो सकती है घातक

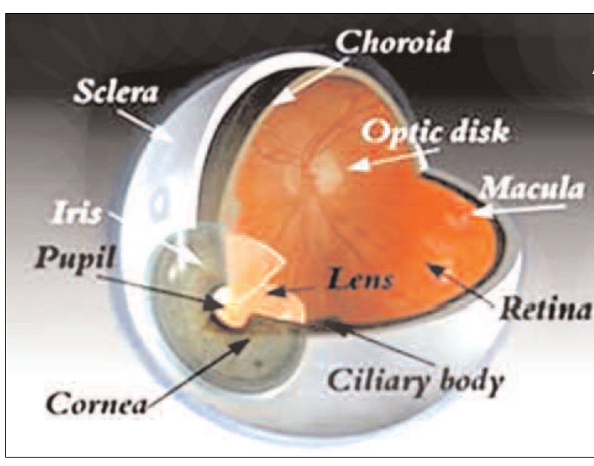

मोतियाबिंद आंख की एक प्रमुख बीमारी है, जो उम्र ढलने के साथ अपने लक्षण दिखाने लगती है। मोतियाबिंद को लेकर कई मत सामने आते हैं। समझदारी इसी में है कि मोतियाबिंद का ऑपरेशन इसके पकने के बाद ही कराएं। इसके साथ ही लोगों का यह भी मानना है कि मोतियाबिंद का ऑपरेशन हमेशा जाड़े में ही करवाना चाहिए, लेकिन यह बिल्कुल गलत धारणा है।

डॉक्टरों के मुताबिक मरीज को न तो इसके पकने का इंतजार करना चाहिए और न ही मौसम का। जब भी किसी को मोतियाबिंद की शिकायत हो इसका इलाज तुरंत करवा लेना चाहिए।

सर्जरी से होता है इलाज

सामान्यत: लोग मानते हैं कि मोतियाबिंद का इलाज लेजर से हो सकता है, लेकिन ऐसा नहीं है। मोतियाबिंद का ऑपरेशन लेजर से नहीं किया जा सकता है। इसका एकमात्र इलाज सर्जरी है। इसकी सबसे सटीक और अत्याधुनिक तकनीक है फेकोइमल्सीफिकेशन। इसमें मरीज की आंख में एक लेंस लगा दिया जाता है। यह लेंस कई प्रकार की होते हैं।

- मोनो फोकल
- बाई फोकल
- मल्टी फोकल

डॉक्टरों की सलाह है कि मरीज को मल्टी फोकल लेंस ही लगाने चाहिए। इससे मरीज को बाद में चश्मे की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस ऑपरेशन में मात्र 15 से 20 मिनट लगते हैं।

चश्मे की जरूरत नहीं

आमतौर पर मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद चश्मे की जरूरत नहीं होती है, लेकिन पांच फीसदी मामलों में मरीज को चश्मे लगाने पड़ सकते हैं। डॉक्टरों की सलाह हे कि मोतियाबिंद के मरीजों को ऑपरेशन करवाने में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए और इसका इलाज शुरूआती दौर में ही करा लेना चाहिए। मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद मरीज को बहुत ज्यादा सावधानियां भी नहीं बरतनी पड़ती है और एक दिन के अंतराल के बाद मरीज सामान्य रूप से देखने भी लगता है। ●

निरोगी बनाती है लौंग

लौंग के वृक्ष सुंदर और सुगंधित होते हैं। इसके पत्ते भी सुगंधित होते हैं। इसके फूल की कलियों को लौंग कहते है। बाजार में जो लौंग मिलते हैं, उनमें से बहुतों का तेल निकाला हुआ होता है। असली लौंग वही होता है, जिससे तेल न निकाला गया हो। भावप्रकाश के अनुसार लौंग चरपरी, कड़वी, नेत्र-हितकारी, शीतल, दीपन, पाचन, रूचिकारक तथा कफ, पित्त, रक्तरोग, प्या, मूर्च्छा , अफरा, दर्द, खांसी, हिचकी व क्षयरोग नाशक हैं। राजनिघंटु के अनुसार लौंग गरम, तीक्षण, पाक के समय मधुर, शीतवीर्य तथा त्रिदोष, आम, क्षय व खांसी नाशक है।

लोंग पाचन क्रिया पर सीधा प्रभावी है, जिससे भूख बढ़ती है, आमाशय की रसक्रिया को बल मिलता है और मन प्रसन्न होता है।

यह कृमिनाशक है। आमाशय और आंतों में रहने वाले सूक्ष्म जंतुओं के कारण पेट फूलता है, यह उन जंतुओं को यह नष्ट करता है। यह रक्त में श्वेतकणों को बढ़ाता है। इस गुण के कारण शरीर में रहने वाले रोगमूलक कीटाणुओं को नाश होता है।

यह चेतनाशक्ति जागृत करता है। इसका यह गुण ह्दय रक्तसंचार और तेजी से सांस लेने छोड़ने पर स्पष्ट दिखता है। इस कारण त्रिदोष और सन्निपात में दी जाने वाली औषधियों में इसको मिलाया जाता है। यह शरीर की दुर्गंध को नष्ट करता है। कफ, लार और मुंह से आने वाली दुर्गंध को दूर करने में उपयोग किया जाता है।

लौंग मूत्रल है, इस कारण यह मूत्रपिण्ड के मार्ग की शुद्धि करता है और शरीर के बाहरी भाग पर इसको लगाने से यह चेतनाकारक, वेदनानाशक, व्रणशोधक और व्रणरोपक हैं।

- **ज्वर:** लौंग और चिरायता बराबर मात्रा में लेकर पानी में घोटकर पिलाएं। इससे ज्वर और उसके बाद की निर्बलता मिटती है।
- **गठिया :** लौंग के तेल की मालिश से गठिया के दर्द में लाभ होता है।
- **सिरदर्द :** इसमें लौंग के तेल की माथे पर मालिश करें।
- **दांत का दर्द :** दांत दर्द में लौंग के तेल को दांत की कोचर में रखें।
- **सांस की दुर्गंध :** मुंह में लौंग रखने से से मुंह और सांस की दुर्गंध दूर होती है।
- **नेत्र रोग :** तांबे के पात्र में लौंग को पीसकर शहद मिलाकर आंखों के सफेद भाग के रोग मिटते हैं।
- **ह्दय में रक्तसंचार :** लौंग को ठंडे पानी में घोट-छानकर मिश्री मिलाकर पिएं।
- **कुकर खांसी :** लौंग को आग में भूनकर शहद मिलाकर चाटें।
- **अजीर्ण :** लौंग और हरड़ का गाढ़ा बनाकर उसमें थोड़ा-सा सेंधा नमक डालकर पिलाएं।
- **जी मिचलाना:** लौंग को पानी में घोटकर कुनकुना कर पिलाएं, इससे प्यास और जी मिचलाना मिटता है।
- **नासूर :** लौंग और हल्दी पीसकर लगाएं।
- **मात्रा:** लौंग की मात्रा 120 से 250 मि.ग्रा. तक की है। ●

प्राणायाम से पाएं दीर्घायु

वेद और योग में आठ प्रकार की वायु का वर्णन मिलता है, जिनमें जीव विचरण करते हैं। प्राण, अपान, समान आदि वायुओं से मन को रोकने और शरीर को साधने को अभ्यास करना अर्थात् प्राणों को आयाम देना ही प्राणायाम है। प्राणायाम का अर्थ होता है प्राणवायु या शक्ति का विस्तार। सबमें निहित है प्राणशक्ति। प्राणायाम करने से व्यक्ति अपनी आयु भी बढ़ा सकता है। प्राणायाम करने वाले व्यक्ति को कभी भी श्वांस में परेशान नहीं हो सकती। ●

मुस्कुराकर मिटाएं झुर्रियां

चेहरे की उम्र घटाना हो तो इसके लिए मुस्कराहट एक उत्तम व्यायाम है। सिर्फ इसीलिए नहीं कि मुस्कुराते हुए आप सुंदर तो दिखती ही हैं। साथ ही मुस्कुराने से चेहरे पर आती झुर्रियों को रोका भी जा सकता है, तो फिर मुस्कुराने के लिए हो जाइए तैयार। यह मुस्कराहट भरा व्यायाम करने के लिए होंठों के कोनों को कानों की ओर फैला कर स्लो मूवमेंट में मुस्कराना शुरू कीजिए। हर मूवमेंट के साथ अपनी मुस्कराहट कुछ चौड़ी कीजिए। यह करते हुए आप निचले होंठ और ठुड्डी को स्ट्रेच करने की कोशिश कीजिए। वैसे ही जैसे ई बोलने के लिए करती हैं। कम से कम कुछ मर्तबा यह व्यायाम कीजिए। ये व्यायाम मन शांत रखता है और इससे आपका चेहरा स्वत: ही खिल उठता है। चेहरे के व्यायाम के साथ-साथ मुस्कुराहट आपके मन को भी शांत रखने का कार्य करती है। इससे आपका उत्साह बना रहता है, आपके व्यक्तित्व में निखार आता है और आपका चेहरा स्वत: ही खिल उठता है।